MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 06 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-184

अयोध्या चढ़ावाकाँड

हाईकोर्ट सुनवाई-चंपत फैंसला आज

सीबीआई जाँच और कैग ऑडिट की माँग

अयोध्या, 05 जुलाई (एजेंसियां) ।
अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दानपात्रों से चढ़ावा चोरी होने के आरोपों को लेकर हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में दाखिल जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई होगी। इस याचिका में पूरे मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने और मंदिर के चढ़ावे का भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक से ऑडिट कराने की मांग की गई है। यह याचिका इसी साल 12 जून को दाखिल की गई थी, लेकिन गर्मियों की छुट्टियों के कारण इस पर सुनवाई नहीं हो सकी थी। अब सोमवार (6 जुलाई) को न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ल की खंडपीठ इस पर सुनवाई करेगी।

स्थानीय अधिवक्ता मोहित अशोक ने यह जनहित याचिका व्यक्तिगत रूप से दायर की है। याचिका में कोर्ट से आग्रह किया गया है कि कथित हेराफेरी के इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जिम्मेदारी केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपी जाए। साथ ही मंदिर के दानपात्रों में आने वाले नकद धन, सोने-चांदी के आभूषणों और अन्य कीमती सामानों का हिसाब-किताब देश की सबसे बड़ी लेखापरीक्षक संस्था मकैगफ से कराया जाए। इसके अलावा राज्य सरकार को यह निर्देश देने की भी मांग की गई है कि इस पूरे मामले की जांच किसी पुलिस अधीक्षक स्तर के बड़े अधिकारी की निगरानी में कराई जाएॉ याचिकाकर्ता का कहना है कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था के केंद्र प्रभु श्रीराम के मंदिर में चढ़ावे की चोरी और हेराफेरी की खबरें लगातार समाचार पत्रों में आ रही हैं। इससे देशभर के भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंची है। इसलिए सच सामने लाने के लिए निष्पक्ष जांच और लेखापरीक्षा होना बेहद जरूरी है। इस मामले में केंद्र सरकार, राज्य सरकार के सतर्कता विभाग के प्रमुख सचिव, केंद्रीय जांच ब्यूरो के निदेशक, नियंत्रक-महालेखापरीक्षक और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भी इसके अध्यक्ष के माध्यम से पक्षकार बनाया गया है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण सामने आने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास की पहली बैठक सोमवार को होगी। बैठक का सबसे अहम एजेंडा ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे पर फैसला होगा। सूत्रों के मुताबिक, दोनों के इस्तीफे स्वीकार किए जाने की संभावना है। 26 जून को दोनों ने इस्तीफा दिया था, जिसकी पुष्टि 27 जून को ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने की थी।

छह जून को मामला उजागर होने के बाद ट्रस्ट की मांग पर 13 जून को एसआईटी का गठन किया गया था। 25 जून को एफआईआर दर्ज होने के बाद आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। चढ़ावे की गणना और मंदिर प्रबंधन की जिम्मेदारी चंपत राय और अनिल मिश्रा के पास होने के कारण दोनों ▶8पर

गोविंद गिरी ने तोड़ी चुप्पी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ा

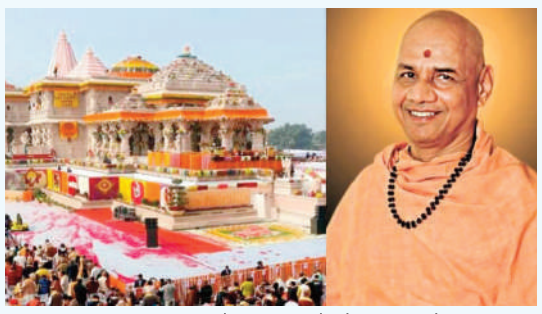

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में रामकोष के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी की चुप्पी और उनके पद की जिम्मेदारी को लेकर कई सवाल उठाए गए थे। जिसके बाद रविवार को गोविंद गिरी ने आखिरकार चुप्पी तोड़ते हुए सफाई पेश की है। गोविंद गिरी ने अपनी पहली प्रतिक्रिया में चोरी मामले में अपनी भूमिका से पल्ला झाड़ा है। एक बयान जारी करके राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी ने क्या कहा, आइए बताते हैं। स्वामी गोविंद गिरी महाराज अपने ऊपर हो रहे आरोप का खंडन करते हुए जो पत्र लिखा है, उस पर उनकी स्वाक्षरी यानी हस्ताक्षर अंकित है। आपको बताते चलें कि राम लला का पैसा गायब करने वालों को लेकर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी की भूमिका को लेकर साधु संतों से लेकर आम जनमानस तक का आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

गोविंद गिरी पर भड़के अयोध्या के साधु-संत!
राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी पर अयोध्या के साधु संतों ने भी निशाना साधा है। इस पूरे मामले में अयोध्या स्थित विश्व प्रसिद्ध हनुमान गढ़ी के महंत से लेकर पुजारी डॉक्टर दिवेशाचार्य महराज समेत, महंत शशिकांत दास महाराज और महंत गुंजन दास महाराज ने भी गोविंद गिरी की भूमिका पर सवाल उठाए हैं।

सीताराम दास महंत (अयोध्या) और डॉ. चंद्रांशु महराज महंत (अयोध्या) ने भी गोविंद गिरी की जिम्मेदारी और चोरी मामले में जवाबदेही को लेकर उन्हें अपने कई सवालों के कटघरे में खड़ा किया है।

कोषाध्यक्ष को लेकर आक्रोश
अयोध्या के साधु-संतों ने दान चोरी मामले को लेकर रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। अपने संबोधन में सभी संतों ने एक सुर में अयोध्या की छवि धूमिल करने के लिए राजनीतिक पार्टियों की बयानबाजी की निंदा करते हुए कहा, ङ्कएक गंभीर मामले में अपनी राजनीतिक रोटियां सेक रहे कुछ नेता लोग भगवान राम को काल्पनिक बताते थे। अब जब भव्य राम मंदिर बनकर तैयार हुआ तो वही राजनीतिक पार्टियां बता रही हैं कि राम मंदिर में चोरी व डकैती हुई है।

चंपत राय के समर्थन में नजर आए संतों ने कहा, वो (चंपत राय) 5 दशकों से रामलला की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने पूरी जिंदगी राम मंदिर और सनातन की सेवा में अर्पित कर दी। कभी उनके ऊपर ऐसा आरोप नहीं लगा।

संत समाज ने ये भी कहा कि जब तक आरोप सिद्ध न हो जाए तब तक किसी के बारे में नैरेटिव फैलाना गलत है। राम मंदिर दान चोरी हुई तो उसके जिम्मेदार कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी जी की होनी चाहिए। क्योंकि यह सारी जिम्मेदारी गोविंद देव गिरी की है। ▶8पर

बदरीनाथ चढ़ावा हेराफेरी

आरोपी कर्मचारी की ड्यूटी बदली

बीकेटीसी ने प्रोटोकॉल और थाली भेंट गणना कार्य से हटाया

गोपेश्वर (चमोली), 05 जुलाई (एजेंसियां)। बदरीनाथ मंदिर में चढ़ावे में कथित हेराफेरी के आरोपों की जांच के बीच बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने आरोपी कर्मचारी को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों से हटा दिया है। समिति ने उसे फिलहाल प्रोटोकॉल और थाली भेंट गणना (दान एवं चढ़ावे की रकम की गणना) की ड्यूटी से मुक्त कर दिया है।

आरोपी कर्मचारी बदरीनाथ धाम में प्रोटोकॉल और थाली भेंट गणना कार्य से जुड़ा हुआ था। ये दोनों व्यवस्थाएं मंदिर संचालन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। प्रोटोकॉल व्यवस्था में पांच कर्मचारी तैनात रहते हैं जबकि थाली भेंट गणना कार्य में छह कर्मचारी अपनी सेवाएं देते हैं। आरोपी कर्मचारी को प्रोटोकॉल का नोडल अधिकारी भी बनाया गया था।

सीईओ सोहन सिंह रांगड़ ने कहा कि जांच की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आरोपी कर्मचारी को प्रोटोकॉल और थाली भेंट गणना कार्य से हटा दिया गया है। ▶8पर

इजरायल में 'जंगल राज'!

नेतन्याहू सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को किया खारिज

नई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां)
इजरायल के इतिहास में यह पहला मौका है, जब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को आधिकारिक तौर पर मानने से इनकार किया है। यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के उन फैसलों पर रोक लगा दी थी, जिनके तहत मीडिया रेगुलेटर की नई परिषद बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। अदालत ने आदेश दिया कि मौजूदा परिषद ही अपना काम जारी रखे। अदालत का मानना था कि परिषद के कुछ सदस्यों के इस्तीफे राजनीतिक दबाव में दिए गए हो सकते हैं।

अदालत को कानून रौंदने का अधिकार नहीं
हालांकि, नेतन्याहू सरकार ने अदालत के फैसले को खारिज कर दिया। संचार मंत्री श्लोमो कारही और न्याय मंत्री यारिव लेविन ने संयुक्त बयान में कहा, अदालत को कानून को रौंदने का कोई अधिकार नहीं है। जो

फैसला कानून के खिलाफ होगा, उसे सरकार मान्यता नहीं देगी और उसके आधार पर लिए गए सभी फैसले अमान्य माने जाएंगे।

कैबिनेट ने यह भी साफ कर दिया कि मीडिया रेगुलेटर परिषद के भविष्य में लिए जाने वाले किसी भी फैसले को सरकार स्वीकार नहीं करेगी। सरकार का कहना है कि परिषद के पास कानूनी रूप से जरूरी सदस्य संख्या नहीं है, इसलिए उसके फैसले वैध नहीं हो सकते।

सरकार के इस कदम का विपक्ष और कानूनी विशेषज्ञों ने कड़ा विरोध किया है। डिप्टी अटॉर्नी जनरल गिल लिमोन ने चेतावनी दी कि अगर सरकार अपनी पसंद के मुताबिक ही अदालत के आदेश मानेगी, तो यह कानून के शासन को कमजोर करने की शुरुआत होगी। पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने कहा, अदालत के आदेश की अव-हेलना देश में अराजकता फैलाएगी और इजरायल की लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर देगी।

वहीं डेमोक्रेट्स पार्टी के नेता यायर गोलान ने आरोप लगाया कि नेतन्याहू सरकार चुनाव से पहले न्यायपालिका को कमजोर करना चाहती है। उनके मुताबिक सरकार पहले अदालत की अवहेलना को सामान्य बनाने की कोशिश कर रही है, ताकि भविष्य में चुनाव परिणाम उसके खिलाफ आने पर उन्हें भी चुनौती दी जा सके।

पत्रकार संगठनों और लोकतंत्र समर्थक समूहों ने भी सरकार के फैसले की आल-ोचना की है।

केंद्र सरकार का इंस्टाग्राम को सख्त आदेश

बाल यौन शोषण के विज्ञापनों को हटाएँ

ॅनई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां):
मेटा प्लेटफॉर्म्स द्वारा इंस्टाग्राम पर कथित तौर पर बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों को स्वीकार किए जाने पर कड़ा रुख अपनाते हुए, केंद्र सरकार ने ऐसे सभी विज्ञापनों को तुरंत हटाने का आदेश दिया है। इसके साथ ही सरकार ने इस तकनीकी दिग्गज कंपनी से सात दिनों के भीतर विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने अधिकारियों को इंस्टाग्राम के विज्ञापन मुद्दों को लेकर मेटा के प्रतिनिधियों को तलब करने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने कहा, उम्मीद है कि सरकार मेटा से जवाब मांगेगी कि ऐसे विज्ञापनों को मंजूरी कैसे मिली, आरोप सामने आने के बाद से मेटा ने क्या सुधारात्मक कदम उठाए हैं, और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए वह क्या सुरक्षा उपाय करने की योजना बना रही है।

सुरक्षा उपायों में गंभीर खामियों को उजागर करते हुए यह बात सामने आई है कि मेटा का रिकमेंडेशन एल्गोरिदम कथित तौर पर बाल यौन शोषण सामग्री वाले वीडियो को बढ़ावा दे रहा था। सोशल मीडिया पर इस तरह की आपत्तिजनक सामग्री के प्रचार का मामला तब वायरल हुआ, जब बीबीसी की एक खोजी जांच में कथित तौर पर पाया गया कि फेसबुक और इंस्टाग्राम पर इस प्रकृति के विज्ञापन दिखाई दे रहे थे। यह मेटा की उन घोषित विज्ञापन नीतियों के बावजूद हो रहा था, जो नग्नता और स्पष्ट रूप से यौन सामग्री को पूरी तरह प्रतिबंधित करती हैं।

टेलीग्राम चैनलों से जुड़े थे तार
इंस्टाग्राम पर कथित तौर पर रेप वीडियो और चाइल्ड वीडियो जैसे शब्दों वाले सशुल्क विज्ञापन दिखाए गए, जो उपयोगकर्ताओं को सीधे उन टेलीग्राम चैनलों पर ले जाते थे जहाँ ऐसी सामग्री कथित रूप से बिक्री के लिए उपलब्ध थी।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने शनिवार देर रात जारी एक नोटिस में इंस्टाग्राम को अपने प्लेटफॉर्म पर बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री को बढ़ावा देने वाले या उस तक पहुंच आसान बनाने वाले सभी विज्ञापनों और सामग्री को तुरंत निष्क्रिय करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय इस मामले के तकनीकी और नियामक पहलुओं की समीक्षा कर रहा है।

इस सप्ताह दूसरी बार नियामक के दायरे में आई मेटा को लेकर सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि यदि आरोप ▶8पर

आयतुल्ला अली खामेनेई की नमाज-ए-जनाजा अदा, लाखों लोगों ने दी अंतिम विदाई

तेहरान, 05 जुलाई (एजेंसियां)
ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई की नमाज-ए-जनाजा रविवार को राजधानी तेहरान स्थित इमाम खुमैनी मुसल्ला मस्जिद में अदा की गयी। इस दौरान लाखों लोग उनके जनाजे में शामिल हुए।

जनाजे में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में लोग सुबह से ही मस्जिद परिसर पहुंचने लगे थे। अनेक लोग ईरानी राष्ट्रीय ध्वज लेकर समारोह में शामिल हुए। नमाज-ए-जनाजा का नेतृत्व आयतुल्ला जाफर सुबहानी ने किया। समारोह में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान, वरिष्ठ सैन्य एवं राजनीतिक अधिकारी तथा प्रमुख धार्मिक नेता भी मौजूद रहे। आयतुल्ला खामेनेई की 28 फरवरी से शुरू हुए अमेरिका-इजरायल के हमलों में मृत्यु हो गयी थी, जिसके बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई की थी। उनके अंतिम संस्कार से जुड़े आधिकारिक कार्यक्रम शुक्रवार से शुरू हो गये थे। इस दौरान क्षेत्रीय और अन्य देशों के नेताओं तथा आधिकारिक प्रतिनिधिमंडलों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। आधिकारिक कार्यक्रम के ▶8पर

खाटूश्याम रेलवे स्टेशन का बदलेगा स्वरूप!

मंदिर की तर्ज पर होगा निर्माण भक्तों को मिलेगी डबल एंट्री

खाटूश्याम, 05 जुलाई (एजेंसियां)
केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देशभर के लाखों श्याम श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत दी है। उन्होंने खाटूश्यामजी के लिए नए रेलवे स्टेशन की घोषणा के बाद अब इस परियोजना की तस्वीर भी साफ होने लगी है। प्रस्तावित रेलवे स्टेशन सीकर जिले के पलसाना ब्लॉक के सुंदरपुरा गांव में बनाया जाएगा। यह स्टेशन जयपुर-सीकर राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप विकसित होगा और खाटूश्यामजी मंदिर से इसकी दूरी करीब 11 किलोमीटर रहेगी। खास बात यह है कि स्टेशन की डिजाइन में ▶8पर

ममता का बागियों को सीधा चैलेंज

'मुझे रोकना है तो मारना पड़ेगा'

कोलकाता, 05 जुलाई (एजेंसियां)।
पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस में जारी बगावत के बीच ममता बनर्जी ने कहा कि पार्टी का चुनाव चिह्न कहीं नहीं जाएगा। अगर मुझे रोकना है तो मुझे मारना पड़ेगा।

ममता ने बागी नेताओं को चुनौती देते हुए कहा, अगर हिम्मत है तो खुलकर बीजेपी में शामिल हो जाओ। तुम्हें क्या लगता है कि मैं खत्म हो गई हूं? मैं जनता के बीच पार्टी का चुनाव चिह्न लेकर जाऊंगी, मेरी आवाज कोई नहीं दबा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि बागी नेता अब खुलकर BJP के लिए काम कर रहे हैं। ममता ने कहा, गद्दारी की भी एक सीमा होती है। ममता का यह बयान ऐसे समय आया है, जब पार्टी के 20 सांसद और 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। शनिवार को टीएमसी की पश्चिम बंगाल अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बाद में वह बागी गुट के नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी के साथ नजर आईं। ▶8पर

305 साल बाद भी दफन 1170 करोड़ का खजाना का रहस्य

लंदन

छोटा सा देश सेशेल्स के माहे द्वीप पर लगभग 1170 करोड़ रुपये का एक खजाना दफन माना जाता है, जो बीते 305 सालों से किसी की भी पहुंच से दूर है। इस खजाने का रहस्य 305 साल बाद भी अनसुलझा है। इसे दुनिया का सबसे बड़ा समुद्री डाकू खजाना और खजाने का होली ग्रेल कहा जाता है, जिसकी कहानियां सदियों से सेशेल्स और रियूनियन आइलैंड के लोगों को रोमांचित करती रही हैं। यह रोमांचक कहानी 18वीं सदी के एक खूंखार फ्रांसीसी समुद्री डाकू ओलिवियर लेवासेर से जुड़ी है, जिसे उसकी तेज हमला करने की रणनीति के लिए जाना जाता था। उसकी समुद्री डकैती का दौर 1716 के आसपास शुरू हुआ और 1721 में चरम पर पहुंच गया। इसी साल, लेवासेर और उसके 750 साथियों ने रियूनियन आइलैंड के बंदरगाह पर लंगर डाले पुर्तगाली जहाज नोसा सेन्होरा दो काबो पर हमला किया। डाकुओं ने पूरे दल को मौत के घाट उतार दिया और जब उन्होंने जहाज के भीतर कदम रखा, तो उनकी आँखें फटी की फटी रह गईं। वह जहाज सोने-चांदी की छड़ों, कीमती पत्थरों, अनकट हीरों, सोने के गिन्नी, चर्च की प्लेट्स, प्यालों और अन्य अनमोल वस्तुओं से भरा एक तैरता हुआ खजाना घर था। लेवासेर ने इस विशाल लूट का कुछ हिस्सा मेडागास्कर में अपने साथियों के साथ बांटा, जिसमें हर साधारण डाकू को 42 हीरे और 5000 सोने के गिन्नी मिले। लेकिन सबसे बड़ा और कीमती हिस्सा लेवासेर ने अपने पास रखा और उसे सेशेल्स के माहे द्वीप पर छिपाने का फैसला किया।

बताया जाता है कि उसने खजाने को 20-20 के समूहों में बांटकर पहले एक गुफा में रखा। बाद में, जब इसे असली जगह पर दफनाया गया, तो इस गुप्त अभियान में शामिल सभी चुनिंदा साथियों को मार दिया गया, ताकि खजाने का राज हमेशा के लिए दफन रहे। इस तरह, केवल लेवासेर ही वह शख्स था जिसे इसकी असली जगह का पता था। हालांकि, लेवासेर का अंत भी करीब आ गया था। 1730 में, जब उसे पकड़कर फांसी दी जा रही थी, तो उसने भीड़ में अपने पुराने साथियों को देखा और हवा में एक पुराना चर्मपत्र फेंकते हुए चिल्लाया, मेरा खजाना उस व्यक्ति को जो इसे समझ सके। यह चर्मपत्र असल में एक क्रिप्टोग्राम यानी एक कोडित नक्शा था, जिसमें 17 जटिल पंक्तियाँ थीं। ब्रिटिश म्यूजियम ने बाद में पुष्टि की कि यह 18वीं सदी का एक प्रामाणिक चर्मपत्र था। लेवासेर ग्रीक, लैटिन और मेसोनिक प्रतीकों का एक विद्वान जानकार था, और उसने वाकई एक अत्यंत जटिल कोड बनाया था। इस रहस्यमयी खजाने की तलाश में एक ब्रिटिश परिवार की दो पीढ़ियां अपनी पूरी जिंदगी लगा चुकी हैं। रेजिनाल्ड हर्बर्ट क्रूज-विल्किंस, जिन्हें स्थानीय लोग ट्रेजर मैन के नाम से जानते थे, ने 27 साल तक इस खजाने की खोज की। 1977 में उनकी मृत्यु के बाद, उनके बेटे जान क्रूज-विल्किंस ने इस विरासत को संभाला।

न्यूज ब्रीफ

राइफल अब गिराएगी ड्रोन: रूस का म्नोगोटोचिये कारतूस

मास्को। रूस की सरकारी डिफेंस कंपनी रोस्टेक ने एके सीरीज की राइफलों के लिए एक नया म्नोगोटोचिये कारतूस तैयार किया है। कंपनी का दावा है कि यह कारतूस छोटे मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवीएस) या ड्रोनों को निशाना बनाने की सैनिकों की क्षमता को 2.5 गुना तक बढ़ा सकता है। यह नई गोली मौजूदा एके राइफलों में इस्तेमाल की जा सकेगी और लगभग 300 मीटर की दूरी तक छोटे ड्रोन के खिलाफ प्रभावी रहेगी। म्नोगोटोचिये कारतूस की सबसे बड़ी खासियत इसकी अनूठी डिजाइन है। रोस्टेक के अनुसार, यह गोली राइफल के बैरल से बाहर निकलने के बाद तीन अलग-अलग प्रोजेक्टाइल में बंट जाती है। इस फैलाव से गोली का क्षेत्र बढ़ जाता है, जिससे तेजी से उड़ रहे छोटे ड्रोन को निशाना बनाने और गिराने की संभावना काफी बढ़ जाती है। कंपनी का दावा है कि यह तकनीक छोटे यूवीए के खिलाफ करीब 2.5 गुना बेहतर असर दिखा सकती है। इस कारतूस को इस तरह तैयार किया है कि इसके उपयोग के लिए नई राइफल खरीदने की कोई आवश्यकता नहीं होगी। यह 5.45म39 मिमी और 7.62म54 मिमी कारतूस केस का उपयोग करता है, जो पहले से ही रूसी सेना के हथियारों में व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाते हैं। इससे सेना अपनी मौजूदा एके सीरीज की राइफलों के साथ ही इस नए और प्रभावी कारतूस का आसानी से इस्तेमाल कर सकेगी, जिससे लागत और प्रशिक्षण का बोझ कम होगा। रूस-यूक्रेन युद्ध सहित आधुनिक संघर्षों में छोटे ड्रोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। निगरानी, हमला करने और विस्फोटक पहुंचाने जैसे मिशनों में इनका बड़े पैमाने पर उपयोग हो रहा है, जिससे पारंपरिक सैन्य रणनीतियों को चुनौती मिल रही है। इसी वजह से दुनिया के कई देश, महंगे एयर डिफेंस सिस्टम के साथ-साथ ऐसे प्रभावी हथियार भी विकसित कर रहे हैं, जिनसे सामान्य सैनिक भी कम लागत में ड्रोन का मुकाबला कर सकें। फिलहाल, रोस्टेक ने इस कारतूस की क्षमताओं को लेकर ये दावे किए हैं, हालांकि अभी तक किसी स्वतंत्र एजेंसी ने इन दावों की पुष्टि नहीं की है। इसके बावजूद, यह स्पष्ट है कि बढ़ते ड्रोन खतरे का मुकाबला करने के लिए पारंपरिक हथियारों को नई तकनीकों के साथ उन्नत करने के वैश्विक प्रयास तेज हो गए हैं।

भारत-नेपाल बार्डर पर नहीं चलती बालेन शाह की सरकार, जनता ने रिकार्ड तोड़ खरीदी से सरकार के होश उड़ाए

काठमांडू । जब कोई सरकार अपनी जनता पर अत्यधिक नियम थोपती है, तो जनता अक्सर इसका प्रभावी इलाज ढूंढ लेती है। नेपाल में इसका एक अद्भुत उदाहरण देखने को मिला, जहाँ भारत-नेपाल सीमा पर प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की सरकार का कड़ा कस्टम ड्यूटी का नियम भी बेअसर साबित हुआ। नेपाल सरकार ने यह सोचा था कि सीमा शुल्क के डर से वह अपने नागरिकों को भारत जाकर खरीदारी करने से रोक पाएगी, लेकिन जनता ने इस पाबंदी की ऐसी धज्जियाँ उड़ाई हैं कि नए आंकड़ों ने बड़े-बड़े अधिकारियों को भी हैरान कर दिया है। नेपाल के नेशनल स्टैटिस्टिक्स आफिस (एनएसओ) के नवीनतम सर्वेक्षण ने एक ऐसा सच उजागर किया है, जिसने सीमा पर प्रतिबंध लगाने वालों के होश उड़ा दिए हैं। एनएसओ के सर्वेक्षण से पता चला है कि नेपाल से बाहर जाने वाले पर्यटन का मुख्य कारण सीमा-पार खरीदारी है, खासकर नेपाल-भारत सीमा के पास।

क्या महिला मेयर मेटरनिटी लीव भी नहीं ले सकती है, जापान में छिडी बहस

टोक्यो। क्या जापान में महिला मेयर होना अपराध है क्या यहां महिला मेयर मेटरनिटी लीव भी नहीं ले सकती है ऐसे सवालों को लेकर इन दिनों जापान में बहस छिडी हुई है। मेयर शोको कवाता देश की पहली ऐसी मेयर बनने जा रही हैं जो मातृत्व अवकाश पर जा रही हैं। ऐसे में पुरुषों में अजीब बहस शुरू हो गई है। अगर कोई महिला सामाजिक जिम्मेदारियों से घिरे ओहदे पर रहती है तो भी उसको गरिमा और हक के साथ बच्चे पैदा करने और उन्हें पालने का अधिकार होना चाहिए। लेकिन जापान के इस शहर में हुई घटना ने पूरी दुनिया के सामने फिर से मातृत्व को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक शोको कवाता जापान के यवाता शहर की मेयर हैं। वह देश की पहली मेयर बनने जा रही हैं जो मातृत्व अवकाश लेंगी। लेकिन इस फैसले से जापान के कुछ पुरुष नाराज हो गए हैं। उनका कहना है कि वह अपनी निजी जिंदगी को जनता की जिम्मेदारियों से ऊपर रख रही हैं। 38 वर्षीय शोको कवाता पिछले अगस्त में मेयर चुनी गई थीं। कुछ समय बाद उन्हें पता चला कि वह गर्भवती हैं। उनका बच्चा जनवरी में पैदा होने वाला है, इसलिए उन्होंने दो महीने की मातृत्व छुट्टी लेने का फैसला किया है। उनके इस फैसले का कई लोगों ने समर्थन किया, लेकिन सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने आलोचना भी की। वहीं कुछ पुरुषों ने कहा कि मेयर बनने के बाद उन्हें इतनी जल्दी बच्चा पैदा नहीं करना चाहिए था ।

यूक्रेन का रूस पर फिर बड़ा ड्रोन हमला, सेंट पीटर्सबर्ग में तेल रिफाइनरी और सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना

मास्को/कीव

यूक्रेन ने बीती रात रूस पर एक और बड़ा ड्रोन हमला किया। एक साथ सैकड़ों ड्रोन छोड़े। यूक्रेन ने सेंट पीटर्सबर्ग के पास तेल रिफाइनरी और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया ।रूस के रक्षा मंत्रालय ने माना कि इस हमले में करीब 500 ड्रोन शामिल रहे। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने एक्स पर इस हमले का एक वीडियो भी जारी किया। इसमें सेंट पीटर्सबर्ग के बंदरगाह पर मौजूद एक तेल सुविधा केंद्र से धुएं का बड़ा गुबार उठता दिखाई दे रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन ने सेंट पीटर्सबर्ग बंदरगाह पर तेल सुविधा केंद्र के साथ-साथ क्रोनस्टेड नौसैनिक अड्डे के आसपास सैन्य ठिकानों पर सफलतापूर्वक हमला किया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस हमले में लगभग लंबी दूरी के 500 ड्रोन शामिल रहे। मास्को के मेयर ने कहा कि 200 ड्रोन ने रूस की राजधानी को निशाना बनाया। यूक्रेन अब रूस के अंदर तक तेल रिफाइनरी और इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ रक्षा उद्योग केंद्रों पर लगभग रोजाना सफलतापूर्वक हमले कर रहा है। हमलों में वह लंबी दूरी के ड्रोन का प्रयोग कर रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन के हमलों के बाद रूस के कई इलाकों में ईंधन की कमी हो गई है। लोग गैस स्टेशनों पर लंबी लाइनों में इंतजार करते हुए खुद के वीडियो बना रहे हैं। साथ ही, युद्ध के मैदान में रूस की मुश्किलें बढ़ती हुई दिख रही हैं। मध्यम दूरी के ड्रोन का इस्तेमाल करके यूक्रेन का तेजी से असरदार होता अभियान रूस के लाजिस्टिक्स को निशाना बना रहा है और कब्जे वाले क्रीमिया में आपूर्ति लाइनों को बाधित करने की कोशिश कर रहा है। क्रीमिया में अधिकारियों ने ईंधन की कमी के कारण इमरजेंसी की स्थिति घोषित कर दी है और यूक्रेनी हमलों के कारण बिजली कटौती के बीच कर्फ्यू लगा दिया है।

इस बीच, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रात में वर्दी पहनकर एक सैन्य ठिकाने का दौरा किया। रूस की सेना ने शनिवार को दावा किया कि उसने यूक्रेन के पूर्वी डोनबास क्षेत्र में एक अहम रक्षा केंद्र कोस्टियान्टिनिव्का शहर पर कब्जा कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का कहना है कि अगर यह दावा सच है तो इसे रूस के लिए बड़ी सफलता कहा जा सकता है। यह इस साल मास्को की युद्ध के मैदान में पहली बड़ी सफलता होगी।

पोलैंड के रक्षा विश्लेषक और रोचन कंसल्टिंग के निदेशक कानराड मुजिका के अनुसार, रूस बहुत धीमी गति से आगे बढ़ रहा है और हो सकता है कि मई में उसने जितना इलाका हासिल किया, उससे ज्यादा इलाका कुल मिलाकर गंवा दिया हो। स्वतंत्र समीक्षकों और पश्चिमी देशों की इंटेलिजेंस रिपोर्ट के मुताबिक, इस लड़ाई में रूसी सेना को भारी कीमत चुकानी पड़ी है।

नेपाल में हाथी ने ली मां बेटे की जान, अब तक 25 लोगों को उतार चुका है मौत के घाट

काठमांडू

नेपाल के चितवन जिले में जंगली हाथी ध्रुवे के हमले में एक महिला और उसके चार वर्षीय बेटे की मौत हो गई। जिला प्रहरी कार्यालय के सूचना अधिकारी चन्द्रभूषण यादव के अनुसार, ध्रुवे ने 21 वर्षीय आशिका बोटे और उनके चार वर्षीय बेटे भरत बोटे पर घर पर सोते समय हमला किया। हमले में दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

जिला प्रहरी कार्यालय के सूचना अधिकारी यादव के अनुसार, हाथी को भगाने के प्रयास में आशिका के पति पूर्ण बोटे ने आग जलाई, लेकिन इस कवायद में उनका फूस का घर भी जलकर राख हो गया। पुलिस और स्थानीय लोगों की सहायता से आग पर काबू पाया गया।

भरतपुर महानगरपालिका-23 के वार्ड अध्यक्ष दीपक दवाड़ी ने घटना की पुष्टि की है। इस घटना के साथ ही ध्रुवे के हमलों में जान गंवाने वालों की संख्या 25 हो गई है। वर्ष 2018 में नेपाली सेना के एक मेजर की हत्या करने के लगभग नौ वर्ष बाद ध्रुवे ने फिर दो लोगों की जान ली है। स्थानीय लोगों के अनुसार, ध्रुवे अधिकतर चितवन राष्ट्रीय निकुञ्ज के सुखीभार क्षेत्र में रहता है। कभी-कभी अचानक बस्तियों और मेघौली क्षेत्र की ओर भी निकल आता है।

ध्रुवे ने वर्ष 2010 से इंसानों पर हमले शुरू किए। चितवन के माडी क्षेत्र में उसका आतंक काफी अधिक रहा। उसे मारने के लिए करीब 16 लाख नेपाली रुपये खर्च किए गए, लेकिन सेना की गोली से बचकर वह भाग निकला और लगभग पांच वर्ष तक लापता रहा। बाद में वह फिर सुखीभार क्षेत्र में दिखाई देने लगा। वन्यजीव प्रबंधन के तहत ध्रुवे के गले में कई बार रेडियो कालर लगाया गया और उसके दांत भी काटे गए। उसे बेहोश कर ट्रैकिंग उपकरण लगाया गया तथा उसके आक्रामक व्यवहार को कम करने के लिए दवाइयां भी दी गईं। हाल के महीनों में शांत दिखाई देने वाला ध्रुवे कुछ समय पहले सौराहा क्षेत्र में जंगली हाथी रोनाल्डो से भिड़ गया था। संघर्ष में हारने के बाद वह फिर सुखीभार क्षेत्र में अन्य मादा हाथियों के साथ रहने लगा। चितवन राष्ट्रीय निकुञ्ज में रोनाल्डो, गोविन्दे और ध्रुवे जैसे कई जंगली नर हाथी मौजूद हैं।

खुदाई में निकला द्वितीय विश्व युद्ध का 250 किलो वजनी जिंदा बम

बर्लिन। सुबह का वक्त था और लोग रोज की तरह अपने काम पर जाने की तैयारी कर रहे थे। कोई ट्रेन पकड़ने के लिए स्टेशन की ओर बढ़ रहा था तो कोई दफ्तर जाने की जल्दी में था। तभी अचानक पूरे इलाके में एक चेतावनी गूंजी। लोगों से कहा गया कि वे तुरंत अपने घर और आसपास का इलाका खाली कर दें। ये सुनते ही अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही देर में सड़कों पर पुलिस, दमकल और राहत दलों की गाड़ियां दौड़ने लगीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना जर्मनी के पाट्सडैम शहर की है, जहां निर्माण कार्य के दौरान जमीन के नीचे से द्वितीय विश्व युद्ध का 250 किलोग्राम वजनी जिंदा बम मिला। यह वही बम था, जो करीब 81 साल पहले युद्ध में गिराया गया था, लेकिन फटा नहीं। इतने साल बाद भी यह उतना ही खतरनाक था जितना उस दिन था, जब इसे गिराया गया था। बम मिलने के बाद प्रशासन ने कोई जोखिम नहीं लिया। करीब 6500 लोगों को तुरंत सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। एक वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को भी सुबह-सुबह बाहर निकालना पड़ा। इतना ही नहीं, शहर का सेंट्रल रेलवे स्टेशन, सरकारी दफ्तर, संसद भवन, बैंक और मशहूर बारबेरीनी संग्रहालय भी सुरक्षा के लिए बंद कर दिए गए। अधिकारियों ने बम मिलने वाली जगह के चारों ओर करीब 700 मीटर का सुरक्षा घेरा बना दिया।

महिला के दिमाग में मिले 38 परजीवी, वर्षों तक झेलीं मिर्गी और मानसिक बीमारी की पीड़ा

लंदन

लंदन से एक महिला ने दावा किया है कि भारत यात्रा के कुछ समय बाद वह एक दुर्लभ परजीवी संक्रमण की शिकार हो गईं, जिसके कारण उनके मस्तिष्क में 38 परजीवी पाए गए। इस गंभीर बीमारी ने उनकी शारीरिक और मानसिक स्थिति को इस हद तक प्रभावित किया कि उन्हें मिर्गी के दौरे पड़ने लगे और लंबे समय तक मानसिक विकारों से जूझना पड़ा। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि इस संक्रमण का संबंध सीधे किसी देश विशेष से नहीं जोड़ा जा सकता, बल्कि यह दूषित भोजन या पानी के माध्यम से फैलने वाली बीमारी है। यह एक महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण है जो किसी भी तरह की गलतफहमी को दूर करता है।

महिला लौरी ने बताया कि भारत यात्रा के दौरान उन्होंने पूरी तरह शाकाहारी भोजन ही किया था ताकि फूड पाइजनिंग या अन्य संक्रमण से बचा जा सके। इसके बावजूद, कुछ समय बाद उन्हें शौच के दौरान शरीर से लगभग एक मीटर लंबा टेपवर्म निकलता दिखाई दिया। उस समय उन्होंने इसे सामान्य घटना समझकर नजरअंदाज कर दिया, लेकिन बाद में उन्हें तेज सिरदर्द, बोलने में कठिनाई और मिर्गी जैसे दौरे पड़ने लगे। अस्पताल में सीएटी और एमआरआई जांच के बाद चिकित्सकों ने पाया कि उनके मस्तिष्क में 38 जीवित परजीवी मौजूद हैं। आगे की जांच में पुष्टि हुई कि उन्हें न्यूरोसिस्टिसिरकोसिस नामक बीमारी है। यह संक्रमण टेपवर्म के अंडों के शरीर में प्रवेश करने और उनके मस्तिष्क तक पहुंचने से होता है। चिकित्सकों के अनुसार, संक्रमण दूषित भोजन, पानी या ठीक से साफ न की गई खाद्य सामग्री के माध्यम से भी फैल सकता है।

बीमारी के चलते लौरी को गंभीर मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ा। उन्हें पैरानायड साइकोसिस, घबराहट और पैनिक अटैक होने लगे, जिससे उनका जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। कई बार उनका व्यवहार छोटे बच्चे जैसा हो जाता था, और परिवार के सदस्यों के अनुसार, वह कभी फर्श पर घुटनों के बल चलने लगती थीं तो कभी यह मान बैठती थीं कि पुलिस उनका पीछा कर रही है। उनकी स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि उन्हें कई सप्ताह तक न्यूरोसाइकियाट्रिक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। लंबे इलाज, स्टेरायड और मिर्गी रोधी दवाओं के बाद उनकी हालत धीरे-धीरे सुधरने लगी।

ईरानी राष्ट्रपति का मुस्लिम देशों से एकजुट होने का आह्वान

तेहरान

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कहा है कि इस्लामी क्रांति के शहीद नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई का मार्गदर्शन दुनिया भर के देशों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि एकता, सम्मान, आजादी और प्रतिरोध का संदेश अब पहले से कहीं ज्यादा मजबूती से गूंज रहा है। राष्ट्रपति ने सभी मुस्लिम देशों से एकजुट होने का आह्वान किया।

इरना की रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान में शनिवार को राष्ट्रपति ने मुस्लिम देशों से एकता का आह्वान इमाम खामेनेई: प्रतिरोध के अमर नेता विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के संबोधन में किया। पेजेश्कियान ने इस्लामी क्रांति के शहीद नेता की स्मृति में आयोजित समारोह में शामिल होने वाले घरेलू और विदेशी प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह सभा मुस्लिम जगत में एकजुटता को मजबूत करेगी और वैश्विक अहंकार की हिंसा, आतंकवाद और वर्चस्व की नीतियों के खिलाफ ज्यादा सहयोग को बढ़ावा देगी।

ईरानी राष्ट्रपति ने अयातुल्ला खामेनेई की शहादत का जिक्र करते हुए इस घटना को दुखद और अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि ईश्वरीय मार्गदर्शन प्राप्त नेताओं के मार्ग आदर्श और संदेश उनकी शहादत के साथ खत्म नहीं होते। वे बने रहते हैं और आने वाली पीढ़ियों को न्याय, सच्चाई और प्रतिरोध के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते रहते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि खामेनेई के मार्गदर्शन ने ईरान की सीमाओं से परे लोगों को प्रेरित किया है।

उन्होंने कहा कि आज इस्लामी क्रांति के शहीद नेता के मार्गदर्शन की बदौलत एकता, सम्मान, आजादी और प्रतिरोध का संदेश विभिन्न धर्मों के देशों और अनुयायियों के बीच गूंज रहा है। राष्ट्रपति ने इस्लामी एकता को राजनीतिक नारे के बजाय एक रणनीतिक जरूरत बताया। उन्होंने तर्क दिया कि मुसलमानों का एक ही ईश्वर, एक ही पैगंबर और एक ही पवित्र ग्रंथ है और उन्हें सांप्रदायिक या राजनीतिक मतभेदों को खुद को बांटने नहीं देना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि इस्लामी समाज की नींव भाईचारे और मेल-मिलाप पर टिकी है। उन्होंने जोर दिया कि एकता ऐतिहासिक रूप से मुसलमानों की ताकत का स्रोत रही है। उन्होंने कहा कि अगर मुस्लिम देश मिलकर काम करें, तो गाजा, लेबनान और फिलिस्तीन जैसी जगहों पर संघर्ष और मानवीय संकट बेरोकटोक जारी नहीं रह सकते। उन्होंने चेतावनी दी कि इस्लामी समूहों के बीच बंटवारा बाहरी ताकतों को क्षेत्रीय तनाव का फायदा उठाने का मौका देता है।

उन्होंने इजराइली शासन के अत्याचारों और उन्हें अमेरिका के समर्थन की भी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र बुद्धिजीवियों, वैज्ञानिकों और अन्य प्रभावशाली हस्तियों की लक्षित हत्याओं का गवाह बन रहा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की चुप्पी पर भी सवाल उठाए और कहा कि मानवाधिकारों की रक्षा का दावा करने के बावजूद वे ऐसी कार्रवाइयों को रोकने में विफल रही हैं। राष्ट्रपति ने आखिर में न्याय की दिशा में काम करने, इस्लामी एकजुटता को मजबूत करने और एकता के माध्यम से क्षेत्रीय शांति को आगे बढ़ाने के लिए ईरान की प्रतिबद्धता को दोहराया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपको भूमि, रिअल-एस्टेट या सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। परिवार में किसी बुज़ुर्ग की ख़राब तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। उन लोगों की बातों का बुरा न मानें जिनकी आपके जीवन में कोई अहमियत नहीं है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

मौज-मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ेगा, जो आपको तनाव दे सकता है। कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा दौड़-भाग भरी और तनावपूर्ण रहेगी। आपका जीवनसाथी बिना जाने कुछ ऐसा ख़ास काम कर सकता है, जिसे आप कभी भुला नहीं पाएंगे। लोगों के बीच रहकर सबका सम्मान करना आपको आता है इसलिए आप भी सबकी नजरों में अच्छी छवि बना पाते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

सेहत अच्छी रहेगी। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। जरूरी कामों को समय न देना और फिजूल के कामों पर वक्त जाया करना आज आपके लिए घातक सिद्ध हो सकता है। जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं। आज किसी सामाजिक काम में हिस्सेदारी करके आपको अच्छा महसूस होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपके जीवन-साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है इसलिए साथ में अपना क़ीमती समय बिताएँ। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। कोई पुराना दोस्त आपके और आपके जीवनसाथी की साझा यादों को तरोताज़ा कर सकता है। यदि आप किसी खेल में महारत रखते हैं तो आज के दिन आपको वो खेल खेलना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर कोई मूवी या मैच देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़, थोड़ी छेड़-छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे। हालाँकि किसी भी चीज़ की अति नुक़सानदेह है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। आपकी ज्ञान की प्यास आपको नए दोस्त बनाने में मददगार साबित होगी। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। इस राशि के युवाओं की आज अपने जीवन में प्रेम की कमी महसूस होगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा-सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। भाई बहनों की मदद से आज आपको आर्थिक लाभ मिल पाएगा। अपने भाई बहनों की सलाह लें। कोई चिट्ठी या ई-मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है– जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। वे निवेश-योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें– कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। समय को व्यर्थ गँवाने की बजाय आज किसी विदेशी भाषा को सीखना आपके वार्तालाप के तरीक़ों में वृद्धि कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। इस राशि के जातक आज लोगों से मिलने से ज्यादा अकेले में वक्त बिताना पसंद करेंगे। आज आपका खाली समय घर की सफाई में बीत सकता है। बच्चों को साथ समय का पता नहीं चलता आज आप भी अपने बच्चों के साथ वक्त बिताकर यह जान जाएँगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है। अगर आज कुछ अधिक करने को नहीं है तो अपने घर के सामानों को दुरुस्त करके आप अपने को व्यस्त रख सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख़्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। एक लम्बा दौर जो काफ़ी समय से आपको दबोचे हुए था, ख़त्म हो चुका है– क्योंकि जल्दी ही आपको आपका जीवन-साथी मिलने वाला है। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का असली स्वाद चख सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। ग़लतफ़हमी के लम्बे दौर के बाद इस शाम आपको जीवनसाथी के प्यार का तोहफ़ा नसीब होगा। आज आप सब चिंताओं को भुलाकर अपनी रचनात्मकता को बाहर निकाल सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 जुलाई 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी दोपहर 01:49 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद सायं 04:08 तक
योग : सौभाग्य सायं 03:50 तक
करण : वणिज दोपहर 01:49 तक
चन्द्रराशि : कुंभ प्रातः 09:58 तक
सूर्योदय : 05:47 ,सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50, सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:40, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा दोपहर 01:49 से रात्रि 01:44 तक , पुनर्वसु में रवि दोपहर 12:03 से , पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सफाई कर्मचारियों के अधिकारों के लिए तेलंगाना सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग

मांगें पूरी न होने पर अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस ने दी राज्यव्यापी लोकतांत्रिक आंदोलन की चेतावनी

हैदराबाद, 4 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस, तेलंगाना ने राज्य सरकार से एससी मेहतर समुदाय और सफाई कर्मचारियों के लंबे समय से लंबित मुद्दों पर तुरंत और निर्णायक कदम उठाने की मांग की है। संगठन का कहना है कि सफाई कर्मचारी गरिमा, संवैधानिक सुरक्षा और समान अवसरों के हकदार हैं।

मीडिया से बात करते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश वाल्मीकि ने मुख्यमंत्री श्री ए. रेवंत रेड्डी और प्रशासनिक अधिकारियों से सफाई कर्मचारियों के जीवन स्तर, आवास, स्वास्थ्य और रोजगार में सुधार के लिए व्यापक कदम उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनस्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद यह समुदाय सामाजिक भेदभाव और आर्थिक तंगी झेल रहा है।

सरकार के समक्ष रखी गईं मुख्य मांगें

संगठन ने अपनी प्रमुख मांगों को रेखांकित करते हुए सरकार से त्वरित समाधान की अपील की है:

पुनः सर्वेक्षण और आयोग का गठन: एससी मेहतर समुदाय की सही आबादी का पता लगाने के लिए एक पारदर्शी और वैज्ञानिक पुन: सर्वेक्षण कराया जाए। साथ ही, सफाई कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए अन्य 18 राज्यों की तर्ज पर मतेलंगाना राज्य सफाई कर्मचारी आयोगफ का तत्काल गठन हो।

आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य: इंदिराम्मा डबल बेडरूम योजना के तहत समुदाय को उचित भागीदारी मिले और 100-200 परिवारों की समर्पित आवासीय कॉलोनियां बनाई जाएं। बस्तियों में स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र और नियमित मेडिकल कैंप स्थापित किए जाएं।

पुनर्वास और मुआवजा: ममैनुअल स्केवेंजर्स पुनर्वास अधिनियम, 2013फ के तहत युवाओं को कौशल विकास और होमगार्ड व अन्य सरकारी विभागों में प्राथमिकता मिले। ड्यूटी पर जान गंवाने वाले कर्मचारियों के परिवारों को बिना देरी वित्तीय मुआवजा और अनुकंपा नियुक्ति दी जाए।

सामुदायिक भवन का निर्माण: सामाजिक और धार्मिक आयोजनों के लिए मेहतर बस्तियों में 2,500 से 3,000 की क्षमता वाला आधुनिक कम्युनिटी हॉल बनाया जाए।

संचालन की समीक्षा: तेलंगाना और खासकर हैदराबाद में सार्वजनिक शौचालयों के संचालन में मसुलभ इंटरनेशनलफ के कामकाज की उच्च स्तरीय समीक्षा हो। भविष्य में इसका प्रबंधन स्थानीय सफाई कर्मचारी संगठनों और एससी मेहतर समुदाय की संस्थाओं को प्राथमिकता पर सौंपा जाए।

शोषण और उत्पीड़न पर रोक: श्रम कानूनों के उल्लंघन और कर्मचारियों के कथित शोषण की स्वतंत्र जांच हो। अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठाने वाले कर्मचारियों को झूठे मुकदमों में फंसाने से रोका जाए और निष्पक्ष सुरक्षा दी जाए।

यूजर चार्ज का अनिवार्य बोर्ड: अवैध वसूली रोकने के लिए हर सार्वजनिक शौचालय पर 2-3 दिनों के भीतर स्वीकृत रेट बोर्ड लगाए जाएं, जिसमें मूत्रालय: नि:शुल्क, शौचालय उपयोग: 5 और स्नान: 7 साफ़ लिखा हो।

मांगें अनदेखी करने पर आंदोलन की चेतावनी

अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि ये मांगें सिर्फ प्रशासनिक नहीं, बल्कि हजारों परिवारों की आजीविका और मौलिक अधिकारों से जुड़ी हैं।

संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि शौचालयों के प्रबंधन में पारदर्शिता नहीं लाई गई, श्रमिकों का शोषण बंद नहीं हुआ और सरकार ने इन मांगों पर सकारात्मक रुख नहीं अपनाया, तो वे पूरे तेलंगाना में एक बड़ा लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करने को मजबूर होंगे। संगठन सफाई कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए सभी कानूनी और संवैधानिक रास्ते अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

केबीआर पार्क पर मानवता के इस कारवां को और मजबूत बनाएं : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद, 05 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के वरिष्ठ सदस्य सुभाष अग्रवाल ने ग्रुप के सभी सदस्यों, शुभचिंतकों, सहयोगियों एवं सेवा कार्यों से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति से इस पुनीत अभियान में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनने का भावपूर्ण आह्वान किया है। सुभाष अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद केवल एक संस्था नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार और मानवता को समर्पित एक परिवार है। इस परिवार की सबसे बड़ी ताकत उसके सदस्य हैं, जो बिना किसी स्वार्थ के वर्षों से जरूरतमंदों की सेवा में निरंतर जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब किसी भूखे व्यक्ति के हाथ में भोजन का पैकेट पहुंचता है, तब केवल उसकी भूख ही शांत नहीं होती, बल्कि उसके मन में यह विश्वास भी जागता है कि समाज में आज भी संवेदनशील लोग मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सदस्य की छोटी-सी भागीदारी भी इस सेवा अभियान को नई ऊर्जा देती है। कोई समय देता है, कोई श्रम देता है, कोई सहयोग देता है और कोई अपनी उपस्थिति से सेवा का उत्साह बढ़ाता है। यही सामूहिक भावना राधे-राधे ग्रुप को एक मजबूत सेवा परिवार बनाती है।

सुभाष अग्रवाल ने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि वे इस रविवार अपने परिवार, मित्रों और परिचितों के साथ केबीआर पार्क अवश्य पहुंचें। उन्होंने कहा कि सेवा का अवसर बार-बार नहीं मिलता और किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने से बड़ा कोई पुण्य नहीं हो सकता। यदि हर सदस्य एक नए व्यक्ति को भी इस सेवा अभियान से जोड़ दे, तो मानवता का यह कारवां और अधिक व्यापक रूप ले सकता है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सभी सदस्य पहले की तरह इस बार भी पूरे उत्साह, समर्पण और सेवा भावना के साथ उपस्थित होकर अन्नदान कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल भोजन वितरित करना नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, करुणा, सहयोग और अपनत्व की भावना को मजबूत करना है।राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद ने भी सभी सदस्यों, सहयोगियों एवं समाजसेवियों से समय पर केबीआर पार्क पहुंचकर इस नियमित अन्नदान सेवा में अपनी सहभागिता निभाने की अपील की है। ग्रुप का मानना है कि जब सेवा का संकल्प सामूहिक बन जाता है, तब समाज में सकारात्मक परिवर्तन की एक नई शुरुआत होती है और यही मानवता की सबसे बड़ी पहचान है।

युवा केवल नौकरी नहीं, रोजगार सृजन करें : सांसद वामसिकृष्णा

बॉवर यूजी समिट 2.0 में छात्रों को संबोधित किया, उद्यमिता अपनाने का आह्वान

पेद्दापल्ली, 5 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली के सांसद गड्डम वामसिकृष्णा ने शनिवार को हैदराबाद के टी-हब में बॉवर स्कूल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप द्वारा आयोजित बॉवर यूजी समिट 2.0 में बतौर मुख्य वक्ता भाग लिया।

अगर आज मैं 18 साल का होता तो क्या होता? की अवधारणा पर आधारित इस सम्मेलन में सांसद ने भारतीय युवाओं का भविष्य 0 निर्माण, नेतृत्व और औद्योगिक अवसर विषय पर छात्रों एवं युवाओं को संबोधित किया।

इस अवसर पर सांसद वामसिकृष्णा ने कहा कि आज के युवाओं को केवल नौकरी पाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि ऐसे उद्यमी बनना चाहिए जो रोजगार का सृजन करें। उन्होंने युवाओं से बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप नए कौशल विकसित करने, तकनीकी ज्ञान हासिल करने और रचनात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया, ताकि वे वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर सकें।

सांसद ने कहा कि ऐसे सम्मेलन युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जिम्मेदारी और नवाचार की भावना विकसित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, देश का भविष्य युवाओं के हाथों में है। प्रत्येक छात्र अपने सपनों को लक्ष्य में बदलकर उन्हें प्राप्त करने की दिशा में काम करे।

कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र, युवा उद्यमी, शिक्षाविद, स्टार्टअप प्रतिनिधि और शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने सांसद गद्दाम वामसिकृष्णा को सम्मानित किया और आभार व्यक्त किया।

मनोहराबाद श्री वासुपूज्य जैन मंदिर में नव आंगी पूजा एवं जात्रा का आयोजन

हैदराबाद, 5 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): मनोहराबाद स्थित श्री वासुपूज्य जैन मंदिर में रविवार को श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। जैन रत्न रमेश पी. तातेड़ (सिर-ोही) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार दि. 5 जुलाई 2026 को रसूलपुरा के श्री सहस्रफणा पार्श्वनाथ जैन मंडल के सभी सदस्यों ने मंदिर जी में पहुँचकर दर्शन-वंदन किए और अत्यंत हर्षोल्लास व अटूट भक्ति भावना के साथ भगवान की भव्य नव आंगी पूजा का आयोजन किया।जात्रा के इस पावन प्रसंग पर मंडल के सदस्यों द्वारा बीती रात प्रभु भक्ति की एक विशेष संध्या का आयोजन किया गया था। इस रात्रि भक्ति कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने झूमते-गाते हुए बहुत ही धूमधाम और उत्साह के साथ परमात्मा की आराधना की, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा। इसके साथ ही, मनोहराबाद पहुंचे सभी भाग्यशाली दर्शनार्थियों ने वहां संचालित वासु गौ धाम का भी अवलोकन किया और गौ-सेवा का विशेष लाभ लिया। इस पावन पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान में सहस्रफणा पार्श्वनाथ जैन मंडल के वरिष्ठ सदस्यों के साथ-साथ बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर मंडल के प्रमुख सदस्य विक्रम भंडारी, नितिन मेहता, रितेश तातेड़, मनीष परमार, प्रीतेश मेहता, शालीन दोषी, शरद मेहता, विवेक ओसवाल, केतन मेहता, अर्पण जैन, निकेश, चेतन जैन, अभिषेक, विराग, नमन जैन उपस्थित रहे। वहीं बाल मंडल से जिन्नय, इतांश, जीयांश, आदेश, ऋषभ, तीर्थ, वीरेन, हरित, धीर, जॉय सहित अन्य सभी सदस्यों ने पूरी तन्मयता के साथ धर्म आर-ाधना में सम्मिलित होकर पुण्य अर्जन किया।

इंटर प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए आज स्पॉट काउंसलिंग

पेद्दापल्ली, 5 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिला सामाजिक कल्याण गुरुकुल संगठन के समन्वय अधिकारी उतुरी श्रीनाथ ने बताया कि सामाजिक कल्याण गुरुकुल इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए स्पॉट काउंसलिंग सोमवार, 6 जुलाई को आयोजित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि जिले के तेलंगाना सामाजिक कल्याण गुरुकुल कॉलेज मंथनी (बालक), पेद्दापल्ली (बालक) तथा रामागुंडम, मल्लापुर, नंदी मेडारम, गर्रेपल्ले (बालिका) में इंटर प्रथम वर्ष बीआईपीसी, एमपीसी, सीईसी और एचईसी समूहों की रिक्त सीटों के लिए यह काउंसलिंग की जा रही है।

समन्वय अधिकारी ने कहा कि प्रवेश परीक्षा में प्राप्त मेरिट के आधार पर दो चरणों में अधिकांश सीटें भरी जा चुकी हैं। शेष सीटों को भरने के लिए तेलंगाना सोशल वेलफेयर गुरुकुल स्कूल/कॉलेज (बालक) मंथनी में स्पॉट काउंसलिंग की व्यवस्था की गई है।

इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों का पंजीकरण सुबह 9 बजे से 11 बजे तक किया जाएगा, जिसके बाद काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होगी। अभ्यर्थियों को काउंसलिंग में 10वीं कक्षा का उत्तीर्ण प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड की फोटोकॉपी, माता-पिता के आधार कार्ड की फोटोकॉपी, छात्र की चार पासपोर्ट साइज फोटो तथा सभी मूल प्रमाण-पत्रों के साथ उनकी दो-दो फोटोकॉपी लेकर आना अनिवार्य है।

पेद्दापल्ली में विकास कार्यों का शिलान्यास, किष्टमपेटा में इंदिरम्मा आवास का उद्घाटन

पेद्दापल्ली, 5 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के श्रम, रोजगार और खनन मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने शनिवार को भीमाराम मंडल में राष्ट्रीय राजमार्ग-63 पर विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इसके साथ ही उन्होंने मंचिर्याल जिले के चेन्नूर मंडल अंतर्गत किष्टमपेटा गांव में बुर्रा स्वरूपा-चंद्र गौड़ दंपत्ति के नवनिर्मित इंदिरम्मा आवास का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री डॉ. वेंकटस्वामी ने कहा कि राज्य सरकार जिले की विकास परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि सरकार का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में गुण-वत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना है। सड़क, पेयजल, जल निकासी और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए सरकार पर्याप्त धनराशि आवंटित कर रही है। उन्होंने कहा, ॾॾहर गांव को आदर्श गांव बनाने के लिए जन-आव श्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है।किष्टमपेटा में इंदिरम्मा आवास का उद्घाटन करते हुए मंत्री ने लाभार्थी दंपत्ति को बधाई दी। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों को सम्मानजनक जीवन देने के उद्देश्य से राज्य सरकार इंदिरम्मा आवास योजना का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। सरकार हर पात्र परिवार के घर के सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी गरीब परिवार बिना सुरक्षित आवास के न रहे। उन्होंने कहा कि सरकार मविकास के साथ कल्याणफ की नीति पर चलते हुए राज्य को सभी क्षेत्रों में अग्रणी बना रही है।

इन दोनों कार्यक्रमों में जिला कलेक्टर कुमार दीपक, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, कांग्रेस पार्टी के नेता-कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

फेंगशुई के टोटके

- कभी भी खाने का आखिरी कौर किसी पार्टी या समारोह में मत खाइये क्योंकि ये आपके लिये गरीबी लाता है और आपके भाग्य को दबाता है।
- कभी भी टूटी-फूटी क्राकरी में समान न लगाएं। ये नकारात्मक ऊर्जा छोड़ती हैं और आप जो भी उस समय बोलेंगे, आपका बोला हुआ आपको परेशानी में डाल देगा।
- मेहमानों को चाय देते वक्त केतली के मुंह की नली को मेहमानों की तरफ न रखें। ये आपस में गलतफहमी पैदा करसकता है।
- अगर प्लॉट या बिल्डिंग का आकार गोल,त्रिभुजाकार या तिरछा हो तो यह एक के बाद एक परेशानियों को खड़ा करता है।
- शराब पीते समय अगर कोई आखिरी जाम पीने को दे तो मना मत करें क्योंकि ये जाम आपकी घर वापसी के लिए अच्छा है।

तनाव कम करें ध्यान से

आज के युग को विज्ञान का युग माना जाता है। जीवन के हर पहलू पर विज्ञान का प्रभाव स्पष्ट देखा जा सकता है। परन्तु मेरा ऐसा मानना है कि आज का युग तनाव का युग है। तनाव का व्यक्ति पर चार प्रकार का प्रभाव पड़ता है- मानसिक, भावनात्मक, मनोशारीरिक एवं शारीरिक।

मानसिक प्रभाव: अवसाद, दुश्चिंता, कुंठाएं आदि व्याधियां उत्पन्न होती है।

भावनात्मक प्रभाव: क्रोध, चिड़चिड़ापन आदि।

मनोशारीरिक प्रभाव: सिरदर्द, पेट में घाव, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, त्वचीय घाव, अपच, शारीरिक दर्द, थकान आदि।

शारीरिक प्रभाव: शरीर का भार बढ़ जाने या घट जाना, मोटापा, मधुमेह, यकृत में विकृति, हृदयघात आदि।

हृदय-रोग से मरने वाले कृषि-मजदूरों की संख्या से बीस गुनी अधिक संख्या हृदय रोग से मरने वाले डॉक्टरों की है। डॉक्टर लोग तनावपूर्ण जीवन बिताते है और उसका खामियाजा वे इस तरह चुकाते है।

इसी संबंध में विलियम जेम्स ने ठीक ही लिखा है, 'भगवान भले ही पापों को क्षमा कर दें किन्तु स्नायु संस्थान हमें किसी भी भूल के लिए

क्षमा नहीं करता।'

प्रेक्षाध्यान, ध्यान की उत्कृष्ट पद्धति है। तनावों अथवा दबावों को दूर करने अथवा उनका प्रबंधन करने में प्रेक्षाध्यान एवं उसके विभिन्न अवयव किस प्रकार उपयोगी सिद्ध हो सकते है, इसका वर्णन प्रस्तुत है-

कायोत्सर्ग: कायोत्सर्ग वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा व्यक्ति स्वत: सूचन पद्धति से अपने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक तनावों को विसर्जित करता है। इस प्रक्रिया से शरीर को गहन विश्राम मिलता है, जो शरीर को पुन: ऊर्जामय बनाने में सहायक होता है। स्नानु मंडल सहित शरीर के सभी संस्थानों को भी गहन विश्राम मिलता है। उनकी क्रियाओं में सुधार आता है और असामान्य क्रियाएं भी सामान्य होने लगती है।

श्वास प्रेक्षा: तनाव की स्थिति में हमारा श्वास असंतुलित हो जाता है। कार्बन-डाई-ऑक्साइड एवं ऑक्सीजन का विनिमय भलीभांति नहीं हो पाता है। श्वासप्रेक्षा के अभ्यास से श्वास दीर्घ,लयबद्ध एवं समतल बनता है।

शरीर प्रेक्षा: जब हम शरीर के विभिन्न अवयवों पर चित्त को केंद्रित करते है तो मस्तिष्क की शक्तियां उस स्थान पर केन्द्रिभूत हो जाती है। इससे वहां पर जो असंतुलन होता है, वह दूर हो जाता है।

अन्तर्यात्रा: अन्तर्यात्रा हमारी चेतना की शक्ति का ऊर्ध्वारोहण करने की प्रक्रिया है। शक्ति का ऊर्ध्वारोहरण हमें दबावों और तनावों से मुक्त रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चैतन्य केन्द्र प्रेक्षा: चैतन्य केन्द्र वे है, जहां हमारी तंत्रिकाओं के समूह पाए जाते है। हमारी अंत: स्त्रावी ग्रंथियों के स्त्राव नियमित एवं संतुलित होते है और हम दबाव व उससे उत्पन्न परिस्थितियों से कुशलता से निपटने में सक्षम होते हैं।

तनावमुक्ति हेतु अन्य चिकित्सा

आसन: ताड़ासन, नौकासन, परिवर्तन मुद्रा (३० मिनट)।

प्राणायाम: दीर्घ श्वास, केवल रेचन, सूक्ष्म भस्त्रिका (५ मिनट)।

प्रेक्षा: सम्पूर्ण शरीर पर श्वेत रंग का ध्यान (१० मिनट)।

अनुप्रेक्षा

मैत्री एवं सहिष्णुता की अनुप्रेक्षा (१५ मिनट)।

जाप

ऊँ ह्रीं श्रीं भगवते पार्श्वदेवाय हर हर स्वाहा (१० मिनट)।

मुद्रा

ज्ञान, सूर्य और सुरभि मुद्रा।

अरबी ज्योतिष एक ऐसी प्रश्न विद्या है जिसमें प्रश्न पूछने और उसके समाधान के वास्ते व्यक्ति के नाम, जन्म-तिथि या मां-बाप के नाम आदि की जरूरत नहीं पड़ती है।

प्रश्न विद्या-रमल

भारतीय ज्योतिष शास्त्र में जन्म-तिथि, जन्म समय और जन्म स्थान की आवश्यकता होती है। इन सब बातों द्वारा जातक का स्थानीय समय पंचांग की सूक्ष्म गणना कर लग्न आदि निकाल कर कुंडली बनाई जाती है। जन्म कुंडली के आधार पर जातक के भविष्य संबंधी प्रश्नों का जवाब विद्वान द्वारा दिया जाता है। इस शास्त्र में ग्रहों का भी विस्तृत प्रकार से गणित कर फलादेश प्राप्त होता है।

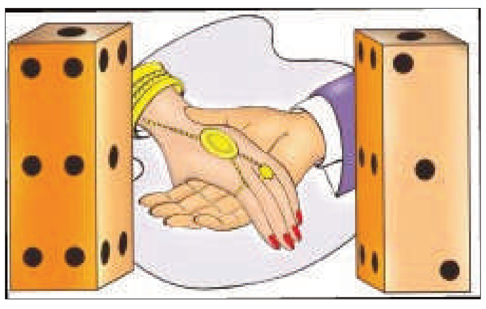

ज्योतिष में गणित और फलित दोनों अलग-अलग है। जो ज्योतिष का विद्वान अपने बुद्धि और विवेक से निर्धारित करता है। जन्म कुंडली में 12 घर होते हैं, जो कि सभी प्रकार की कार्य प्रणाली से संबंधित होते हैं। इसमें सभी प्रकार के प्रश्नों के लिए घरों का समावेश निहित हैं, जबकि रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में गणित व फलित एक ही बिन्दु यानी कि शून्य पर आधारित होता है। हालांकि बुद्धि और विवेक से यह कार्य बड़े ही तर्क संगत रूप से सावधानी से किया जाता है। जो समय आने पर करीब-करीब सटीक होता है। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के प्रस्तार यानी कि जायचे के 16 घर होते हैं। चार घर इन्हीं के गवाहन यानी कि साक्षी घर होते हैं, जो कि पूर्व से विद्वानों द्वारा निर्धारित किए गए हैं।

रमल शास्त्र द्वारा जीवन की प्रत्येक समस्या का समाधान मात्र पासे द्वारा किया जाता है। उक्त पासे को प्रश्नकर्ता के द्वारा पातन किया जाता है। यदि प्रश्नकर्ता रमल ज्योतिष के विद्वान के सम्मुख ना हो तो प्रश्न-फार्म द्वारा भी कार्य संपादित किया जाता है।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र मूलतह. तत्त्वों पर आधारित है। तत्त्व चार होते हैं। प्रथम अग्नि, द्वितीय वायु, तृतीय जल और चतुर्थ पृथ्वी तत्त्व हैं। जिसमें जातक के जीवन के स्थावर और जंगम पदार्थों का समावेश किए हुए हैं। रमल ज्योतिष में नौ ग्रह, बारह राशियां, सत्ताईस नक्षत्र भी विद्यमान हैं। जो एक निश्चिय स्थिति में कायम रहते हैं और गणित के समय बराबर कारगर बने रहते हैं।

अन्तर्यात्रा

इंसान ने दूर-दिगन्त तक हजारों यात्राएं की, अनेक तीर्थयात्राएं भी की किन्तु अंतर्यात्रा करने का उसे ख्याल नहीं आया। बाहर की यात्रा करनी हो तो मानचित्र मार्ग दर्शन देता है या जिसने पूरी दुनिया की यात्रा कर ली है वह व्यक्ति भी सहायक बन सकता है। परन्तु अंतर्यात्रा के सारे रास्ते अनचिन्हे हैं इसलिए आदमी भीतर जितना भटकता है उतना बाहर नहीं भटकता। कोई ऐसा सोचे कि पहले सारी अंतर्यात्रा की जानकारी कर लेंगे और फिर यात्रा करेंगे वह अंतर्यात्रा नहीं कर सकता। वह तो ऐसा आदमी है जो यह कहे कि जब तक मैं तैरना न सीख लूं तब तक पानी में नहीं उतरूंगा।

जो इस तर्क बुद्धि से चलेगा वह पानी में बिना उतरे तैरना कैसे सीखेगा? इस अज्ञात यात्रा में अंतस की तीव्र रुचि ही मार्ग दर्शाएगी। भीतर चलना आसान नहीं है। वहां न रास्ते हैं न कोई पगडंडी सिर्फ अभीप्सा और प्यास के आधार पर ही चलना है।

जहां प्यास है वहां रास्ते खुल जाते हैं। जब कोई पहली बार भीतर प्रवेश करता है तो उसे अंधकार ही मिलेगा। जब कोई पहली बार भीतर प्रवेश करता है तो उसे अंधकार ही मिलेगा। जब शांतिपूर्वक धीरे-धीरे उस अंधेरे को देखोगे तो अंधेरा कम होता चला जाएगा और आत्मा का प्रकाश प्रगट होगा।

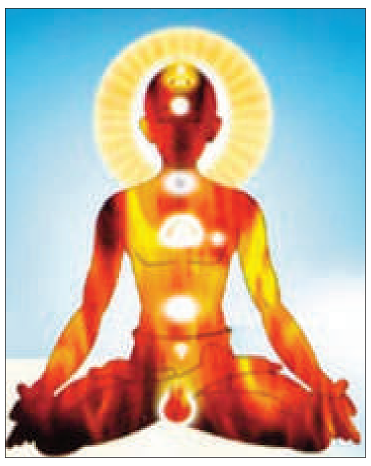

ऊँचाई पर बने मंदिर देते हैं शांति

पहाड़ों का क्षेत्र बहुत ही रम्य-सुरम्य होता है। वहां का वातावरण बहुत सुंदर होता है। पहाड़ी क्षेत्रों में ऊंचे-ऊंचे पेड़-पौधे और सुंदर पुष्पों से क्षेत्र की सुंदरता और अधिक बढ़ जाती है। पहाड़ों के ऊंचे टीले आदि देखकर मन प्रसन्न हो जाता है। ऐसे सुंदर मनोरम स्थान पर देवी-देवताओं का वास हो तो दर्शनार्थी (दर्शन करने वाले का) मन वह सुंदर दृश्य देखकर पहले ही प्रसन्न हो जाता है उसके बाद मंदिर में प्रवेश करने पर पूर्ण शांति मिलती है। चहल-पहल और पापमय जिन्दगी से दूर पहाड़ी क्षेत्र में लोग शांति के लिए जाते हैं और वहां देवी-देवताओं का दरबार हो तो बात ही निराली है। देवी-देवता मनुष्यों से दूर नहीं रहना चाहते बल्कि उन्हें एकांत में बुलाकर शांति प्रदान करने का मार्ग प्रदान करते हैं। जहां चारों तरफ चिल्ल-पों होती रहेगी तो वहां देवी-देवताओं का ध्यान या पूजा करने हेतु आप चाहकर भी अपने मन को एकाग्र नहीं कर सकते। मन की एकाग्रता के लिए एकांत स्थान ही उत्तम होता है। पूर्वकाल में ऋषि-महर्षि भी पहाड़ों की कन्दराओं और वनों में रहकर तप करते थे।

वास्तु दोष निवारण पिरामिड

प्रत्येक राशि का स्वामी कोई न कोई ग्रह होता है। जब कोई ग्रह खराब स्थान पर बैठकर विपरीत प्रभाव उत्पन्न करता है तब मानव को कष्ट, पीड़ा और दु:ख भोगना पड़ता है। जीवन के सुख-दु:ख, लाभ-हानि इन्ही ग्रहों पर आधारित होते है। इसीलिये हमारे शास्त्रों में नवग्रहों की पूजा करने का विधान दिया गया है। इसके अतिरिक्त हमें जिस मकान, जिस भवन या घर में रहते हैं, वहां का वास्तुदोष भी हमारे लिये अनेकों प्रकार की समस्याएं उत्पन्न कर देता है, हम इन समस्याओं से निरन्तर जूझते रहते हैं परन्तु यह नहीं समझ पाते कि इसका कारण क्या है। वास्तुदोष से हमारे घर, व्यापार, व्यवसाय, सम्बन्ध आदि सभी कुछ प्रभावित होते हैं। अत: हमें वास्तुदोषों का भी निवारण करना चाहिये। सभी व्यक्ति चाहते हैं कि उनका जीवन सुखमय हो, वे अपना जीवन अपने परिवार के साथ हंसते खेलते हुए बितायें।

परन्तु समय बड़ा बलवान होता है और समय के साथ ही ग्रहों का परिवर्तन हमारे जीवन में विभिन्न बाधायें उत्पन्न कर देता है, रही-सही कसर वास्तुदोष पूरी कर देते हैं और व्यक्ति का जीवन नरक के समान हो जाता है। इसके उपाय के लिए ग्रह-वास्तुदोष निवारण पिरामिड। इस पिरामिड की चारों दिशओं में श्रीयंत्र, अष्टलक्ष्मी यंत्र, वास्तुदोष निवारक यंत्र तथा नवग्रह दोष निवारण यंत्र स्थापित किया गया है। श्री यंत्र से आय में वृद्धि होती है, अष्टलक्ष्मी यंत्र आठों लक्ष्मीयों की प्राप्ति करवाता है, वास्तुदोष निवारण यंत्र वास्तुदोषों का शमन करता है तो नवग्रह दोष निवारण यंत्र ग्रहों के कुप्रभाव एवं ग्रहों के दोषों को शान्त करता है।

बीमारियों को दूर करते हैं ग्रह

लग्नेश एवं सूर्य ग्रह के अधिकाधिक बलशाली होने पर व्यक्ति विशेष के स्वास्थ्य को संकेत मिलता है। किसी भी प्रकार की बीमारी होने पर उसमें संघर्ष करने की क्षमता एवं स्वस्थ्य मानसिकता का प्रतीक माना गया है। यही वजह है कि सूर्यग्रह जो कि आत्मा से संबंध रखते हैं, बलशाली होने पर मनुष्य में विपरीत परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास का संचार करने के फलस्वरूप रोगों के निदान के लिए सर्वोत्तम मानसिकता जातक को प्रदान करते हैं। नौ ग्रह कारक के रूप में भी शरीर के विभिन्न अंगों को नियंत्रित करते हैं। जैसे सूर्यग्रह हृदय, चंद्रग्रह फेफड़े, मंगल ग्रह रक्त, बुधग्रह त्वचा, बृहस्पति ग्रह लीवर, शुक्र ग्रह किडनी, शनिग्रह पैर, यूरेनस ग्रह द्वारा आसानी से पता न लगने वाली बीमारियां, नेपच्चून ग्रह नर्वस सिस्टम, राहु ग्रह द्वारा सांस, केतु ग्रह द्वारा क्रानिक बीमारियों की जानकारी मिलती है. आरोग्यता के लिए प्राथमिक रूप से जानकारी लग्न, लग्नेश एवं कारक सूर्य के द्वारा मिलती है। लग्नेश एवं सूर्य ग्रह के अधिकाधिक बलशाली होने पर व्यक्ति विशेष के स्वास्थ्य का संकेत मिलता है। किसी भी प्रकार की बीमारी होने पर उसमें संघर्ष करने की क्षमता एवं स्वस्थ्य मानसिकता का प्रतीक माना गया है। यही वजह है कि सूर्य ग्रह जो कि आत्मा से संबंध रखते हैं, बलशाली होने पर मनुष्य में विपरीत परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास का संचार करने के फलस्वरूप रोगों के निदान के लिये सर्वोत्तम मानसिकता जातक को प्रदान करते हैं। इसके कारण बीमारी की अवस्था में भी शीघ्रतापूर्वक स्वस्थ करने में सामर्थ प्रदान करते हैं। आमतौर पर मनुष्य में धीरे-धीरे विभिन्न प्रकार के रोग क्रमश: वृद्धावस्था के दौरान बढ़ते जाते हैं। साथ ही कई बीमारियां निरन्तर रूप से शुरू हो जाती हैं, जिनका कारक ग्रह शनि है, जो कि उम्र के साथ-साथ रोगों की भी वृद्धि करने का सूचक है। अत: जब भी शनि ग्रह जन्म कुंडली में बलशून्य हो जाए अथवा क्लेच्छ ग्रह द्वारा आक्रांत हो जाए तब यह विभिन्न प्रकार के रोगों की उत्पत्ति में सहायक सिद्ध होता है। परन्तु यदि मंगल ग्रह बलशाली हो तब कुछ हद तक इसमें कमी आ सकती है एवं जातक के उत्साह में वृद्धि हो सकती है।

सिसाडा

फेंगशुई में सिसाडा को अमर बनाने वाला माना जाता है। इसे बुरे समय या भाग्य को बदलने वाला कीट कहते हैं। फेंगशुई विशेषज्ञों के मुताबिक इसे अपने घर में आगे की दो टांगों के जरिए लाल रिबन के माध्यम से लटकाना शुभ है। सिसाडा को खुशी और युवावस्था का सिंबल माना जाता है। युवाओं को सलाह है कि वह इसे अपने कार्यस्थल के पास जरूर रखें।

पुराने ग्रंथों के अनुसार पूर्वी चीन में स्थित क्यूआई की रानी मृत्यु के बाद सिसाडा में तब्दील हो गईं थी। इसके बाद से ही सिसाडा को 'द गर्ल क्यूआई' के नाम से जाना जाता है। इसको घर में रखने से स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार कम से कम 7 सेंटीमीटर के आकार के सिसाडा को ही घर में लटकाना चाहिए।

संतान रेखाएं

सामुद्रिक शास्त्र में हथेली का जितना महत्व होता है, उससे अधिक महत्व संतान रेखाओं का भी होता है। जिन्हें हम हथेली पर इस तरह देख सकते हैं।

- विवाह रेखा पर खड़ी रेखा ही संतान रेखा होती है।
- पतली,लंबी और स्पष्ट रेखा पुत्र की द्योतक होती हैं।
- निर्बल एवं कमजोर रेखा पुत्री की द्योतक होती हैं।
- टूटी हुई एवं अस्पष्ट रेखाएं अशुभता की ओर इशारा करती हैं।
- स्पष्ट खड़ी रेखा का बीच से टूटना अशुभ है।
- पतली खड़ी रेखा का बीच से टूटना शुभ नहीं माना जाता है।

कुछ विद्वान शुक्र पर्वत पर अंगूठे के नीचे की सीधी रेखाओं को भी संतान रेखा मानते हैं, परंतु अधिकांश ज्योतिष विवाह वाली रेखा के ऊपर वाली रेखाओं को ही संतान रेखा मानते हैं। अत: भविष्यवाणी करते समय सभी शास्त्रसम्मत बातों को ध्यान में रखकर ही अनुमान लगाएं।

आर्किटैक्ट बनने के योग

आर्किटैक्ट या प्रोपर्टी डीलर बनने के निम्नलिखित योग हैं-

- कुंडली का चतुर्थ भाव, चतुर्थेश एवं कारक ग्रह मंगल चतुर्थ भाव में हो अथवा लग्नेश चतुर्थ भाव में हो या लग्नेश चतुर्थेश एक-दूसरे की राशि में बैठे हों और शुभ ग्रहों से दृष्ट हों तो व्यक्ति कलात्मक भवन निर्माण कला में निपुण होता है।
- यदि जातक की कुंडली में सूर्य व बुध का संबंध पंचमेश अथवा दशमेश से हो तथा सूर्य -बुध पर मंगल की दृष्टि या युती हो तो जातक आर्किटैक्ट बनता है।
- यदि लग्न में कर्क, सिंह, कन्या और वृश्चिक राशि हो, सूर्य चंद्रमा या अन्य लग्न तीनों में से किसी भी लग्न का संबंध इन राशि से हो या फिर लग्न का संबंध सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध और शुक्र होने पर व्यक्ति भवन निर्माण आदि के कार्य से जुड़ सकता है।
- जैमिनी के अनुसार कारकांश लग्न से चतुर्थ स्थान पर शुक्र व चंद्रमा की दृष्टि या युती हो तो जातक अपार्टमैंट व बहुमंजिला भवन के नक्शे बनाने व उन्हें तैयार करने में पारंगत होगा।
- जन्म कुंडली में शनि बली और शुभयुक्त दृष्ट हो तथा मंगल, बुध,शुभ स्थान में शुभ तथा बली हों तो जातक आर्किटैक्ट बन कर आजीविका कमाता है।
- शनि,मंगल, राहु तथा केतु को ज्योतिष में तकनीकी ग्रह माना जाता है। दशम भाव या दशमेश से इनमें से किसी एक या अधिक ग्रह की दृष्टि,युती या भावाधिपत्य संबंध जातक को तकनीकी क्षेत्र से जोड़कर आर्किटैक्ट बनाता है।
- यदि जातक की कुंडली में शुक्र बली हो तो वह कम्प्यूटर के माध्यम से नक्शे तैयार करता है और आर्किटैक्ट होता है।

मेष राशि

ज्योतिष शास्त्र में समस्त सौर मण्डल को एक वृत्त में बांटा गया है। इस वृत्त का मान 360 डिग्री हैं और इसके 12 भाग करने पर एक राशि का मान 30 डिग्री है। राशियां 12 होती हैं। प्रथम राशि मेष का स्वरूप क्या है जानें-

- मेष पुरुष संज्ञक राशि, विचरणशील, अग्नि तत्त्व प्रधान है।
- यह पुष्ट अंगों से युक्त, लाल रंग की आभायुक्त है।
- इसकी पित्त प्रकृति है। यह तीव्र शब्दाकारी और तेज स्वभाव वाली है।
- यह पर्वत पर विचरण करने वाली, क्रूर स्वभाव की, दिन में अधिक बलशाली है।
- यह पूर्व दिशा की स्वामी है।
- इसका शरीर कांतिरहित एवं वर्ण क्षत्रीय है।
- यह स्वल्प सहवासी और कम संतानवाली है।
- इस राशि का स्वामी मंगल है। मंगल की दशा सात वर्ष की होती है। 4, 7, 8 वें भाव पर पूर्ण दृष्टि होती है।
- सूर्य, चंद्रमा, बृहस्पति इसके मित्र है। बुध शत्रु है। इस राशि वाले जातकों के लिए मंगलवार का व्रत करना और मूंगा रत्न धारण करना अनुकूल रहेगा।
- मंगल का बीज मंत्र- 'ऊँ हूं श्रीं भौमाय नम:'।

दशम भाव में सूर्य

दशम भाव का सूर्य ज्ञानी, दूरदर्शी, पराक्रमी बनाता है, किंतु बचपन में जातक को अनेक कष्ट का सामना करना पड़ता है तुला राशि में सूर्य नीच का होता है किंतु प्राय: शमस्थ होकर शुभ फल प्रदाय करता है तथा मान सम्मान, प्रतिष्ठता दिलाकर व्यक्ति को प्रतिष्ठित करता है। वृश्चिक राशि का सूर्य जातक को प्रसिद्ध चिकित्सा अधिवक्ता, गायक कलाकार बनाता है। अशुभ अवस्था में सूर्य राज भंग योग बनाता है।

ग्यारहवें भाव का सूर्य: ग्याहरवें भाव का सूर्य जातक को अथाह धन संपदा का मालिक बनाने के साथ प्रतिष्ठा भी अर्जित करवाता हैं। राज्यपक्ष सत्तासुख से लाभान्वित करवाता है पृथ्वीराशि का सूर्य उच्च राज्यपद दिलवाता है।

बारहवें भाव का सूर्य: बारहवें भाव का सूर्य शुभ नहीं होता है। जातक को प्रतिष्ठा यश की प्राप्ति के स्थान पर अपमान अपयश का सामना करना पड़ता है। यदि सूर्य अन्य पाप ग्रह की दृष्टि में हो तो जातक पर झूठे दोषारोपण लगते हैं तथा धन मान हानि होती है। सूर्य, अग्नि राशि का हो तो जातक क्रूर, क्रोधी होता है। सूर्य शनि भी यूति बारहवें भाव के राजदण्ड के भागी बनाता है।

हस्त रेखा से जानें कैरियर

हाथ की रेखाओं के आधार पर आप अपने कैरियर का चुनाव कर सकते है। हाथ की लकीरों में आपका कैरियर छिपा है। बस आपको अपने हाथ की रेखाओं पर गौर करने की जरूरत है।

वकील एवं न्यायाधीश: यदि आपकी तर्जनी अनामिका से लंबी हो, कनिष्ठिका अनामिका के तीसरे पोर से ऊपर उठी हो, अंगुलियां सुंदर हों, गुरु पर्वत पूर्ण विकसित हो तथा उस पर क्रॉस का चिन्ह हो, यह जातक के वकील बनने का द्योतक है। ऊपर लिखे गुणों के अतिरिक्त यदि व्यक्ति की हथेली में भाग्य रेखा निर्दोष, स्पष्ट हो, सूर्य प्रभावशाली हो और अंगूठा लंबा तथा पीछे की तरह झुका हुआ हो तो व्यक्ति न्यायाधीश होगा।

अभिनेता-अभिनेत्री: यदि हाथ की सभी अंगुलियां कोमल तथा ढलवां हों, सूर्य की अंगुली लंबी तथा ऊपर से नोकदार हो और मस्तिष्क एवं भाग्य रेखा पूरी लंबाई लिए हो, तो जातक के अभिनेता या अभिनेत्री होने के योग होते है।

शिक्षक: जिसके हाथ में जीवन, भाग्य तथा सूर्य रेखाएं विकसित हों, गुरु पर्वत भी विकसित हो और उस पर क्रॉस का चिन्ह हो तथा अनामिका से तर्जनी लंबी हो तो व्यक्ति शिक्षक होता है।

डॉक्टर: जिसकी हथेली में बुध पर्वत पूर्णत: विकसित हो तथा कनिष्ठिका पूरी लंबाई लिए हुए हो और अनामिका के ऊपरी पोर के मध्य तक जाती हो एवं बुध क्षेत्र पर तीन खड़ी रेखाएं हों तो व्यक्ति डॉक्टर होता है।

अधिकारी: कनिष्ठिका लंबी हो और उसका अंतिम सिरा अनामिका के तीसरे पोर से ऊपर हो और सूर्य रेखा अत्यंत उच्च कोटि की हो तो व्यक्ति अधिकारी होता है।

एकाउंटेंट: ऐसे व्यक्ति का बुध पर्वत विकसित तथा ऊंचा उठा हुआ होता है। उसका सूर्य पर्वत भी उभरा हुआ होता है। उस पर सूर्य रेखा भी स्पष्ट देखी जा सकती है। भाग्य रेखा बिना कहीं से कटे मध्यमा के मूल में स्थित शनि पर्वत पर जा रही हो तो ऐसा व्यक्ति एकाउंटेंट होता है।

सैनिक: यदि मंगल क्षेत्र विस्तार लिए हुए हो तथा मंगल पर किसी तारे का चिन्ह हो, भाग्य रेखा विकसित तथा स्पष्ट हो, तो व्यक्ति सैनिक बनता है।

व्यवसायी: जो व्यक्ति व्यापार या व्यवसाय करता है उसके हाथ का अंगूठा सीधा तथा पीछे की तरफ किंचित झुका होता है। उसकी मस्तिष्क रेखा सीधी और स्पष्ट होती है एवं बुध पर्वत उभरा हुआ होता है। सफल व्यवसायी के बुध पर्वत पर किसी प्रकार का कोई जाल नहीं होता।

कलाकार: यदि किसी व्यक्ति की हथेली पूरी लंबी, अंगुलियां ढलवां हों और उनके सिरे नुकीले हों, तो वह सफल कलाकार होता है।

शैंपू में चीनी मिलाना फायदेमंद!

ये तो सभी जानते हैं कि शुगर हमारी बॉडी के लिए अच्छी नहीं है लेकिन एक एक्सपर्ट का कहना है कि ये बालों के लिए बहुत अच्छी है। स्किन स्पेशलिस्ट डॉ फ्रांसिस्का का मानना है कि शैंपू में चीनी मिलाने से बालों को क्लीन करने और हेल्दी रखने में मदद मिलती है। मैरी क्लेयर ने बताया कि एक चम्मच चीनी को शैंपू में मिलाने से स्काल्प को अच्छी तरह से साफ करने में मदद मिलती है। ऐसा करने से ना सिर्फ बालों की चिपचिपाहट को आसानी से दूर किया जा सकता है बल्कि ये डेड स्किन सेल्स को भी हटा देता है। अगर आप स्काल्प को बेहतर तरीके से क्लीन करना चाहते हैं और बालों को मॉइस्चर देना चाहते हैं तो आपको शैंपू में चीनी का इस्तेमाल करना चाहिए। एक्सपर्ट के मुताबिक, मॉइस्चराइजिंग शैंपू में चीनी का इस्तेमाल हर चौथे वॉश में करें इससे स्काल्प पर पपड़ी भी नहीं जमेगी।

ऐसे दिनभर रहेगी परफ्यूम की खुशबू

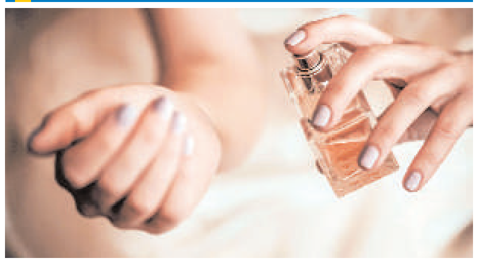

आप अपने फेवरेट परफ्यूम की खुशबू दिनभर बरकरार रखना चाहते हैं तो आपको एक छोटी सी ट्रिक अपनानी होगी। जब सुबह आप घर से बाहर निकलो तो आप कॉन्फिडेंड महसूस करो, इसके लिए आपको परफ्यूम लगाने का तरीका बदलना होगा। आपको परफ्यूम के साथ ही वैसलीन की जरूरत होगी। जी हां, आप गर्दन, हाथ या बॉडी के जिस भी हिस्से पर परफ्यूम लगाते हैं वहां पर वैसलीन की हल्के हाथ से मसाज करें। वैसलीन की मसाज के बाद उन जगहों पर परफ्यूम स्प्रे करें जहां आपने वैसलीन लगाई हैं। इस ट्रिक से आपके परफ्यूम की खुशबू दिनभर बरकरार रहेगी। दरअसल, वैसलीन मेकअप की तरह काम करता है। ये परफ्यूम की तरोताजा खुशबू को लॉक कर लेता है। परफ्यूम ड्राई स्किन पर उतनी बेहतर तरीके से परफॉर्म नहीं करता।

तेल के बिना भी सिर की मालिश...

तेल के बिना भी सिर की मालिश बालों की मालिश का मतलब ये नहीं कि आप किसी तेल या जैल का ही इस्तेमाल करें, बिना तेल के भी मालिश करके आप कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं। चलिए जानते हैं सिर की मालिश के कुछ ऐसे फायदों के बारे में जिसके बाद आप भी झटपट मसाज करवाने की सोचेंगे। सिर में दर्द हो या कोई टेंशन हो, बालों की मालिश से सिर दर्द की समस्या को आसानी से दूर किया जा सकता है। तनाव दूर करने और थकान मिटाने में भी चंपी फायदेमंद होती है। बालों संबंधित समस्याओं को दूर करने, बालों को मजबूत बनाने और बालों को खूबसूरत बनाने के लिए भी चंपी फायदेमंद हैं। आपको नींद ना आने की बीमारी है या फिर बेहतर नींद लेना चाहते हैं तो आपको बालों की मसाज करवानी चाहिए। अगर आप अपने काम पर फोकस नहीं कर पा रहे हैं तो आपको बालों की मालिश करनी चाहिए।

जानिए शरीर पर एल्कोहल रगड़ने के कई फायदे

शराब पीना सेहत के लिए हानिकारक माना जाता है लेकिन इसे शरीर पर रगड़ने से काफी फायदा होता है। घाव को जल्दी भरने के लिए उस पर एल्कोहल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा शराब को बॉडी पर रगड़ने से कई बीमारियों से छुटकारा मिल सकता है। आइए जानिए किन बीमारियों में एल्कोहल को शरीर पर रगड़ना चाहिए।

कान में पानी जाना

नहाते समय या स्विमिंग करते वक्त कई बार कान में पानी चला जाता है जिससे कान में खुजली और इंफैक्शन हो जाता है और दर्द होने लगता है। ऐसे में एल्कोहल की बूंदों को कान के पास रगड़ना चाहिए । जिससे कान के अंदर पानी सूख जाएगा। इसके अलावा एल्कोहल में सिरका मिक्स करके भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

लाल निशान

बुखार या किसी और वजह से होंठ, नाक के नीचे या ठोडी के असापास लाल चको हो जाते हैं जिससे काफी दर्द होता है। इसके लिए त्वचा के उस हिस्से पर एल्कोहल लगा लें और 10 मिनट के बाद पानी से धोएं। 2-3 दिन लगातार ऐसा करने से फायदा होगा।

घाव

कई बार चोट लगने की वजह से घुटने या कोहनी पर हल्की चोट लग जाती है जिसके लिए डॉक्टर के पास जाना जरूरी नहीं होता। ऐसे में कॉटन पर एल्कोहल लगाकर घाव पर लगाएं और 10 मिनट के लिए ऐसा ही छोड़ दें। इससे इंफैक्शन नहीं होगी और घाव भी जल्दी भरेगा।

मांसपेशियों में दर्द

मांसपेशियों में दर्द होने पर दवा खाने की जगह एल्कोहल का इस्तेमाल करें। इसके लिए दर्द वाली जगह पर एल्कोहल रगड़ें। 1 घंटा लगा रहने के बाद इसे पानी से धो लें। इससे दर्द कम हो जाएगा।

खराब नाखुन

कई बार इंफैक्शन की वजह से हाथ या पैर पर फंगस की समस्या हो जाती है। ऐसे में नाखुनों का रंग सफेद या पीला पड़ जाता है और नाखुन कठोर हो जाते हैं। इसके लिए कॉटन पर एल्कोहल डालें और इसे नाखुनों पर लगाएं। आधा घंटा कॉटन को नाखुन पर ही रहने दें और फिर धोकर अच्छे से पौंछ लें। इससे फंगस इंफैशन ठीक हो जाएगा।

प्राकृतिक प्यूरीफायर से घर की हवा को बनाएं जीवनदायी

वायु प्रदूषण की वजह से शहर ही नहीं बल्कि गांवों का भी जीवन स्तर प्रभावित होता जा रहा है। जो लोग स्वस्थ हैं उनमें भी दिल और फेफड़े से संबंधित बीमारियों का खतरा मंडराने लगा है। लेकिन घर के बाहर से ज्यादा घर के अंदर प्रदूषण होता है, जिससे हमें शुद्ध हवा नहीं मिल पाती है। घर से निकलने पर तो लोग मास्क का प्रयोग कर लेते हैं, और घर में एयर प्यूरीफायर लगवा लेते हैं। मगर कुछ लोग ऐसे भी हैं जो मंहगा होने के कारण एयर प्यूरीफायर नहीं खरीद पाते, तो उनके लिए प्राकृतिक एयर प्यूरीफायर बेहतर विकल्प हो सकता है। जी हां, कुछ पेड़-पौधे ऐसे होते हैं जो हमारे लिए प्राकृतिक रूप से हवा को शुद्ध करते हैं, जिन्हें घर में लगाकर आप अपने घर की हवा को शुद्ध कर सकते हैं। आइए इस लेख में जानते हैं उन पौधों के बारे में...

रबर प्लांट

इसका बॉयोलॉजिकल नाम फाइकस इलेस्टिका है, इसे कई नाम से जाना जाता है। रबर प्लांट आमतौर पर भारत, नेपाल, भूटान, वर्मा, चीन, मलेशिया, इंडोनेशिया, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और अमेरिका के फ्लोरिडा में पाया जाता है। आमतौर पर इसे सजावटी पौधे के तौर पर जाना जाता है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी खासियत है कि यह घर के अंदर की वायु को प्रदूषित होने से बचाता है।

एलोवेरा (घृतकुमारी)

आमतौर पर एलोवेरा के पौधे को लोग औषधि के तौर पर देखते हैं। एलोवेरा का प्रयोग कॉस्मेटिक प्रयोग में भी लाया जाता है, ये बातें तो हर कोई जानता ही है, लेकिन एलोवेरा का पौधा हमारे आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। ये पौधा हवा को शुद्ध करता है।

स्पाइडर प्लांट

यह पौधा क्लोरोफाइटम कोमोसम नाम से भी जाना जाता है। इस पौधे की खास बात यह है कि ये कई तरह के प्रदूषित तत्वों से हमें बचाता है। यह कार्बन मोनोऑक्साइड, बेंजीन, फोर्मल्डिहाइड और जायलीन जैसे जहरीले तत्वों से हमें दूर रखता है। सजावट के तौर पर इसे लोग घर में भी लगाते हैं। ऐरेका पाम प्लांट वैसे तो इस प्लांट को कहीं भी रखा जा सकता है। खासतौर पर उन घरों में जहां कारपेट होते हैं और फ्रेश पेंट किया फर्नीचर होता है। टॉक्सीन गैसों के निगेटिव इंपेक्ट को कम करता है।

बोस्टन फर्न

यह पेड़ दूसरे अन्य पेड़ों की तुलना में ज्यादा फॉर्मल्डिहाइड को साफ करता है। इसके अलावा यह बेंजीन और जायलान को भी हटाता है। बास्केट में टांगने के लिए यह बेहतर प्लांट है। इसे घर के बाहर टांग सकते हैं।

घर के पास लगाएं ये वृक्ष

पीपल, नीम, जामुन, बरगद और गूलर जैसे पौधे आसानी से उपलब्ध होते हैं ये हमें जहरीली गैसों से बचाते हैं। इसके अलावा साल, हरड़-बहेड़ा, अमलतास, बेल, रीठा, केम, साजा, ढाक, सैंबल, दूधी, लिसोढ़ा, बरगद, विश्तेंदु, खिरनी, कदंब, पिलखन, कुलू, चिलबिल, भिलमा, टीक, जैसे पेड़ प्रदूषण को रोकने में अपनी भूमिका अदा करते हैं। तो आप अपने घर के आस-पास इन पेड़ों को लगाकर वायुमंडल को प्रदूषित होने से बचा सकते हैं।

पॉपुलर बॉडी मसाज, दिनभर रखती हैं एनर्जेटिक!

आपने मसाज तो कभी ना कभी करवाई होगी और मसाज के बारे में सुना भी बहुत होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं मसाज कितने तरह की होती है। जी हां, आज हम आपको मसाज के टाइप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जानिए, कौन सी मसाज किस समस्या के लिए करवाई जाती है और किस मसाज थेरेपी के क्या फायदे हैं।

स्वीडिश मसाज थेरेपी- ये सबसे पॉपुलर मसाज है जिसे सिंपली मसाज थेरेपी के नाम से भी जाना जाता है। ये मसाज मसाज लोशन या ऑयल से होती है। ये बहुत ही कोमल और आरामदायक होती है। अगर आप पहली बार मसाज करवाने जा रहे हैं तो स्वीडिश मसाज थेरेपी ले सकते हैं।

अरोमाथेरेपी मसाज- अमरोमाथेरेपी मसाज में एक या इससे अधिक सेंट प्लांट्स का इस्तेमाल होता है जिसे एसेंशियल ऑयल कहा जाता है। इस मसाज में इस्तेमाल हुए ऑयल्स बॉडी को रिलैक्स करने के साथ-साथ एनर्जी देते हैं, स्ट्रेस कम करते हैं। अरोमाथेरेपी में सबसे ज्यादा जो एसेंशियल ऑयल इस्तेमाल होता है वो है लैवेंडर।

हॉट स्टोन मसाज- टाइट मांसपेशियों को लूज करने, बॉडी को गर्म करने और बॉडी की एनर्जी बैलेंस करने के लिए हॉट स्टोन मसाज का इस्तेमाल होता है। इस मसाज के दौरान गर्म और चिकने पत्थर बॉडी के कुछ चुनिंदा हिस्सों में रखें जाते हैं। मसाज थेरेपिस्ट गर्म स्टोन को होल्ड करके भी बॉडी के कई हिस्सों में प्रेशर बनाते हैं। होट स्टोन मसाज आमतौर पर उन लोगों के लिए बेस्ट है जिनको मसल्स टेंशन हैं।

डीप टिश्यूस मसाज - ये मसाज मसल्स की डीप लेयर और कनेक्टिव टिश्यूज के लिए की जाती है। मसाज थेरेपिस्ट स्लोअर स्ट्रोक्स और फ्रिक्शन टेक्नीक से मसल्स की मसाज करते हैं। ये मसाज बेहद टाइट की जाती है। ताकि मसल्स से दर्द को दूर किया जा सके। इससे पहले की इंजरी को भी रिकवर किया जा सकता है।

शिआस्तु मसाज थेरेपी - शिआस्तु एक जापानी मसाज थेरेपी है। इस थेरेपी में अंगूठे, उंगलियों और हथेलियों के साथ एक्यूप्रेशर के रूप में दबाव डाला जाता है। हर प्वॉइंट पर एनर्जी के साथ 2 से 8 सेकेंड तक प्रेशर डाला जाता है। इससे बॉडी का बैलेंस बनाने में मदद मिलती है। इस थेरेपी के बाद बॉडी में कोई सूजन नहीं आती और ना ही दर्द होता है।

थाई मसाज- शिआस्तु थेरेपी की तरह ही थाई मसाज में भी कुछ खास हिस्सों पर एनर्जी के साथ प्रेशर से दबाव डाला जाता है। इसमें योगा की तरह बॉडी स्ट्रेच होती है। ये सबसे ज्यादा एनर्जेटिक होती है। ये तनाव कम करती है और बॉडी को फ्लैसिबल करती है।

प्रेग्नेंसी मसाज- इसे प्रीनेटल मसाज के नाम से भी जाना जाता है। ये प्रेग्नेंट महिलाओं में काफी पॉपुलर मसाज है। इस मसाज को कुछ खास एक्सपर्ट्स द्वारा ही किया जाता है। ये महिलाओं में तनाव को कम करने, स्वैलिंग कम करने, दर्द से राहत दिलाने, डिप्रेशन से बचाने और एंजाइटी दूर करने में मदद करती है। प्रेग्नेंसी मसाज को महिला की जरूरत के हिसाब से कस्टमाइज भी किया जा सकता है।

रिफ्लैक्सोलॉजी- इस मसाज को फूट मसाज के नाम से भी जाना जाता है। ये सिंपल फूट मसाज से कहीं ज्यादा होती है। पैरों में अलग-अलग हिस्सों पर प्रेशर डाला जाता है। ये मसाज उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो दिनभर खड़े रहकर काम करते हैं या फिर बहुत टायर्ड रहते हैं या फिर जिनके पैरों में दर्द रहता है।

स्पोर्ट्स मसाज- जो लोग फीजिकल एक्टिविटीज में रहते हैं स्पोर्ट्स मसाज उनके लिए फायदेमंद होती है। ये ना सिर्फ बॉडी को रिलैक्स करती है बल्कि स्पोर्ट्स के दौरान हुई इंजरी को भी ठीक करती है। साथ ही ये खिलाड़ी को परफॉर्मेंस को भी बेहतर करने में मदद करती है। बॉडी में लचीलापन बढ़ाने से लेकर ये मसाज मसल्स की स्टिफनेस को भी खत्म करती है।

मानसून में घूमने जा रहे हैं तो आपके काम की 10 बातें

सिंथेटिक कपड़े रखें ज्यादा

सिंथेटिक कपड़े आसानी से सूख जाते हैं और प्रेस किए बिना भी कैरी किए जा सकते हैं। इसलिए मानसून में सफर पर जाते समय ज्यादा से ज्यादा ऐसे कपड़े ही पैक करें।

दवायें रखें साथ

इस मौसम में पेट और स्किन की प्राब्लम्स बहुत होती हैं, साथ ही भीगने से सर्दी जुकाम और बुखार भी होने का खतरा रहता है। ऐसे में जरूरी है कि कि आप सामान के साथ कुछ एंटी सेप्टिक क्रीम और जरूरी दवायें साथ रख लें।

स्ट्रीट फूड खाने से बचें

स्ट्रीट फूड को विशेष तौर पर अवॉइड करें। इससे गैस, अपच और डिहाइड्रेशन जैसी प्राब्लम्स हो सकती हैं। ज्यादा ऑयली खाना खाने से भी बचें। ठंडे और लिक्वेड फूड जूस, तरबूज खाना प्रिफर करें। पानी भी सोच समझ कर पिएं। अगर आप आसपास के इलाके में ही जा रहे हों तो पानी साथ ही लेकर जाए।

वाटर प्रूफ बैग पैक

अपना सामान हमेशा वाटर प्रुफ बैग्स में पैक करें ताकि अगर अचानक बारिश का सामना करना पड़े तो सामान भीगने से बचा रहे। इसके अलावा अतिरिक्त तौलिए और टिशूज रखना ना भूलें।

मौसम के बारे में रखें जानकारी

अपने डेस्टिनेशन पर पहुंच कर घूमने निकलने के पहले मौसम की जानकारी कर लें। इसके लिए वेदर रिपोर्टस और भविष्यवाणियों के बारे में पता रखें।

हेयर ड्रेसर साथ रखें

गीले बाल बीमारी का बहुत बड़ा कारण बन सकते हैं और बारिश में बाल गिरे होने की संभावना बहुत ज्यादा होती है। इसलिए बालों को सुखाने के लिए हेयर ड्रेसर साथ रखें।

छाते और बरसाती

सफर पर जाते हुए छाते और बरसाती रखना भी ना भूलें।

इलेक्ट्रानिक और तकनीकी समान की देखभाल

अपने फोन, कैमरा और रिस्ट वॉच जैसे समान का पानी से बचाने के लिए कवर करने की व्यवस्था कर के चलें।

बोर्ड गेम और किताबें

कई बार धूआंदार बारिश आपको अपने होटल रूम से निकलने का मौका नहीं देती ऐसे मौकों के लिए सामान के साथ किताबें और बोर्ड गेम जरूर रख लें ताकि बोरियत ना हो।

जूते चप्पल

बरसात के मौसम में फिसलने का डर रहता है इसलिए अपने फुटवियर ऐसे रखें जो फिसलने से बचाये। लेदर के जूते चप्पलों की बजाय रबड़ और कैनवस के बने फुटवियर लेकर चलें।

किचन की बदबू को दूर करें ये घरेलू उपाय

किचन में खाना बनाने के कुछ समय बाद बदबू आने लगती है। ऐसे में जी मचलाने लगता है। कई बार घर पर आए मेहमानें को भी इससे परेशानी होती है। इससे घर का वातावरण भी कुछ समय के लिए खराब हो जाता है। आज हम आपको किचन की बदबू दूर करने के कुछ टिप्स बताएगें।

1. **नींबू पानी :** अगर घर में किसी भी जगह से बदबू आती है तो वहां नींबू पानी से भरी कटोरी रख दें।
2. **सिरका :** किचन की सेल्फ को साफ करते समय कुछ बूंद सिरके की डाल लें। इससे इस्तेमाल से किचन की बदबू दूर भाग जाती है।
3. **संतरे के छिलके का पानी :** बर्तन में 1 कप पानी उबालने के लिए रख दें। फिर उसमें संतरे के छिलके और दालचीनी मिक्स करें। इससे बजबू खतम हो जाएगी।
4. **बेकिंग सोडा :** इसे आप खाना बनाने वाली जगह पर छिड़क दें। इससे जलने की बदबू नहीं आएगी।
5. **शूगर सोप :** सी फूड बनाने के हबाद किचन और हाथों से बदबू आने लगती है। इसकी बदबू दूर करने के लिए शूगर सोप से हाथ धो लें।
6. **टोस्ट :** रसोई में अक टेस्ट खुला रख दें। इससे दुर्गंध चली जाएगी।

रेसिपी

रवा केसरी

सामग्री

- सूजी/रवा- 1 कप
- काजू- 1/3 कप
- घी- 4 बड़ा चम्मच/ द कप
- चीनी- 1 कप
- पानी- 2 कप
- हरी इलायच- 4
- केसर- 12-14 धागे
- दूध 2 बड़ा चम्मच

विधि

हरी इलायची के दाने निकाल कर पीस लें। 2 बड़े चम्मच गुनगुने दूध में केसर को भिगोकर अलग रख लें। एक कड़ाही में 1 छोटा चम्मच घी गरम करें अब इसमें काजू डालें और मध्यम आँच पर काजू के गुलाबी होने तक भूनें। अब काजू को निकालकर अलग रखें। उसी कड़ाही में 2 बड़े चम्मच घी गरम करके सूजी को भी दो से चार मिनट के लिए तेज आँच पर भूनें। सूजी को हल्का बस गुली बोने तक भूनें उसे निकाल कर अलग रख लें। अब चाशनी को लिए उसी कड़ाही में पानी और शक्कर को उबालें। पहले उबाल के बाद आँच को धीमा कर दें और इसमें भुनी हुई सूजी और काजू डालें। इसे अच्छी तरह से 4-5 मिनट तक मिलाएँ और सूजी को तब तक पकाएँ जब तक की यह पूरी तरह से गल जाए और पूरा पानी सोख ले। अब इसमें बाकी बचा 2 बड़े चम्मच घी, और साथ में केसर का दूध डालकर सभी सामग्री को अच्छे से मिलाएँ। पिसी इलायची से सजाकर, गरमागरम परोसें इस स्वादिष्ट हलवे को।

हरे मटर की बर्फी

सामग्री

- पिसी मटर- एक कप दरदरा
- नारियल का बुरादा- आधा कप
- पिसी शक्कर- आधी कप
- दूध की पाउडर- एक चौथाई
- इलाइची का पाउडर- आधी छोटी चम्मच
- घी- एक बड़ा चम्मच
- बादाम के टुकड़े - एक बड़ा चम्मच
- घी बर्तन में लगाने के लिए- एक छोटी चम्मच

विधि

नॉन स्टिक कड़ाही में घी डाल कर गर्म कर लें । उसके बाद इसमें पिसी मटर डाल कर सुनहरा होने तक भूनें। पिसी शक्कर, दूध का पाउडर, इलायची पाउडर, नारियल का बुरादा डाल कर सूखने तक भूनें। एक समतल थाली में घी लगाकर उसे पहले चिकना कर लें। अब इसमें सारा मिश्रण डालकर बराबर से फैला दें। उपर से बादाम के टुकड़े डाल के दबा दें, जिससे वह बर्फी में चिपक जाए। अब इसे पूरी तरह से ठंडा होने पर मनचाहे आकार में काट लें और परोसें।

संपादकीय

इथेनॉल का मोल

खाड़ी युद्ध के चलते उपजे ईंधन संकट ने भारत समेत पूरी दुनिया को सबक दिए हैं कि देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिये नये विकल्प तलाशे जाएं। भारत जैसे देश के लिये तो यह बड़ी चुनौती है क्योंकि हम पूरी तरह कच्चे तेल व गैस के लिये विदेशी संसाधनों पर ही निर्भर हैं। जिससे संकटपूर्ण स्थितियों में न केवल महंगाई बढ़ती है बल्कि हमारी दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी दांव पर लगती है। ऐसे ही संकट से जूझने के लिये देश ने इथेनॉल के विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। देश में पहले ही सामान्य पेट्रोल में बीस फीसदी इथेनॉल मिलाया जा रहा है। देश में विदेशी मुद्रा की बचत व आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। हाल ही में फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये ज्यादा इथेनॉल वाले ई-85 फ्यूल उपलब्ध कराया गया। लेकिन अभी भी उपभोक्ताओं और ऑटोमोटिव इंडस्ट्री के बीच कई मुद्दों को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। दरअसल, ये वाहन ई-85 यानी 85 फीसदी इथेनॉल और 15 फीसदी पेट्रोल तथा ई-100 यानी शुद्ध इथेनॉल वाले मिश्रण पर चलने के लिये डिजाइन किये गए हैं।

ईंधन संकट ने भारत समेत पूरी दुनिया को सबक दिए हैं कि देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिये नये विकल्प तलाशे जाएं। भारत जैसे देश के लिये तो यह बड़ी चुनौती है क्योंकि हम पूरी तरह कच्चे तेल व गैस के लिये विदेशी संसाधनों पर ही निर्भर हैं। जिससे संकटपूर्ण स्थितियों में न केवल महंगाई बढ़ती है बल्कि हमारी दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी दांव पर लगती है। ऐसे ही संकट से जूझने के लिये देश ने इथेनॉल के विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। देश में पहले ही सामान्य पेट्रोल में बीस फीसदी इथेनॉल मिलाया जा रहा है। देश में विदेशी मुद्रा की बचत व आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। हाल ही में फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये ज्यादा इथेनॉल वाले ई-85 फ्यूल उपलब्ध कराया गया। लेकिन अभी भी उपभोक्ताओं और ऑटोमोटिव इंडस्ट्री के बीच कई मुद्दों को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। दरअसल, ये वाहन ई-85 यानी 85 फीसदी इथेनॉल और 15 फीसदी पेट्रोल तथा ई-100 यानी शुद्ध इथेनॉल वाले मिश्रण पर चलने के लिये डिजाइन किये गए हैं।

जबकि पेट्रोल से चलने वाली सामान्य गाड़ियां ई-20 यानी बीस फीसदी इथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल के अनुकूल होती हैं। दरअसल, चुनिंदा आउटलेट्स पर ई-85 उपलब्ध कराने का निर्णय आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के मकसद से लिया गया है। यह एक हकीकत है कि आज भी देश का नब्बे फीसदी कच्चा तेल आयातित किया जा रहा है। दुनियाभर में गाहे-बगाहे पैदा होने वाले भू-राजनीतिक संकटों ने बार-बार देश के ऊर्जा इकोसिस्टम की खामियों को ही उजागर किया है। इसमें दो राय नहीं है कि फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये इथेनॉल को मुख्य ईंधन के रूप से बढ़ावा देने का मकसद ऊर्जा जरूरतों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में बढ़ना है। वहीं दूसरी ओर इसके उपयोग से हम ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में भी कमी ला सकते हैं। निश्चय ही वाहनों में इथेनॉल को बढ़ावा देना देश में आयातित कच्चे तेल के दबाव को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। लेकिन इस बदलाव को सिरे चढ़ाने के लिए बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ना चाहिए, जिससे लोगों की आशंकाएं दूर हो सकें। जरूरत लोगों का भरोसा हासिल करने की है। भारत में इथेनॉल मिले तेल के उपयोग ने इससे होने वाले तमाम फायदों को साबित किया है। इससे काफी विदेशी मुद्रा की बचत भी हुई है। साथ ही देश में इथेनॉल का सशक्त उद्योग विकसित हुआ है। यदि बाजार में इथेनॉल पर लोगों का भरोसा बढ़ता है और इसकी मांग बढ़ती है तो इससे किसानों को कमाई के नये अवसर मिल सकते हैं। इथेनॉल की ज्यादा मांग होने पर गन्ने और मक्का का बाजार विस्तार लेगा। वहीं दूसरी ओर ई-85 की कीमत पारंपरिक पेट्रोल के मुकाबले कम रखने के फैसले से, उन उपभोक्ताओं को फायदा हो सकता है, जिनके पास इसके अनुकूल गाड़ियां है। भले ही इस फ्यूल की ईंधन दक्षता कम हो, लेकिन यह कदम देश की अर्थव्यवस्था को संबल देगा। बहरहाल, इस उम्मीद के साथ ही, हमें हकीकत का भी ध्यान रखना है। दरअसल, ऑटोमोबाइल बनाने वाली कंपनियों ने इंजन की क्षमता, जंग लगने, ईंधन सिस्टम पर प्रभाव और इसकी दीर्घकालिक क्षमता को लेकर चिंताएं जतायी हैं। निस्संदेह, इन मुद्दों को सीधे खारिज करने के बजाय इन पर गंभीर रूप से मंथन करना चाहिए। अगर इन मुद्दों का निराकरण नहीं होता है तो भ्रम व संशय की स्थिति बनी रहेगी। जिसे अविलंब दूर करने की भी जरूरत है। इस वैकल्पिक ईंधन की सहज उपलब्धता के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर व गाड़ियों को इसके अनुरूप बनाना, वैकल्पिक ईंधन की गुणवत्ता के मानकों का निर्धारण तथा इससे जुड़े तकनीकी प्रशिक्षण में सुधार किया जाना चाहिए। इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि बॉयोफ्यूल इतनी जल्दी फॉसिल फ्यूल का विकल्प नहीं बन सकता। इस बाबत पर्याप्त तैयारी, पारदर्शिता और सभी हितधारकों का सहयोग लेना जरूरी है। इस मामले में जल्दबाजी करने से बचा जाना चाहिए। यदि हम सजगता व सतर्कता से आगे बढ़ते हैं तो ई-85 एक सफल मॉडल बन सकता है। अन्यथा हम एक अच्छा मौका चूक सकते हैं।

कुछ अलग

खेलने के दिन

स्टोर खिलौनों से भर गया था। पत्नी का विचार था कि उन्हें किसी कबाड़ी के हाथों बेच कर जगह खाली कर ली जाए, क्योंकि बच्चे बड़े हो गए हैं और अब वे उन खिलौनों की तरफ देखते भी नहीं थे। कुछ को छोड़कर ज्यादातर खिलौने नए जैसे ही थे, वह झुंझलाकर बोला था- हर साल बच्चों का बर्थडे मनाते रहे और जब ढेर खिलौने आते रहे, तब ही इन्हें साथ के साथ दूसरों के बर्थडे पर आगे देते रहते, तो ये यों इकट्ठा नहीं होते, दूसरों के बर्थडे पर बाजार से खरीद-खरीदकर नए देते रहे। ढेर तो लगना ही था, अब कबाड़ी क्या दे देगा। सौ-पचास? बाबूजी ने सुझाया- जो हुआ, सो हुआ। हमारे बच्चों का बचपन खिलौनों में बीता- बस, यही संतोष की बात है। अब ये है कि अगर कहो, तो मैं ये खिलौने ले जाकर किन्हीं गरीब बच्चों में बांट आऊं? और कुछ नहीं, तो एक नेक काम ही सही। वे कुछ नहीं बोल पाए थे। बाबूजी इसे दोनों की सहमति समझकर सभी खिलौने लेकर चल दिए। बड़े उत्साह के साथ वे इंडस्ट्रीज एरिया के पीछे बनी झुग्गियों की ओर चल दिए-कितना खुश होंगे वे बच्चे इन खिलौनों को पाकर। रोटी तो जैसे-तैसे वे बच्चे खा ही लेते हैं। तन ढंकने के लिए कपड़े भी मांग-तांगकर पहन ही लेते हैं, पर खिलौने उन बेचारों के नसीब में कहां? उनके चेहरे खिल उठेंगे, आंखें चमक जाएंगी खिलौने देखकर। उन्हें खुश होता देखकर मुझे कितनी खुशी होगी। इससे बड़ा काम तो कोई हो ही नहीं सकता। झुग्गियों के पास पहुंचकर उन्होंने देखा। मैले-फटे कपड़े पहने दो बच्चे सामने से चले आ रहे हैं। उन्हें पास बुलाकर उन्होंने कहा- बच्चो, ये खिलौने में तुम लोगों के बीच बांटना चाहता हूं।

आधार कार्ड कभी भी नागरिकता का सबूत नहीं रहा

भारत में नागरिकता साबित करने के दस्तावेज का सवाल

भारत में नागरिकता 'नागरिकता अधिनियम, 1955' के मुताबिक तय होती है और यह जन्म, वंशावली, पंजीकरण या देशीयकरण(तय न्यूनतम अवधि तक निवास) के ज़रिए मिलती है। व्यावहारिक तौर पर, इसे किसी एक पक्के प्रमाण-पत्र की बजाय कई रिकॉड्र्स का मिलान कर स्थापित किया जाता है। अनेक देश नागरिकों का रजिस्टर रखते हैं या नागरिकता पहचान पत्र जारी करते हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और मालदीव के पास ऐसे कार्ड हैं। अधिकांश यूरोपीय देशों में भी ऐसा है। दूसरी तरफ अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देश हैं, वहां मामला जन्म रिकॉर्ड, पासपोर्ट और अन्य आधिकारिक दस्तावेज़ों पर निर्भर है। भारत बाद वाले देशों जैसा है : हमारे पास कई पहचान प्रणालियां हैं, लेकिन नागरिकता का कोई एक सर्वमान्य सबूत नहीं।

विदेश मंत्रालय ने हाल ही में स्पष्ट किया कि पासपोर्ट मुख्य रूप से यात्रा का दस्तावेज़ है, न कि नागरिकता का पक्का सबूत। स्वतः संज्ञान वाले इस बयान ने एक पुरानी अहम बहस को फिर जिंदा कर दियाः क्या भारत को नागरिकता के प्रमाण लिए किसी एक, पक्के सबूत की ज़रूरत है? लोगों की प्रतिक्रिया हैरानी भरी थी। यदि पासपोर्ट भी पक्का सबूत नहीं, तो फिर क्या है? क्या आधार नागरिकता का सबूत है? क्या वोटर आईडी कार्ड है? क्या कोई ऐसा दस्तावेज़ है जो इस सवाल को हमेशा के लिए सुलझा दे? सीधा जवाब है- नहीं। भारत में कभी भी नागरिकता का कोई एक, सर्वमान्य दस्तावेज़ नहीं रहा। उलझन इसलिए पैदा होती है कि हम तीन अलग-अलग अवधारणाओं, पहचान, निवास और नागरिकता, को एक ही मान लेते हैं। वे आपस में जुड़ी हैं, लेकिन एक जैसी नहीं। आधार कार्ड पहचान व निवास की पुष्टि करता है। पासपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय यात्रा में सहायक है। वोटर आईडी कार्ड वोट देने की पात्रता बनाता है। इनमें कोई भी सभी उद्देश्यों के लिए नागरिकता का कानूनी व पक्का सुबूत नहीं, हालांकि आखिरी दो केवल नागरिकों को ही जारी किए जाते हैं। भारत में नागरिकता 'नागरिकता अधिनियम, 1955' के मुताबिक तय होती है और यह जन्म, वंशावली, पंजीकरण या देशीयकरण(तय न्यूनतम अवधि तक निवास) के ज़रिए मिलती है। व्यावहारिक तौर पर, इसे किसी एक पक्के प्रमाण-पत्र की बजाय कई रिकॉड्र्स का मिलान कर स्थापित किया जाता है। अनेक देश नागरिकों का रजिस्टर रखते हैं या नागरिकता पहचान पत्र जारी करते हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और मालदीव के पास ऐसे कार्ड हैं। अधिकांश यूरोपीय देशों में भी ऐसा है। दूसरी तरफ अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देश हैं, वहां मामला जन्म रिकॉर्ड, पासपोर्ट और अन्य आधिकारिक दस्तावेज़ों पर निर्भर है। भारत बाद वाले देशों जैसा है : हमारे पास कई पहचान प्रणालियां हैं, लेकिन नागरिकता का कोई एक सर्वमान्य सबूत नहीं। आधार कार्ड का अनुभव सीखने लायक है। साल 2009 में शुरू किए गए आधार कार्ड को निवासियों की विशिष्ट पहचान के साधन के तौर पर डिज़ाइन किया गया था, ताकि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बेहतर ढंग से पहुंचाया जा सके और दोहरापन खत्म हो। इसे जानबूझकर नागरिकता से अलग रखा गया था, नहीं पता क्यों। इसका नामांकन निवास के आधार पर किया गया था, न कि राष्ट्रीयता के। नतीजतन, आधार कार्ड कभी भी नागरिकता का सबूत नहीं रहा। मुझे लगता है, यह एक चूक थी। इसे दोहरे उद्देश्य वाले दस्तावेज़ के तौर पर बनाना चाहिए था। नागरिकता पर बहस सबसे नाटकीय ढंग से असम में फिर उभरी। जहां एनआरसी सर्वे सिर्फ़ पहचान साबित करने की प्रक्रिया नहीं थी; यह राज्य में अवैध रूप से आकर बसने के इतिहास से जुड़ी नागरिकता की

जांच-पड़ताल प्रक्रिया थी। 1985 के असम समझौते के तहत निवासियों को सबूत देना था कि वे या उनके पूर्वज 24 मार्च, 1971 से पूर्व भारत में मौजूद थे। सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में हुई इस प्रक्रिया में हज़ारों अधिकारी शामिल थे, करीब 1,500 करोड़ रुपए खर्च हुए और पांच साल चली। फिर भी, नतीजा बहुत विवादित रहा। 2019 में जारी अंतिम सूची से करीब 19 लाख आवेदक बाहर कर दिये। जो लोग एनआरसी की मांग कर रहे थे, उनके मुताबिक, इसमें अभी भी अवैध प्रवासी ले लिये, जबकि बाहर किए कई लोगों का दावा था कि असली नागरिक छोड़ दिए। अंतिम आधिकारिक सूची अभी अधिसूचित नहीं की व अधर में है। तो यह प्रक्रिया विफल क्यों रही? इसका जवाब पुरानी तारीखों से नागरिकता साबित करने की जटिलता में छिपा है। लाखों आम भारतीयों को– जैसे गरीब, प्रवासी, महिलाएं, भूमिहीन मज़दूर और बाढ़ विस्थापित- दशकों पुराने दस्तावेज़ी सबूत पेश करने में मशक्कत करनी पड़ी। नाम में अंतर, रिकॉर्ड न मिलना या शादी के बाद नाम चेंज जैसी चीज़ों ने और मुश्किलें पैदा की। जब तीन करोड़ से ज़्यादा लोगों से आधी सदी से पुराने रिकॉर्ड के ज़रिए नागरिकता साबित करने को कहा जाए तो त्रुटियां स्वाभाविक है। अक्सर दी जाने वाली दलील कि पासपोर्ट या वोटर कार्ड जाली भी हो सकते हैं, लेकिन तब तो यह तर्क एनआरसी में जमा किए गए किसी भी दस्तावेज़ पर समान रूप से लागू होता है। जालसाज़ी का मुद्दा बेहतर जांच-पड़ताल वाली व्यवस्था बनाने की मांग करता है, न कि किसी दस्तावेज़ को खारिज करने की। असम का अनुभव एक बड़ा सवाल खड़ा करता हैः अगर 3.3 करोड़ आबादी वाले एक राज्य में ही इतनी मुश्किलें आईं, तो क्या 145 करोड़ लोगों के साथ पूरे देश में ऐसी प्रक्रिया बिना बड़ी परेशानी संभव होगी? यहां सवाल सिर्फ़ प्रशासनिक नहीं; जनता पर भरोसे का भी है। चुनाव आयोग में छह साल बिताने के बाद, मैं जानता हूं कि नागरिक किसी भी ऐसी प्रक्रिया पर तीखी प्रतिक्रिया देते हैं जिसे वे बोझिल या खुद को बाहर कर दिए जाने वाली मानते हों। मतदाता सूची के हालिया 'स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न' से जुड़े विवाद यही दर्शाते हैं। लोगों को सत्यापन से दिक्कत नहीं। दिक्कत तब होती है जब बार-बार पुराने दस्तावेज़ दिखाने और दफ्तर -दफ्तर भागने को कहा जाये। साथ ही, नागरिकता से जुड़ी किसी भी प्रक्रिया का विरोध तब होगा जब नागरिकों को लगेगा कि इसका मकसद चुनिंदा लोगों पर लागू करना या दंडित करना है। जनता को सुविधा मिले, न कि परेशानी। तो क्या भारत को नागरिकता का पक्के सबूत का विचार छोड़ देना चाहिए? कदापि नहीं। इसके लिए संसद ने पहले ही रास्ता दिखा रखा है। साल 2003 में संशोधित नागरिकता कानून में हर नागरिक का अनिवार्य पंजीकरण, भारतीय नागरिकों का राष्ट्रीय रजिस्टर तैयार करने और राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी करने की बात कही गई है। संलग्न नियमों में, नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर बनाना, तदनुसार सत्यापन एवं एनआरसी तैयार करने का प्रावधान था। इस तरह, कानूनी ढांचा करीब दो दशक से मौजूद है। कमी रही है क्रियान्वयन की नागरिक-हितैषी रूपरेखा बनाने और इसे निष्पक्ष एवं बिना जल्दबाजी लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति की। वह रूपरेखा दो आधारों पर टिकी हो। पहला, जन्म का अनिवार्य रजिस्ट्रेशन (जिसे 1969 के कानून से अनिवार्य किया गया था) यह भविष्य के नागरिकता रिकॉर्ड का आधार बनना चाहिए। इसके लिए मैं दोहरे तरीके का सुझाव देता हूंः एक, जिन लोगों के पास जन्म प्रमाण पत्र है (और ऐसे लगभग 80 करोड़ लोग हैं यानि 65-70 फीसदी), उन्हें सीधे-सीधे नागरिकता कार्ड दिया जा सकता है। दो, पुरानी पीढ़ियों के लिए, सरकार मुख्य रूप से मौजूदा रिकॉर्ड पर निर्भर रहे- वोटर लिस्ट, पासपोर्ट, सरकारी सेवा रिकॉर्ड, टैक्स फाइलिंग, पेंशन रिकॉर्ड और शैक्षणिक प्रमाण पत्र। ये दस्तावेज़ दशकों से सरकार द्वारा अपने नागरिकों को दी गई मान्यता दर्शाते हैं। कोशिश सबको साथ लेकर चलने की हो, न कि शक की। नागरिकता साबित करने का बोझ बार-बार आम नागरिकों पर नहीं पड़े; सरकार की ज़िम्मेदारी हो कि वह ठोस आधार पर साबित करे कि अमुक व्यक्ति की नागरिकता की स्थिति पर सचमुच शक है। भले ही इसमें 5-10 साल लगें। अवैध आप्रवासन एक वास्तविक चुनौती है और इसके गंभीर उपाय करने ज़रूरी भी हैं। लेकिन जो तरीके अपनाए जाएं, वे निर्दिष्ट और सबूत आधारित हों; न कि ऐसी जल्दबाजी वाली कार्रवाई, जिसमें कुछ संदिग्ध लोगों को पकड़ने को बनाए सरकारी जाल में लाखों असली नागरिक फंस जाएं और उन्हें परेशान होना पड़े। नागरिकता, व्यक्ति और राज्य के बीच का बुनियादी रिश्ता है। राष्ट्र को निश्चित ही पता होना चाहिए कि उसके नागरिक कौन हैं और कौन नहीं, लेकिन यह काम इस ढंग से हो जिससे लोगों को भरोसा मिले, न कि डर जाएं; सबको साथ लेकर चलने वाला हो, न कि जानबूझकर बाहर करने वाला; और वह, जिससे नागरिक एवं राज्य के बीच भरोसे का रिश्ता मजबूत होता हो।

- लेखक भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त हैं।

देश दुनिया से

पूर्वी भारत का आर्थिक गौरव लौट सकता है

देश ने चुनावों के दौरान खासकर पश्चिम बंगाल में तीव्र राजनीतिक गर्माहट देखी है। तृणमूल कांग्रेस में हुए राजनीतिक घटनाक्रम और उसके बाद चले तीखे आरोप-प्रत्यारोपों से अलग हटकर अब समय आ गया है कि पश्चिम बंगाल के आर्थिक विकास और उसके पूरे पूर्वोत्तर के समेकित विकास पर पड़ने वाले प्रभावों पर विचार किया जाये। दिल्ली से पश्चिम बंगाल तक, झारखंड को छोड़ सभी राज्यों में भाजपा प्रत्यक्ष रूप से या प्रमुख गठबंधन सहयोगी के रूप में सत्ता में है। इसमें पूर्वोत्तर के सात में से छह राज्य भी शामिल हैं। दिल्ली को छोड़कर ये सभी राज्य आर्थिक विकास, प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद और मानव विकास के मानकों में पिछड़े हुए हैं। इन राज्यों से लगातार हो रहा पलायन लंबे समय से सामाजिक-राजनीतिक चिंता का विषय रहा है। भारत की आजादी के समय देश का आर्थिक भूगोल आज की तुलना में बिल्कुल भिन्न था। तब उत्तर प्रदेश, अविभाजित बिहार और पश्चिम बंगाल से मिलकर बना पूर्वी क्षेत्र देश की औद्योगिक और वाणिज्यिक अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र था। इस क्षेत्र के पास अधिकांश औद्योगिक आधारभूत संरचना, खनिज संसाधन, रेल नेटवर्क, नदी परिवहन और इंजीनियरिंग क्षमता उपलब्ध थी। उत्तर प्रदेश चीनी उत्पादन, वस्त्र निर्माण, चमड़ा उद्योग, कांच और पीतल उद्योग के साथ कृषि उत्पादन में अग्रणी था। कानपुर को वस्त्र मिलों और चमड़ा उद्योग के कारण 'पूरब का मैनचेस्टर' कहा जाता था। वाराणसी, आगरा, मेरठ और मुरादाबाद जैसे शहर भी अपने मजबूत विनिर्माण आधार के लिए प्रसिद्ध थे। तब बिहार कोयला, लौह अयस्क, अभ्रक, तांबा, बॉक्साइट और चूना पत्थर जैसे खनिजों तथा इस्पात उद्योग का प्रमुख केंद्र था। बोकारो, रांची, धनबाद और हजारीबाग जैसे शहर खनन, धातुकर्म और इंजीनियरिंग पर आधारित एकीकृत औद्योगिक तंत्र का निर्माण करते थे। तब पश्चिम बंगाल निःसंदेह देश का सबसे प्रमुख औद्योगिक राज्य था। कोलकाता भारत का प्रमुख वाणिज्यिक और औद्योगिक केंद्र होने के साथ पूरे

पूर्वोत्तर भारत, दक्षिण पूर्व एशिया और यहां तक कि यूरोप तक व्यापार का मुख्य प्रवेश द्वार था। यह शहर बैंकिंग, बीमा और जहाजरानी का प्रमुख केंद्र भी था। पश्चिम बंगाल जूट, इंजीनियरिंग उत्पादों, रेलवे उपकरणों, भारी मशीनरी, फाउंड्री, रसायन उद्योग तथा चाय व्यापार और निर्यात में अग्रणी था। कोलकाता, हावड़ा, दुर्गापुर, आसनसोल और वर्धमान तक फैली औद्योगिक पट्टी भारत के भारी उद्योग की रीढ़ थी। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि 1950-51 में देश के कुल औद्योगिक उत्पादन का लगभग 27 प्रतिशत हिस्सा अकेले पश्चिम बंगाल से आता था। इस क्षेत्र की एकीकृत अर्थव्यवस्था ने उच्च उत्पादकता सुनिश्चित की। स्वतंत्रता के शुरुआती दशकों में उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में विकसित औद्योगिक ढांचे ने भारत के व्यापक आर्थिक परिवर्तन की नींव रखी थी। पूर्वोत्तर, पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्रों के बीच आर्थिक असमानता अनेक जटिल ऐतिहासिक घटनाओं का परिणाम है, जिनमें व्यापक आर्थिक नीतियों की विकृतियां, संरचनात्मक असंतुलन और राजनीतिक परिवर्तन शामिल हैं। इस गिरावट की शुरुआत 1952 की मालभाड़ा समानीकरण नीति से हुई। इस नीति के अंतर्गत केंद्र सरकार ने समानीकरण कोष के माध्यम से प्रमुख औद्योगिक कच्चे माल के लंबी दूरी के परिवहन पर सब्सिडी दी, जिससे खनिज संपन्न राज्यों को मिलने वाला प्राकृतिक भौगोलिक लाभ समाप्त हो गया। इस नीति का उद्देश्य क्षेत्रीय आर्थिक संतुलन स्थापित करना था। इसके अंतर्गत कोयला और इस्पात जैसे खनिजों के परिवहन पर सब्सिडी दी गयी। किंतु कपास और तिलहन जैसी अन्य वस्तुओं के परिवहन पर ऐसा नहीं किया गया। उस नीति ने पूर्वी क्षेत्र के कम लागत वाले प्राकृतिक लाभ को समाप्त कर दिया। इससे पश्चिम बंगाल का राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में योगदान 1960-61 के लगभग 10.5 प्रतिशत से घटकर 2023-24 में केवल 5.6 फीसदी रह गया। इस झटके को श्रमिक अशांति, आधारभूत संरचना के पतन, कुप्रशासन और तटीय अर्थव्यवस्थाओं के उदय जैसे अन्य कारणों ने और गहरा किया। पूर्वी क्षेत्र उपजाऊ गंगा के मैदानों, विस्तृत रेल और नदी नेटवर्क, कोयला तथा अन्य खनिज संसाधनों, ऐतिहासिक औद्योगिक केंद्रों, विशाल युवा आबादी और बंगाल की खाड़ी तक पहुंच जैसी प्राकृतिक एवं आर्थिक शक्तियों से संपन्न है। नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और दक्षिण पूर्व एशिया की निकटता इसे विशाल अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच प्रदान करती है। इतिहासकार और अर्थशास्त्री गुन्नार मिर्डल ने कहा था, विकास और अविकास, दोनों संचयी प्रक्रियाएं हैं। पूर्वी क्षेत्र के पुनरुत्थान को भी एक संचयी प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए, जहां प्रत्येक राज्य को अलग-अलग कर देखने के बजाय पूरे क्षेत्र को एकीकृत अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित किया जाये। इसके लिए व्यावहारिक नीतियों और सहयोगात्मक दृष्टिकोण जरूरी है। कानपुर, प्रयागराज व वाराणसी, पटना और धनबाद तथा आसनसोल, दुर्गापुर और कोलकाता को जोड़ने वाला एक अत्याधुनिक उच्च गति का माल परिवहन एवं औद्योगिक गलियारा विकसित किया जाना चाहिए। इसमें औद्योगिक पार्क, व्यापारिक केंद्र, गोदाम, लॉजिस्टिक हब व निर्यात क्षेत्र शामिल हों।

आप का नज़रिया

क्या होती है राष्ट्र वन्दना ?

भारत की वैदिक संस्कृति परकल्याण की संस्कृति है। कृतज्ञता की संस्कृति है। देवों की संस्कृति है। हमें जो कोई कुछ कहीं से देता है, हम उसके प्रति कृतज्ञता का भाव रखते हैं और जीवन भर रखते हैं। इसी से हमारे यहां पर कथित रूप से बहुदेवतावाद का विस्तार और विकास हुआ। जिसने भी हमको कुछ दिया, हमने उसी के प्रति श्रद्धा का भाव हृदय में बसा लिया। यह है- भारत। यह है – भारतीयता। यही है- भारतीय संस्कृति की जीवंतता। यही है सनातन का सत्यस्वरूप। हमने अपनी मातृभूमि के प्रति भी श्रद्धा का भाव रखा। उस पर मर मिटने का भाव रखा। बलिदान देने का भाव रखा। क्योंकि हमारी मातृभूमि हमको जीवन देती है। जीने के सारे साधन देती है। उन साधनों से ही हमारी साधना पूर्ण होती है और उन साधनों के बल पर ही हमें मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस प्रकार मातृभूमि हमारे धर्म की साधना में हमारा साथ देती है। जिससे हमारा इहलोक और परलोक दोनों सधते हैं। इसका लौकिक स्वरूप हमारे अभ्युदय की प्राप्ति में सहायक होता है। हमारी साधना की ऊंचाई हमको निश्नेयस की सिद्धि की ओर ले जाती है। अथर्ववेद ने हमको बताया कि राष्ट्र एक माता है। यह माता हमारा निर्माण करती है। हमारे जीवन को ऊंचाई देती है। जीवन की साधना को सफल करती है। इसलिए इसके प्रति कृतज्ञ रहो। झुके रहो इसके समक्ष। राष्ट्र ने तुमको तुम्हारी उन्नति का जो सुंदर से सुंदर परिवेश बना कर दिया है, वह परिवेश अक्षुण्ण रहे और उसमें कोई शत्रु आकर सेंध न लगाए। कोई उसकी श्रृंखला को तोड़ने में सफल न हो पाए। इसके लिए सदा सावधान रहो। राष्ट्र को उसके शत्रुओं से बचाने के लिए यदि आपको अपना बलिदान भी देना पड़े तो निसंकोच दे दो। गुरु गोविंद सिंह जी और बंदा बैरागी जैसे वीर योद्धाओं के बलिदानों को हमें इसी रूप में देखना चाहिए। इस प्रकार के बलिदान राष्ट्र की रक्षा के लिए तो आवश्यक हैं ही राष्ट्रवासियों के लिए भी आवश्यक हैं। ऐसे बलिदानों से ही राष्ट्रवासियों के लिए वह सुंदर परिवेश बनाए रखने में हमको सहायता मिलती है, जिसके कारण उनको सब प्रकार की उन्नति के अवसर उपलब्ध होते हैं। सबके कल्याण के लिए अर्थात सब प्रत्येक प्रकार की उन्नति को प्राप्त हो सकें, इसके लिए यदि मेरा बलिदान भी होता है तो मैं कर दूं। यह भाव हमारी वैदिक संस्कृति का है। इसी को परकल्याण कहते हैं। इसी को जीवन की ऊंचाई कहते हैं। भावार्थ है कि यह भूमि (पृथ्वी) हमारी माता है और हम सब इसके पुत्र हैं। अपनी मातृभूमि अर्थात राष्ट्रभूमि के प्रति हम सदा श्रद्धा से भरे रहें। इसके नदी, नाले, पर्वत इसकी हवाएं, इसके सूर्य का प्रकाश ये सब हमारे कल्याण के लिए हैं। इस पर उगने वाली फसलें, वनस्पतियां, पेड़-पौधे आदि हमारे जीवन निर्माण के लिए हैं। इसकी नदियों, झीलों और इसके गर्भ में मिलने वाला जीवन मीठा जल हमारे लिए जीवनप्रद है। इस प्रकार यह मातृभूमि हमारे लिए चौबीसों घंटे जीवन देने वाली है। हमारे लिए ही सांस ले रही है। मानो हमारे लिए ही जी रही है। मानो हमारे लिए ही संघर्ष कर रही है। इसका एक-एक पल हमारे लिए है। 'पर्जन्य' अर्थात मेघ हमारे पिता हैं। जैसे पिता अपने प्रेम की वर्षा कर हमारे जीवन का निर्माण करता है, उसकी रक्षा करता है। उसको पुष्पित और पल्लवित होने का अवसर प्रदान करता है, उसी प्रकार पर्जन्य भी हमारे लिए काम करते हैं। यह मातृभूमि और पर्जन्य दोनों मिल कर हमारा 'पिपर्तु' अर्थात पालन करते हैं। इनके अस्तित्व के बिना हमारा अस्तित्व नहीं। ये हैं तो हम भी हैं और ये नहीं है तो हम भी नहीं हैं। यह अथर्ववेद के १२वें कांड, सूक्त १ की १२वीं ऋचा है। वेद का ऋषि आगे कहता है– "यस्यां वेदिं परिगृह्णन्ति भूम्यां यस्यां यज्ञं तन्वते विश्वकर्माणः।" – अथर्ववेद (१२.१.१) अर्थात इस भूमि पर हम 'विश्वकर्माण' अर्थात सृजनशील मनुष्य यज्ञवेदियों का निर्माण करके यज्ञों का विस्तार करने वाले बनें। यज्ञों का विस्तार करना पर कल्याण की भावना को अपने आंतरिक जगत में स्थान देना होता है।

हमें जो कोई कुछ कहीं से देता है, हम उसके प्रति कृतज्ञता का भाव रखते हैं और जीवन भर रखते हैं। इसी से हमारे यहां पर कथित रूप से बहुदेवतावाद का विस्तार और विकास हुआ। जिसने भी हमको कुछ दिया, हमने उसी के प्रति श्रद्धा का भाव हृदय में बसा लिया। यह है- भारत। यह है – भारतीयता। यही है- भारतीय संस्कृति की जीवंतता। यही है सनातन का सत्यस्वरूप। हमने अपनी मातृभूमि के प्रति भी श्रद्धा का भाव रखा। उस पर मर मिटने का भाव रखा। बलिदान देने का भाव रखा। क्योंकि हमारी मातृभूमि हमको जीवन देती है। जीने के सारे साधन देती है। उन साधनों से ही हमारी साधना पूर्ण होती है और उन साधनों के बल पर ही हमें मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस प्रकार मातृभूमि हमारे धर्म की साधना में हमारा साथ देती है। जिससे हमारा इहलोक और परलोक दोनों सधते हैं। इसका लौकिक स्वरूप हमारे अभ्युदय की प्राप्ति में सहायक होता है। हमारी साधना की ऊंचाई हमको निश्नेयस की सिद्धि की ओर ले जाती है। अथर्ववेद ने हमको बताया कि राष्ट्र एक माता है। यह माता हमारा निर्माण करती है। हमारे जीवन को ऊंचाई देती है। जीवन की साधना को सफल करती है। इसलिए इसके प्रति कृतज्ञ रहो। झुके रहो इसके समक्ष। राष्ट्र ने तुमको तुम्हारी उन्नति का जो सुंदर से सुंदर परिवेश बना कर दिया है, वह परिवेश अक्षुण्ण रहे और उसमें कोई शत्रु आकर सेंध न लगाए। कोई उसकी श्रृंखला को तोड़ने में सफल न हो पाए। इसके लिए सदा सावधान रहो। राष्ट्र को उसके शत्रुओं से बचाने के लिए यदि आपको अपना बलिदान भी देना पड़े तो निसंकोच दे दो।

दृष्टि कोण

लद्दाख के संसाधनों पर भारी पड़ रहा है अनियंत्रित पर्यटन

लेह प्रशासन द्वारा बड़े गर्व से बताया जा रहा है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार लेह-लद्दाख में 44 प्रतिशत अधिक पर्यटक आये। पिछले वर्ष जनवरी से मई के बीच जहां 81,827 पर्यटक आये, वहीं इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 1,17,546 हो गयी। इस बीच यहां एक दंडात्मक कार्रवाई ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। पैंगोंग झील और दूसरे संरक्षित वन्यजीव क्षेत्रों में नियमों का उल्लंघन करने पर चार पर्यटकों पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। विदित है कि हिमालय की गोद में बसा केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख बीते कुछ वर्षों में एक बड़े वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में उभरा है। देश और दुनिया से आने वाले पर्यटकों की बढ़ती संख्या और उनके यहां रुकने की लंबी अवधि ने निःसंदेह स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। पर इस आर्थिक समृद्धि के पीछे एक ऐसा स्याह सच भी छिपा है, जो लद्दाख की नाजुक पारिस्थितिकी के लिए किसी गंभीर खतरे से कम नहीं है। जिसे कभी 'शांगरी-ला' यानी पृथ्वी का स्वर्ग कहा जाता था, वह आज अनियंत्रित पर्यटन के कारण उपजे कचरे, पानी की किल्लत, बिजली संकट और वाहनों के धुएं से हांफ रहा है। इस बढ़ते पर्यावरणीय भार का सबसे बड़ा हिस्सा लद्दाख के मुख्य शहर लेह को उठाना पड़ रहा है, जहां पर्यटन का यह दबाव स्थानीय बुनियादी ढांचे और प्राकृतिक संसाधनों को सोख रहा है। लेह-लद्दाख में लगभग 670 होटल बन गये हैं और इनमें से 60 प्रतिशत लेह शहर में हैं। चूंकि अधिकांश पर्यटक सबसे पहले लेह ही आते हैं, सो लेह पर वहां की मूल आबादी से तीन गुना बाहर से आये लोगों का बोझ सदा बना रहता है। यहां होटलों और गेस्ट हाउसों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है, जिन्होंने पानी की भारी मांग को पूरा करने के लिए अंधाधुंध कमर्शियल बोरवेल खोद डाले हैं। नतीजा, लेह का भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा रहा है और प्रशासन को पानी की राशनिंग करने के साथ-साथ टैंकरों के जरिये जलापूर्ति करनी पड़ रही है। जलवायु परिवर्तन के कारण कम होती बर्फबारी और पर्यटन के अत्यधिक दबाव ने पानी की इस कमी को

जीवन-मरण का प्रश्न बना दिया है। सभी होटलों ने बाथरूम में सोलर ऊर्जा से चलने वाले हीटर लगा रखे हैं और सुबह गर्म पानी की आस में कम से कम दस बाल्टी ठंडा पानी नाली में बहाना आम बात है। इस पानी की बर्बादी से लेह का पाताल जल संकट गहराता जा रहा है। इसका विपरीत असर हिम-पहाड़ों से आने वाली सरिताओं पर भी पड़ रहा है। यह किसी से छुपा नहीं है कि पर्यटन बढ़ने से हिमालय के पहाड़ों पर कचरे का संकट बढ़ता है। लेह म्युनिसिपल कमिटी के आंकड़े बताते हैं कि पर्यटन सीजन के दौरान लेह के 13 वार्डों से प्रतिदिन करीब 12 से 13 टन ठोस कचरा निकलता है, जिसमें नौ से दस टन सूखा कचरा और दो से तीन टन गीला कचरा होता है। इसके उलट, सर्दियों के दिनों में, जब सैलानियों की संख्या न के बराबर होती है, सूखे कचरे की मात्रा घटकर केवल तीन से चार टन रह जाती है। कचरे की मात्रा में आने वाला यह भारी उतार-चढ़ाव ही इसके प्रभावी निपटान में सबसे बड़ी बाधा है। यद्यपि, 2020 में स्कंपारी में सौर ऊर्जा से संचालित 30 टन क्षमता का वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट लगाया गया है, पर शून्य डिग्री सेल्सियस से नीचे के तापमान में गीला कचरा पूरी तरह जम जाता है। अत्यधिक ठंड और ऊंचाई के कारण मजदूरों की कार्यक्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है, जिससे कचरे की प्रोसेसिंग में देरी होने लगती है। सबसे खराब स्थिति सर्दियों में भारी बर्फबारी के दौरान होती है, जब कचरा इकट्ठा करने वाले ट्रकों की आवाजाही ठप हो जाती है और लोग मजबूरी में कचरे को खुले में या अपने स्तर पर जलाने लगते हैं।

अब डूरंड कप में खेलते दिखेंगे अभिनेता टाइगर श्राफ

कोलकाता

बालीवुड अभिनेता टाइगर श्राफ अब एक नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। टाइगर इसी महीने 25 जुलाई से शुरू हो रहे डूरंड कप फुटबाल में खेलते नजर आयेंगे। टाइगर फिल्मों के साथ ही खेल के भी दीवाने रहे हैं और फुटबाल के प्रति उनका प्यार समय-समय पर देखा गया है। इस बार वह पेशेवर फुटबालर के रूप में नई पारी की शुरुआत करने की तैयारी में हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, टाइगर डूरंड कप में मुंबई एफसी की ओर से खेल सकते हैं। हालांकि, इस संबंध में अभी तक उनकी ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। वहीं माना जा रहा है कि उनके प्रशंसक जल्द ही उन्हें मैदान पर अपनी खेल प्रतिभा दिखाते हुए देखेंगे।

टाइगर का फुटबाल के प्रति प्रेम किसी से छिपा नहीं है। उन्हें अभिनय के अलावा फुटबाल और वालीबाल खेलना बेहद पसंद है। वे सिर्फ शौकिया तौर पर ही नहीं, बल्कि लंबे समय से स्थानीय स्तर के क्लबों के लिए फुटबाल खेलते रहे हैं। बालीवुड के सबसे फिट अभिनेताओं में शामिल टाइगर, अक्सर सोशल मीडिया पर फुटबाल खेलते हुए अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा करते रहते हैं, जो उनके इस जुनून को दिखाता है। उनका शारीरिक कौशल और खेल प्रेम उन्हें फुटबाल के मैदान पर भी एक मजबूत दावेदार बनाता है।

गौरतलब है कि टाइगर फुटबाल में फारवर्ड पोजीशन पर खेलते हैं और उनके पास पहले से ही पेशेवर लीग में खेलने का अनुभव है। उन्होंने साल 2024 में मुंबई प्रीमियर लीग (एमपीएल) में मुंबई एफसी के लिए डेब्यू किया था, जहां वे क्लब के मार्की प्लेयर रहे। बाम्बे जिमखाना के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में टाइगर ने टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। वे मुंबई प्रीमियर लीग के 2024-2025 सत्र के दौरान टीम से जुड़े रहे और इस दौरान उन्होंने क्लब के लिए कुल तीन घरेलू लीग मैच खेले।

एक तरफ जहां टाइगर अपनी खेल प्रतिभा से सुर्खियां बटोर रहे हैं, वहीं उनके वर्क फ्रंट पर भी कई बड़े प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। उनकी आगामी फिल्मों में रैंबो, लग जा गले और हिटमैन जैसी एक्शन ड्रामा फिल्में शामिल हैं, जिनकी रिलीज का उनके प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनकी आखिरी रिलीज बागी-4 थी, जो सितंबर 2025 में आई थी और बाक्स आफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। हालांकि, टाइगर ने ऋतिक रोशन के साथ वार और अपनी सोलो फिल्म बागी-2 जैसी ब्लाकबस्टर फिल्में भी दी हैं, जिन्होंने उन्हें बालीवुड के सफल एक्शन स्टार्स में से एक बनाया है।बड़े पर्दे के एक्शन से लेकर फुटबाल के हरे मैदान तक, टाइगर का यह नया कदम उनके बहुमुखी प्रतिभा को दिखाता है।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्वकप : फ्रांस ने पराग्वे को 1-0 से हराकर लगातार चौथी बार क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

फिलाडेल्फिया। स्टार स्ट्राइकर किलियन एम्बाप्पे के शानदार गोल से फ्रांस ने एक रोमांचक मुकाबले में पराग्वे को 1-0 से हराकर लगातार चौथी बार फीफा विश्वकप फुटबाल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। एम्बाप्पे ने अपने प्रदर्शन से एक बार फिर अपनी बादशाहत साबित की है। इस मैच में पराग्वे ने भी साहसिक प्रदर्शन करते हुए फ्रांस के खिलाफ जबरदस्त संघर्ष किया। जिससे फ्रांसीसी टीम के लिए गोल दागना कठिन रहा। इस मैच में 70वें मिनट तक दोनों ही टीमें गोल नहीं कर पायी। इसी दौरान पराग्वे के डिएगो गोमेज के फाउल से फ्रांस को पेनल्टी मिली। जिसपर गोल दागने में एम्बाप्पे ने कोई गलती नहीं की। इससे फ्रांस टीम को 1-0 की बढ़त मिल गयी। यह विश्वकप में एम्बाप्पे का 19वां गोल रहा, और उन्होंने यह अहम उपलब्धि केवल 19 मैचों में ही हासिल कर ली। अब वह अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी से एक गोल ही पीछे हैं। मेसी के नाम 20 गोल हैं। ऐसे में अगले मैच में उनके पास मेसी को पीछे छोड़ने का अवसर है। एम्बाप्पे ने अब तक 7 गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में शीर्ष पर हैं। मेसी ने भी हालांकि 7 गोल किए हैं पर एम्बाप्पे के नाम इस विश्वप कप में दो गोल करने में सहायता करने का रिकार्ड भी है। जो उन्हें इस दौड़ में आगे रखते हैं।

सऊदी क्लब के अल-नासर क्लब के नये कोच बने आस्ट्रेलिया के पोस्टेकोग्लू

रियाद। सऊदी अरब के शीर्ष फुटबाल क्लब अल-नासर ने पुर्तगाली कोच जार्ज जीसस की जगह आस्ट्रेलिया के एंजे पोस्टेकोग्लू को अपनी पहली फुटबाल टीम का नया मुख्य कोच बनाया है। क्लब ने कहा कि पोस्टेकोग्लू के साथ दो साल का करार किया गया है। यह नियुक्ति क्लब के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है। इससे वह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी स्थिति को और मजबूत करेगा। अल-नासर के आधिकारिक बयान में इस बदलाव को एक नए युग के रूप में पेश किया गया है। बयान में कहा गया, एक नए अध्याय की शुरुआत। पोस्टेकोग्लू को अल-नासर की पहली फुटबाल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उनका करार दो सीजन के लिए है। हम उन्हें और उनके सहयोगी स्टाफ को क्लब के साथ सफल सफर की शुभकामनाएं देते हैं। यह स्पष्ट करता है कि क्लब प्रबंधन को पोस्टेकोग्लू के नेतृत्व में भविष्य को आकार देने की उम्मीद है, जिसमें एक नई ऊर्जा और दृष्टिकोण लाने की क्षमता होगी। वहीं नये कोच पोस्टेकोग्लू के सामने सबसे बड़ी और रोमांचक चुनौती स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ मिलकर टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना होगा। रोनाल्डो, जो एक दिग्गज आइकन हैं, टीम की प्रेरणा और स्कोरिंग क्षमता का केंद्र हैं। पोस्टेकोग्लू को सादियो माने, किंग्सले कोमन और जोआओ फेलिक्स जैसे विश्व स्तरीय स्टार खिलाड़ियों को भी कोचिंग देनी होगी, जो अपनी प्रतिभा और अनुभव से टीम को सशक्त करते हैं।

वैभव ने शुभचिंतकों का आभार जताया, बोले आप के संदेशों से अभिभूत हूं

मेनचेस्टर। सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले भारतीय बल्लेबाज बनकर वैभव सूर्यवंशी बेहद खुश हैं। केवत्र 15 साल 99 दिन की उम्र में भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले वैभव ने सोशल मीडिया के जरिये अपनी भावनाएं प्रकट की हैं। वैभव ने इस मैच में 10 गेंद पर केवल 14 रन बनाये पर इस दौरान उनकी बल्लेबाजी देखकर वह अपनी उम्र से कहीं बढ़कर परिपक्व और कुशल बल्लेबाज दिखे। इस उभरते हुए बल्लेबाज ने मैच के बाद सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा कर अपने प्रशंसकों और शुभचिंतकों का दिल जीत लिया। उनका यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलने पर गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है। वैभव ने लिखा, आप सभी के संदेशों से मैं अभिभूत हूं। मैं अपने सीनियर खिलाड़ियों और शुभचिंतकों को धन्यवाद देना चाहता हूं कि आपने मुझे इतना प्यार और समर्थन दिया। मैं आभारी हूं कि मुझे अपने देश के लिए प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है। मैं हमेशा कोशिश करूंगा कि मैं अपनी टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दूं। एक बार फिर से आप सभी का बहुत-बहुत आभार । इस संदेश से उनकी विनम्रता और देश के प्रति समर्पण साफ झलक रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए दूसरे मैच में, वैभव ने अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत की। यह उनके लिए किसी सपने से कम नहीं था, खासकर तब जब उन्होंने जोफ्रा आर्चर जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज का सामना करते हुए अपनी पहली ही गेंद पर शानदार छक्का लगा दिया।

ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड 7वीं बार जीता महिला टी20 विश्व कप का खिताब, इंग्लैंड को हराने में नहीं लगी मेहनत

लंदन: ऑस्ट्रेलिया ने महिला टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में टीम की भिड़ंत इंग्लैंड से थी। दोनों टीमों अजेय रहते हुए फाइनल तक पहुंची थी। खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट से अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलिया ने 7वीं बार खिताब अपने नाम किया है। अन्य कोई भी टीम एक बार से ज्यादा खिताब नहीं जीत पाई है। इंग्लैंड को चौथी बार फाइनल में हार मिली है। हर बार उसके सामने ऑस्ट्रेलिया की ही टीम थी। पहले बैटिंग करते हुए फाइनल में इंग्लैंड ने 4 विकेट पर 150 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से 18वें ओवर में मैच अपने नाम कर लिया।

इंग्लैंड ने पावरप्ले में दो विकेट गंवाए

ऐतिहासिक लॉर्डस मैदान में खेले जा रहे मुकाबले में टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही थी। इंग्लैंड ने अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों को सस्ते में गंवा दिया। एमी जोंस 6 और डैनी व्याट 8 रन बनाकर आउट हुईं। 32 रन पर 2 विकेट गंवा चुकी इंग्लैंड को कप्तान नैट सीवर-ब्रंट और एलिस कैप्सी ने संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 35 रन की साझेदारी की। कैप्सी 20 गेंदों पर 23 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद इंग्लैंड को हेदर नाइट के रूप में चौथा झटका 70 के स्कोर पर लगा। नाइट महज 2 रन बनाकर आउट हो गईं।

70 पर 4 विकेट गंवा चुकी इंग्लैंड को कप्तान ब्रंट और छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आईं फ्रेया केम्प ने संभाला। दोनों ने नाबाद 80 रन की साझेदारी कर टीम को 150 तक पहुंचाया। केम्प ने 28 गेंदों पर 1 छक्का और 4 चौकों की मदद से 44 रन बनाकर नाबाद लौटीं। ब्रंट 53 गेंदों पर 5 चौकों की मदद से 58 रन बनाकर नाबाद रहीं। ऑस्ट्रेलिया के लिए किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, कप्तान सोफी मोलिनक्स और एनाबेल सदरलैंड ने 1-1 विकेट लिए।

मूनी और लिचफील्ड के बीच शतकीय साझेदारी

ऑस्ट्रेलिया को जॉर्जिया वोल के रूप में दूसरे ही ओवर में पहला झटका लग गया। लेकिन इसके बाद बेथ मूनी और फोएबी लिचफील्ड ने दूसरे विकेट के लिए 67 गेंदों पर 100 रनों की साझेदारी कर दी। लिचफील्ड के बल्ले से 35 गेंदों पर 48 रनों की पारी निकली।

उन्होंने 6 चौके और दो छक्के मारे। वहीं मूनी ने अपनी फिफ्टी पूरी की। वह महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में दो फिफ्टी लगाने वाली पहली क्रिकेटर बन गई हैं। 49 गेंदों पर मूनी 64 रन बनाकर आउट हुई। एलिस पेरी ने 13 और एश्ले गार्डर ने 3 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी।

स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ कमजोरी से प्रभावित हो रही तिलक की बल्लेबाजी : रिपोर्ट

मुम्बई

एशिया कप में शानदार बल्लेबाजी के बाद स्टार बने युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार अगर वह इंग्लैंड के खिलाफ वर्तमान सीरीज में रन नहीं बना पाये तो उनके लिए टीम में अपनी जगह बनाये रखना कठिन होगा। तिलक अभी पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं पर प्रभावित नहीं कर पाये हैं। उनकी सबसे बड़ी कमजोरी स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ स्ट्राइक रेट कम होना है। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में खेले गए पहले टी20 मैच में तिलक ने 13 गेंदों में केवल 13 रन बनाए। इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने तिलक के खिलाफ स्पिनरों को उतारकर उन्हें रनों के लिए तरसा दिया। वहीं आईपीएल में भी यह देखने को मिला था कि जब तिलक बल्लेबाजी के लिए आते थे, तो विरोधी टीमें स्पिन गेंदबाजों को ले आती थीं, जिससे रन रेट पर अचानक ब्रेक लग जाता था।

स्पिन के खिलाफ तिलक की यह कमी अब टीम इंडिया के लिए एक गले की फांस बनती जा रही है। तिलक ने इंग्लैंड दौरे पर जाने से पहले 8 पारियों में स्पिन के खिलाफ सिर्फ 100 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। जबकि टी20 में उनका ओवरआल स्ट्राइक रेट 142.7 है, स्पिन के सामने यह घटकर 126.2 हो जाता है। स्पिन के खिलाफ तिलक के इस प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें नंबर-5 पर उतारना कई विशेषज्ञों के लिए हैरानी वाला रहा है। ये भी ध्यान देने योग्य है कि उनका यह स्ट्राइक रेट खास तौर पर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए गिरा है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि तिलक वर्मा का बल्ला हर स्थिति में खामोश रहता है। उन्होंने तीसरे और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया है।

छठे और सातवें नंबर पर भी उन्होंने फिनिशर की भूमिका निभाई है, जहां उनका स्ट्राइक रेट 200 से भी अधिक रहा है, और उन्होंने कई मैच अपनी टीम के पाले में किए हैं। टाप आर्डर में भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने यह एक बड़ी सिरदर्दी बन गई है कि तिलक को किस बल्लेबाजी क्रम पर उतारा जाए - क्या उन्हें ऊपर भेजा जाए, पांचवें नंबर पर ही रखा जाए, या फिर उनकी खराब फार्म को देखते हुए उन्हें टीम से बाहर करने पर विचार किया जाए।

प्रज्ञानंद ने मारी बाजी; लगातार तीन जीत के दम पर संयुक्त नंबर-1 बने भारतीय स्टार

जैग्रेब (क्रोएशिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशियाई चरण के रैपिड सेक्शन के शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने लगातार तीन मैच जीतकर कुल 12 अंकों के साथ फ्रांस के फिरौज्जा अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल कर लिया है। दूसरे दिन के खेल के बाद प्रज्ञानंद थोड़ा पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने आखिरी तीन दौर के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल बचाकर रखा था। उन्होंने क्रोएशिया के इवान सारिक, रोमानिया के डीक बोग्डन-डेनियल और नीदरलैंड के अनीश गिरी को शिकस्त देकर अलीरेजा की बराबरी की। अन्य खिलाड़ी भी प्रज्ञानंद और अलीरेजा के करीब पहुंच चुके हैं इस प्रतियोगिता के रैपिड सेक्शन में फ्रांस के मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने भी बेहतरीन अंत किया। ये दोनों खिलाड़ी 11 अंकों के साथ शीर्ष पर मौजूद दोनों लीडर्स के बेहद करीब बने हुए हैं। वहीं, भारत के विश्व चैंपियन डी गुकेश और जर्मनी के विंसेंट कीमर भी 10-10 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे मजबूती से डटे हुए हैं।

12 दिसंबर को चेन्नई में खेला जा सकता है बीबीएल का पहला मुकाबला

मुम्बई

भारत में पहली बार आस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग (बीबीएल) के मुकाबले आयोजित किए जा सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अनुसार, 12 दिसंबर को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कार्चर्स के बीच बीबीएल का पहला मुकाबला खेला जा सकता है। वहीं ये भी अटकलें हैं कि भारत में इस लीग के आयोजन को लेकर क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के बीच बातचीत अंतिम चरण में है। यदि दोनों बोर्ड के बीच सहमति बन जाती है तो तो यह भारतीय धरती पर खेला जाने वाला आस्ट्रेलिया की घरेलू टी20 लीग का पहला आधिकारिक मुकाबला होगा। यह कदम भारत और आस्ट्रेलिया के बीच बढ़ते खेल और सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

गौरतलब है कि सीए इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर पिछले कई महीनों से सक्रिय रूप से काम कर रहा है। फरवरी में सीए के वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत का दौरा किया था, जिसके बाद एक पाँच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने चेन्नई पहुँचकर एमए चिदंबरम स्टेडियम का विस्तृत निरीक्षण किया। प्रतिनिधिमंडल ने बीसीसीआई और तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन (टीएनसीए) के अधिकारियों के साथ भी बातचीत की थी। और रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों भारतीय संस्थाओं ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। यह दर्शाता है कि भारतीय क्रिकेट समुदाय इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों को लेकर उत्साहित है। इस ऐतिहासिक मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स को घरेलू टीम माना जाएगा, और फ्रैंचाइजी बिग बैश लीग का पहला विदेशी लीग मुकाबला भारत में आयोजित करने के लिए अपने नियमित घरेलू मुकाबलों में से एक को छोड़ने पर सहमत हो गई है। यदि यह बहुप्रतीक्षित मुकाबला तय कार्यक्रम के अनुसार आयोजित होता है, तो यह भारत और आस्ट्रेलिया के क्रिकेट संबंधों में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। साथ ही, यह भविष्य में अन्य विदेशी फ्रेंचाइजी लीग मुकाबलों के भारत में आयोजन का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

विश्व कप से पहले भारत ने दिया बड़ा संदेश फुल्टन बोले- गेम प्लान पर टिके रहे तो जीत हमारी होगी

नई दिल्ली

एफआईएच प्रो लीग में कुल मिलाकर निराशाजनक अभियान के बावजूद आखिरी चरण में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन कर अपने इरादे साफ कर दिए। जर्मनी और नीदरलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद मुख्य कोच क्रेग फुल्टन का मानना है कि अगर टीम अपने गेम प्लान पर कायम रही तो दुनिया की किसी भी टीम को मात दे सकती है।

क्या जर्मनी और नीदरलैंड पर जीत से बढ़ा टीम का आत्मविश्वास - मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि प्रो लीग के दौरान टीम का आत्मविश्वास लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जर्मनी और नीदरलैंड जैसी शीर्ष टीमों पर जीत और इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले ने साबित कर दिया कि भारतीय टीम अपने गेम प्लान पर अमल करे तो किसी भी टीम को चुनौती देने और हराने की क्षमता रखती है। उन्होंने इसे विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले अच्छा संकेत बताया,

हालांकि प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की जरूरत भी बताई।

टीम दबाव में पहले से ज्यादा मजबूत हुई है - फुल्टन ने कहा कि टीम ने दबाव की परिस्थितियों में संयम बनाए रखा, अलग-अलग टीमों की खेल शैली के अनुसार खुद को ढाला और करीबी मुकाबलों में जीत हासिल की। उनके अनुसार यही अनुभव विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट में टीम के काम आएगा और टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

प्रो लीग की शुरुआत भारत के लिए मुश्किल रही थी - राउरकेला में खेले गए घरेलू चरण में भारत को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद होबार्ट चरण में टीम ने सुधार के संकेत दिए। स्पेन से शुरुआती हार के बाद भारत ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 और स्पेन के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेला, हालांकि दोनों मुकाबलों के शूटआउट में हार मिली। अंतिम मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी के बाद भारत ने शूटआउट 3-1 से जीत लिया।

यूरोप चरण में बदली भारत की तस्वीर - यूरोप चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा। राटरडैम में भारत ने जर्मनी को 3-1 और नीदरलैंड को 3-2 से हराया। दुनिया की दो मजबूत रक्षात्मक टीमों के खिलाफ भारत ने चार मैचों में नौ गोल किए, जिनमें पांच फील्ड गोल और चार पेनल्टी कार्नर से आए। इसके बाद लंदन में पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ चारों मुकाबलों में भारत निर्धारित समय तक अपराजित रहा।

हरमनप्रीत सिंह ने भी जताया भरोसा - होबार्ट चरण से बाहर रहने के बाद टीम की कप्तानी संभालने लौटे हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों को हराना हमेशा खास होता है और इससे पता चलता है कि टीम की मेहनत रंग ला रही है। उन्होंने कहा कि विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी में टीम इन सकारात्मक पहलुओं को साथ लेकर आगे बढ़ेगी।

टीम के सभी विभागों का प्रदर्शन रहा संतुलित - हरमनप्रीत ने कहा कि इस प्रो लीग अभियान की सबसे बड़ी सकारात्मक बात यह रही कि टीम के हर विभाग ने योगदान दिया। रक्षा पंक्ति ने मजबूती दिखाई, मिडफील्ड ने खेल पर नियंत्रण रखा और फारवर्ड खिलाड़ियों ने सर्कल के भीतर मौके बनाकर कई फील्ड गोल किए।

बजट कार से लेकर प्रीमियम सेगमेंट की गाड़ियां लान्च होंगी जुलाई में

नई दिल्ली

चालू महीना भारतीय कार बाजार के लिए काफी हलचल भरा होने वाला है, जहाँ बजट कार से लेकर प्रीमियम सेगमेंट की गाड़ियाँ लान्च होंगी। आटोमोबाइल सेक्टर में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच ग्राहकों को आकर्षक विकल्प मिल रहे हैं, जो डिजाइन, टेक्नोलाजी और सस्टेनेबिलिटी का बेहतरीन काम्बिनेशन पेश करेंगे। इस सूची में सबसे पहले रेनाल्ट क्विड फेसलिफ्ट है, जो जल्द आ रही है। इसे डेसिया स्प्रिंग से प्रेरित शार्पर फ्रंट एंड, वाय-शेप एलईडी डीआरएलएस और नए टेललाइट्स के साथ एक मार्डन एसयूवी-जैसा लुक मिलेगा। इसमें बड़ा 10-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और 6 एयरबैग स्टैंडर्ड मिलेंगे।

यह मौजूदा 1.0-लीटर पेट्रोल इंजन के साथ आएगी और इसकी संभावित कीमत रुपए 4.30 लाख से रुपए 5.88 लाख (एक्स-शोरूम) के बीच रहेगी। इसके बाद, 9 जुलाई को निसान टेकटान एंट्री करेगी।

इसमें निसान पेट्रोल से प्रेरित बोल्ड और मस्कुलर डिजाइन होगा, जिसमें सी-शेप्ड एलईडी लाइट्स और वी-मोशन ग्रिल मुख्य आकर्षण होंगे। इसके इंटीरियर में थ्री-टोन थीम, बड़ा टचस्क्रीन और वेंटिलेटेड सीट्स जैसे फीचर्स मिलने की उम्मीद है। पावरट्रेन में 1.0 लीटर/1.3 लीटर टर्बो-पेट्रोल और संभवत: हाइब्रिड सिस्टम शामिल होंगे, जिसकी संभावित कीमत रुपए 11 लाख से रुपए 18-19 लाख (एक्स-शोरूम) के बीच रहेगी।

लगभग 16 जुलाई को जेएसडब्ल्यू एमजी पीएचईवी एसयूवी आने वाली है। यह वुलिंग स्टारलाइट 560 पर आधारित एक बोल्ड और अपराइट डिजाइन वाली 7-सीटर एसयूवी होगी। इसके इंटीरियर में दो बड़े स्क्रीन्स और प्रीमियम मैटेरियल्स के साथ स्पेशियस केबिन मिलेगा।

इसका पीएचईवी सेटअप 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर के साथ 197 बीएचपी पावर, 100 प्लस किमी ईवी रेंज और कुल 1000+ किमी रेंज देगा। इसकी संभावित कीमत रुपए 20 लाख से शुरू हो सकती है।

मारुति सुजुकी ब्रेज़ा फेसलिफ्ट 23 जुलाई को लान्च होगी। इसमें रिफ्रेश्ड फ्रंट ग्रिल, नए हेडलैंप्स और अपडेटेड बंपर्स के साथ नया लुक आएगा। इंटीरियर में बड़ा 10.1-इंच टचस्क्रीन, रीडिजाइन्ड डैशबोर्ड और वेंटिलेटेड सीट्स मिलेंगी। फीचर्स में 360-डिग्री कैमरा और एडीएएस (संभवत:) शामिल होंगे। पावरट्रेन में नया 1.0 लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन और मौजूदा 1.5 लीटर इंजन व सीएनजी आप्शन भी रहेगा। इसकी संभावित कीमत रुपए 8.5 लाख से रुपए 14-15 लाख (एक्स-शोरूम) के आसपास रहेगी।

अंत में, टोयोटा हाइलक्स का नया जेन माडल भी इस महीने प्रवेश के लिए तैयार है। इसमें शार्पर, एंगुलर और बोल्ड डिजाइन लैंग्वेज होगी, जिसमें स्लिम एलईडी हेडलैंप्स और 17-इंच व्हील्स शामिल हैं। इसका इंटीरियर डुअल 12.3-इंच डिस्प्ले, अडास, 360-कैमरा और वेंटिलेटेड सीट्स के साथ काफी मार्डन होगा। पावरट्रेन में 2.8 लीटर डीजल इंजन (204 पीएस) 6-स्पीड एमटी/एटी और 4डब्ल्यूडी के साथ जारी रहेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत में जापानी जीसीसी का बढ़ता प्रभाव, अर्थव्यवस्था में दिखेगा बड़ा असर: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) के विकास में जापानी उद्यम सबसे बड़े योगदानकर्ता के रूप में उभरे हैं। डेलायट इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, ये केंद्र वित्त वर्ष 2030 तक भारतीय अर्थव्यवस्था में 470 डालर से 600 अरब डालर का भारी-भरकम आर्थिक प्रभाव पैदा कर सकते हैं, साथ ही लाखों उच्च-कौशल वाली नौकरियां भी सृजित करेंगे। इंडियाज स्ट्रेटेजिक जीसीसी प्ले फार जापानी एंटरप्राइजेज रिपोर्ट बताती है कि भारत में पहले से ही 100 से अधिक जापानी जीसीसी स्थापित हैं। डिजिटल और इंजीनियरिंग की बढ़ती मांगों के कारण, ये केंद्र जीडीपी में 2.8 फीसदी तक का योगदान देंगे, जिससे भारत वैश्विक क्षमता नेटवर्क का केंद्र बनेगा। ये जीसीसी अब बैक-आफिस कार्यों से हटकर एआई, क्लाउड और डिजिटल विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में इंजीनियरिंग, डिजिटल परिवर्तन और उत्पाद नवाचार के रणनीतिक केंद्र बन रहे हैं। डेलायट इंडिया के साझेदार रोहन लोबो ने कहा कि भारत और जापान नवाचार पर आधारित आर्थिक सहयोग के नए चरण में हैं। उन्होंने बताया कि भारत, अपने विशाल इंजीनियरिंग प्रतिभा और डिजिटल विशेषज्ञता के साथ, जापान के लिए एक प्रमुख रणनीतिक केंद्र के रूप में उभर रहा है। रिपोर्ट जीसीसी की भूमिका में मौलिक बदलाव पर प्रकाश डालती है, जो बैक-आफिस सहायक कार्यों से बहु-विषयों वाले उत्कृष्टता केंद्रों तक विकसित हो रहा है। यह एंड-अु-एंड उत्पाद विकास, नवाचार और उद्यम लचीलापन को बढ़ावा दे रहा है। भारत के विशाल स्टेम प्रतिभा पूल तक पहुंच के जरिये डिजिटल बदलाव को तेज करने और साथ ही आबादी से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने की जापान की जरूरत इस बदलाव को और मजबूत कर रही है।

गिरावट के बावजूद साप्ताहिक आधार पर 2,780 रुपये तक महंगा हुआ सोना

सर्राफा बाजार में गिरावट से सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 260 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 280 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। चेन्नई में सोने के भाव में 100 रुपये प्रति 10 ग्राम लेकर 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। चांदी के भाव में भी 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,49,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,34,500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,37,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

चांदी के भाव में सांकेतिक कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। सोने के भाव में कमजोरी आने के बावजूद साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में तेजी आई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 2,780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह 22 कैरेट सोने के भाव में साप्ताहिक आधार पर 2,550 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई। चांदी भी उतार चढ़ाव के बावजूद पिछले सप्ताह के कारोबार में महंगा हो गया। इस उछाल के कारण चांदी का भाव साप्ताहिक आधार पर 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,46,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,49,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,37,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,46,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,34,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,34,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

44,467 रजिस्ट्रेशन्स के साथ पहले स्थान पर टीवीएस

नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के पिछले महीने टाप-5 ब्रांड्स ने बाजार का लगभग 82.6प्रतिशत हिस्सा हासिल किया। इसमें ईवी टू-व्हीलर सेगमेंट में टीवीएस का दबदबा लगातार बना हुआ है। टीवीएस मोटर कंपनी ने 44,467 रजिस्ट्रेशन्स के साथ पहला स्थान बनाए रखा, जबकि बजाज आटो, एथर एनर्जी, हीरो विडा और ओला इलेक्ट्रिक ने भी दमदार प्रदर्शन किया। टीवीएस मोटर कंपनी ने जून माह में 44,467 यूनिट रजिस्ट्रेशन कर ईवी टू-व्हीलर बाजार में पहला स्थान हासिल किया है, जो 24.5प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ प्रतिस्पर्धा से अच्छी लीड है। टीवीएस की सफलता का मुख्य कारण उसके आईक्यूब सीरीज का मजबूत प्रदर्शन, बेहतर बैटरी टेक्नोलाजी, लंबी रेंज और विश्वसनीय सर्विस नेटवर्क है। ग्राहक टीवीएस को प्रीमियम फील, स्मूथ परफार्मेंस और कम मेंटेनेंस के लिए पसंद कर रहे हैं। बजाज आटो ने 40,576 रजिस्ट्रेशन्स के साथ दूसरे स्थान पर कब्जा जमाया है, जो 22.4प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करती है। चेतक सीरीज बजाज की सफलता का बड़ा कारण रही है, जिसकी रणनीति किफायती दाम, मजबूत बिल्ड क्वालिटी और अच्छी आफ्टर-सेल्स सर्विस पर आधारित है। एथर एनर्जी ने 29,422 यूनिट्स के रजिस्ट्रेशन कर तीसरा स्थान हासिल किया, जो 16.2प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ प्रीमियम ईवी सेगमेंट में मजबूत पकड़ रखती है। एथर 450एक्स और रिज्टा माडल्स अपने एडवांस्ड फीचर्स, टचस्क्रीन डिस्प्ले और स्मार्ट कनेक्टिविटी के लिए जाने जाते हैं, जो युवा और शहरी ग्राहकों को आकर्षित करते हैं। हीरो मोटोकार्प के सब-ब्रांड विडा ने 20,198 रजिस्ट्रेशन्स के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया। 11.2 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ विडा ने किफायती ईवी सेगमेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। विडा वी1 और वी2 माडल्स की लोकप्रियता उनके दमदार रेंज, आकर्षक डिजाइन और हीरो के विशाल सर्विस नेटवर्क पर आधारित है। ओला इलेक्ट्रिक ने 15,096 रजिस्ट्रेशन्स के साथ पांचवें स्थान पर जगह बनाई, जो 8.3 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ ईवी बाजार में सक्रिय है। ओला की एस1 सीरीज आकर्षक डिजाइन और प्रतिस्पर्धी प्राइसिंग के लिए जानी जाती है, हालांकि कंपनी बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन और नई माडल्स लान्च करने पर फोकस कर रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हाईकोर्ट...

शुरू से ही सवालों के घेरे में रहे। सूत्रों के अनुसार, बैठक में दोनों को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाएगा। इसके बाद ट्रस्ट सदस्य निर्णय लेंगे। बैठक में एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट, दान-पात्रों से प्राप्त राशि की गणना व्यवस्था, मंदिर प्रबंधन से जुड़े प्रस्ताव और वित्त वर्ष 2025-26 के ऑडिट पर भी चर्चा होगी।

फिलहाल ट्रस्ट में 11 नियमित सदस्य हैं, जिनमें नृत्य गोपाल दास, वासुदेवानंद सरस्वती, विश्वप्रसन्नतीर्थ, परमानंद गिरि, गोविंद देव गिरि, कृष्ण मोहन, दिनेंद्र दास और के. परासरन, चंपत राय और अनिल मिश्रा शामिल हैं। ट्रस्टी विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्रा के निधन के बाद से ट्रस्ट में उपाध्यक्ष का पद खाली है। वहीं, चंपत राय और अनिल मिश्रा ने चढ़ावा चोरी विवाद के बाद राम मंदिर ट्रस्ट को अपना इस्तीफा सौंपा है, जिस पर बैठक में अंतिम निर्णय होगा। ट्रस्ट के पदेन सदस्यों में केंद्र सरकार के सचिव प्रशांत लोखंडे, उत्तर प्रदेश सरकार के सचिव संजय प्रसाद, अयोध्या के जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी और प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्रा शामिल हैं।

कहां तक पहुंची चढ़ावा चोरी की जांच?

इस पूरे मामले में फिलहाल दो समानांतर जांच चल रही हैं। एक तरफ एसआईटी प्रशासनिक जांच कर रही है, जिसकी रिपोर्ट सौंपने की अवधि जुलाई के अंत तक बढ़ा दी गई है। वहीं दूसरी ओर ट्रस्ट की शिकायत पर दर्ज एफआईआर के आधार पर अयोध्या पुलिस भी जांच में जुटी है। सूत्रों के मुताबिक चंपत राय, अनिल मिश्रा और विशेष आमंत्रित सदस्य गोपाल राव से एसआईटी और पुलिस दोनों पूछताछ कर चुकी हैं, हालांकि अभी तक इन तीनों के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। राम मंदिर आंदोलन से लेकर मंदिर निर्माण तक चंपत राय ट्रस्ट का सबसे प्रमुख चेहरा रहे हैं। दान व्यवस्था हो, मंदिर निर्माण की प्रगति या मीडिया के सामने ट्रस्ट का पक्ष रखनाहर बड़ी जिम्मेदारी में चंपत राय सबसे आगे रहे। लेकिन अब वही चंपत राय आरोपों के घेरे में हैं।

वीएचपी की बैठक अयोध्या से दिल्ली शिफ्ट

इसी बीच विश्व हिंदू परिषद ने भी बड़ा फैसला लेते हुए अयोध्या में प्रस्तावित अपनी बैठक दिल्ली शिफ्ट कर दी है। वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि हर आरोप की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जांच पूरी होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। अब सबकी नजर सोमवार की बैठक पर है। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि चंपत राय अपनी भूमिका में बने रहेंगे या नहीं, बल्कि यह भी है कि करोड़ों रामभक्तों की आस्था और भरोसे को बनाए रखने के लिए ट्रस्ट आगे क्या कदम उठाता है। अयोध्या की यह बैठक सिर्फ राम मंदिर की व्यवस्था को लेकर नहीं, बल्कि राजनीतिक और धार्मिक लिहाज से भी बेहद अहम मानी जा रही है।

गोविंद गिरी ने ...

इसलिए गोविंद देव गिरी को सामने आकर अपना पक्ष रखना चाहिए, लेकिन उनका अता-पता नहीं नजर आ रहा है। इस मामले में पूरी जिम्मेदारी गोविंद देव गिरी की बनती है।

राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी महाराज ने चढ़ावा चोरी मामले में स्पष्टीकरण जारी किया है। अपनी पहली प्रतिक्रिया के जरिए सफाई देते हुए गिरी ने कहा, ज्यादातर जिम्मेदारियां उनकी नहीं थीं, वे कथा के सिलसिले में बाहर रहते थे और अयोध्या महीने-डेढ़ महीने में ही आते थे।अपने लंबे-चौड़े पत्र के आखिर में उन्होंने लिखा ईश्वर करेंगे तो भगवान श्रीराम की कृपा से सत्य शीघ्र ही प्रकाशित होगा। संदेह के बादल छंटेंगे, अपराधों का अंधकार दूर होगा, भविष्य में पूरी सतर्कता-सावधानी बरती जाएगी। हमारा रामलला का मंदिर पूरे विश्व में आदर्शतम मंदिर हो, ऐसा हमारा प्रयास रहेगा। श्रीराम भक्ति की धारा अखंड बहती रहेगी। सनातन धर्म और मंदिर की कीर्ति को धूमिल करने के प्रयास भगवान सफल नहीं होने देंगे। हमें रामराज्य लाने तक साधना करनी है। धर्म की जय हो। जय श्रीराम!

पुणे की मॉडर्न कॉलोनी में आचार्य गोविंद गिरी महाराज का विशाल बंगला

गोविंद गिरी महाराज का पुणे की मॉडर्न कॉलोनी में विशाल बंगला है। वो जब भी आलंदी या पुणे आते हैं, तो यहीं ठहरते हैं। कई बीघा जमीन पर बने इस बंगले की कीमत इसकी प्राइम लोकेशन के चलते करोड़ों में है। इसके प्रवेश द्वार पर मआचार्य स्वामी गोविंदा गिरी महाराजफ नाम की पट्टिका भी लगी हुई है। फिलहाल बंगले में केवल कर्मचारी मौजूद हैं।

आरोपी कर्मचारी ...

उन्होंने कहा कि मामले की जांच पूरी गंभीरता और निष्पक्षता के साथ की जा रही है।

बदरीनाथ धाम में बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के एक कर्मचारी पर लगे आर्थिक हेराफेरी के आरोपों की जांच शुरू हो गई है। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए समिति ने चार सदस्यीय उच्च स्तरीय जांच समिति गठित की है। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने समिति को एक सप्ताह के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सीसीटीवी की जांच के लिए आंतरिक टीम (विभागीय) भी गठित कर दी गई है।

उत्तराखंड चार धाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत ने बदरीनाथ चढ़ावा प्रकरण पर चिंता व्यक्त की है। महापंचायत ने कहा कि इस तरह की घटना से मंदिर समिति की छवि खराब होने के साथ ही श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हो रही हैं। महापंचायत ने इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की।

चार धाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत के अध्यक्ष सुरेश सेमवाल एवं महासचिव डॉ. बृजेश सती ने संयुक्त बयान में कहा कि एक माह के अंदर बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति अध्यक्ष की ओर से दो जांचों के आदेश दिए गए हैं। इसमें एक जांच का खुलासा अभी तक नहीं हुआ है। इस बीच एक और जांच के आदेश दिए गए हैं। महापंचायत पदाधिकारियों ने कहा कि इस तरह की घटना से करोड़ों सनातन धर्मवालंबियों की भावना आहत हो रही है। इससे गलत संदेश जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व प्रसिद्ध बदरीनाथ और केदारनाथ मंदिर की छवि को धूमिल करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। महापंचायत ने इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए मंदिर समिति को कठोर कदम उठाने का सुझाव दिया।

कांग्रेस ने लगाए कई गंभीर आरोप

बदरीनाथ मंदिर में चढ़ावे के पैसों में हेराफेरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस ने मांग की है कि प्रकरण की जांच पूरी होने तक बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति को भंग किया जाए। प्रदेश सरकार को इस मामले की गंभीरता से निष्पक्ष जांच करवानी चाहिए। नगर कांग्रेस कमेटी ने पत्रकार वार्ता में सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता कमल रतूड़ी ने कहा कि बदरीनाथ व केदारनाथ में लगातार कई मामले सामने आए, लेकिन आज तक कोई भी जांच पूरी नहीं हुई। कमल रतूड़ी ने कहा कि बीकेटीसी के अध्यक्ष पद पर काबिज व्यक्ति पूर्व में कई आरोपों से घिरे हुए हैं इसलिए पूरी बदरीनाथ-केदारनाथ कमेटी को भंग कर निष्पक्ष जांच की जाए।

बाल यौन...

सशुल्क विज्ञापनों से जुड़े हैं, तो कंपनी केवल एक ममध्यस्थफ या थर्ड-पार्टी कंटेंट होने का बहाना बनाकर अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकती। सूत्रों ने कहा, यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो विज्ञापनों के माध्यम से किए गए इस अपराध के लिए उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा, क्योंकि इन विज्ञापनों से प्लेटफॉर्म को राजस्व प्राप्त होता है।

सरकार के नोटिस का जवाब देते हुए मेटा ने रविवार को कहा कि कंपनी विज्ञापनों सहित बाल यौन शोषण सामग्री (को साझा करने या इसे बढ़ावा देने के खिलाफ मजीरो-टॉलरेंसफ नीति रखती है। हालांकि, कंपनी ने यह भी कहा कि वह लगातार उन अपराधियों से लड़ रही है जो उसके 3.5 अरब उपयोगकर्ताओं के बीच छिपकर उसकी पहचान प्रणाली से बचने की कोशिश करते हैं। कंपनी ने दावा किया कि वह उल्लंघन करने वाली सामग्री का पहले से पता लगाने और उसे हटाने के लिए उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का उपयोग करती है और अपराधियों के खिलाफ अपनी सुरक्षा व्यवस्था को लगातार मजबूत कर रही है।

दूसरी ओर, केंद्र सरकार ने डिजिटल इकोसिस्टम में बच्चों की सुरक्षा के लिए सभी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स को ऐसी सामग्री का तुरंत पता लगाने, उसे हटाने और रिपोर्ट करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने तकनीकी कंपनियों को बार-बार चेतावनी दी है कि बाल यौन शोषण सामग्री और अन्य हानिकारक सामग्री पर नकेल कसने में किसी भी तरह की विफलता के गंभीर कानूनी और नियामक परिणाम हो सकते हैं।

आयतुल्ला अली ...

अनुसार सोमवार को तेहरान में मुख्य अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद सात जुलाई को अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रम कुम में आयोजित होंगे। आठ जुलाई को इराक के बगदाद, नजफ और कर्बला में भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे, जहां धार्मिक और राजनीतिक नेता पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि देंगे। इसके बाद उसे प्रमुख शिया धार्मिक स्थलों पर ले जाया जायेगा। आयतुल्ला खामेनेई के सुपुर्द-ए-खाक का कार्यक्रम नौ जुलाई को उत्तर-पूर्वी शहर मशहद स्थित इमाम अली रज़ा दरगाह में होगा, जिसे शिया समुदाय के सबसे पवित्र स्थलों में से एक माना जाता है।

मंदिर की तर्ज...

बाबा श्याम के मंदिर की स्थापत्य शैली की झलक भी दिखाई देगी, जिससे यहां पहुंचते ही श्रद्धालुओं को धार्मिक आस्था का विशेष अनुभव होगा।

वर्तमान में रेल मार्ग से खाटूश्यामजी आने वाले श्रद्धालुओं के लिए रींगस रेलवे स्टेशन ही एकमात्र विकल्प है। यहां से मंदिर की दूरी करीब 16 से 17 किलोमीटर है। खाटूश्याम मेले और विशेष अवसरों पर रींगस स्टेशन पर यात्रियों का भारी दबाव रहता है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार मेले के दौरान प्रतिदिन 2.6 लाख से अधिक श्रद्धालु रींगस स्टेशन पहुंचते हैं। कई बार यह संख्या जयपुर जंक्शन के यात्रीभार से भी अधिक हो जाती है। इसी वजह से रेलवे को 150 से ज्यादा स्पेशल ट्रेनों का संचालन करना पड़ता है। इसी समस्या के स्थायी समाधान के लिए रींगस-खाटूश्याम नई रेल लाइन परियोजना के तहत सुंदरपुरा स्टेशन विकसित किया जा रहा है।

रेलवे स्टेशन से मंदिर के लिए होंगे दो मार्ग

नए स्टेशन के बनने के बाद श्रद्धालुओं को खाटूश्यामजी मंदिर तक पहुंचने के लिए दो प्रमुख मार्ग उपलब्ध होंगे। पहला मार्ग मंडा रोड से होकर सीधे मंदिर तक जाता है, जिसकी दूरी करीब 11 से 12 किलोमीटर है और यह सबसे छोटा रास्ता माना जा रहा है। दूसरा मार्ग पलसाना बाईपास, गोवटी, डूकिया और सांवलपुरा गांवों से होकर मंदिर तक पहुंचेगा, जिसकी लंबाई लगभग 18 से 20 किलोमीटर होगी।

32 करोड़ रुपए होंगे खर्च

करीब 32 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस स्टेशन पर आधुनिक यात्री सुविधाएं विकसित की जाएंगी। यहां डबल ट्रैक, दो प्लेटफॉर्म, विशाल वेटिंग हॉल, टिकट बुकिंग एवं रिजर्वेशन काउंटर, क्लॉक रूम और बड़ी पार्किंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। स्टेशन का निर्माण 17.49 किलोमीटर लंबी रींगस-खाटूश्याम नई रेल लाइन परियोजना के तहत किया जाएगा। यह परियोजना केवल श्रद्धालुओं की सुविधा तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि आसपास के गांवों के विकास में भी अहम भूमिका निभाएगी।

रेलवे बोर्ड ने वर्ष 2023-24 में रींगस-खाटूश्याम नई रेल लाइन परियोजना को मंजूरी दी थी। सर्वे और डीपीआर का कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। इससे पहले खाटूश्याम जी में ही ये रेलवे स्टेशन बनाना था लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध के कारण ऐसा नहीं हो सका। श्याम भक्तों की लगातार मांग के बाद अब इस रेलवे स्टेशन को खाटूश्याम जी से 11 किलोमीटर दूर बनाने का फैसला किया गया है। जानकारी के अनुसार, अगले 10 से 12 महीनों में आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर परियोजना को आगे बढ़ाया जाएगा और स्टेशन निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा।

मुझे रोकना...

ममता का साथ छोड़कर अलग हुए बागी विधायक और सांसद फिलहाल भाजपा में शामिल नहीं हुए हैं। 3 जून को टीएमसी के 80 में से 58 विधायक ममता बनर्जी के नेतृत्व से अलग हो गए थे। उन्होंने अलग गुट बनाया, पार्टी सिंबल और नाम पर दावा किया।

इसके अलावा 15 जून को टीएमसी के 20 सांसदों ने भी पार्टी छोड़कर त्रिपुरा की नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी में विलय कर लिया था।

ममता बोलीं- जिस पार्टी के दम पर चुनाव जीते, अब उसी से गद्दारी कर रहे

पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि जिन नेताओं ने उनके पार्टी सिंबल पर चुनाव जीता, वही अब कह रहे हैं कि 2023 के बाद पार्टी का अस्तित्व नहीं रहा। पार्टी ने ही उन्हें राजनीतिक पहचान दी, लेकिन अब वे उसी पार्टी के साथ विश्वासघात कर रहे हैं और खुले तौर पर भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। अगर हिम्मत है तो खुलकर भाजपा में शामिल हो जाइए।

कुछ लोगों ने केंद्रीय बलों की मदद से तृणमूल भवन पर कब्जा कर लिया। भवन का किराया अक्टूबर 2027 तक जमा है और पार्टी हर महीने एक लाख रुपए किराया देती है। यह किसी व्यक्ति की संपत्ति नहीं, बल्कि ममां, माटी, मानुषफ की संपत्ति है। इमारत पर कब्जा किया जा सकता है, लेकिन लोगों के दिलों पर नहीं।

भाजपा ने वोट, वोटर लिस्ट और काउंटिंग प्रक्रिया को प्रभावित कर सत्ता हासिल की है। केंद्रीय बलों की मदद से मतगणना केंद्रों पर कब्जा किया गया और पूरी प्रक्रिया को हाईजैक किया गया। इसके बावजूद हमने नई सरकार को स्वीकार किया है।

बंगाल चुनाव में हार के बाद बागी गुट ने ऋतब्रत को नेता चुना

3 जून को टीएमसी में पहली बार बगावत की खबर सामने आई थी। टीएमसी के 80 में से 58 बागी विधायकों ने पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुना था। विधानसभा स्पीकर रथींद्र बोस को समर्थन पत्र दिया था।इसमें मांग की गई थी कि ऋतब्रत को नेता विपक्ष घोषित किया जाए। स्पीकर ने मंजूरी दे दी थी। 22 जून को हुई प्रतिनिधि बैठक में नए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और 30 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन किया गया था।टीएमसी के पास कुल 28 लोकसभा सांसद थे, जिसमें से 20 अलग हो गए हैं। अब लोकसभा में ममता के पास सिर्फ 8 सांसद बचे हैं। राज्यसभा की बात करें तो 13 में से 4 सांसद इस्तीफा दे चुके हैं यानी सिर्फ 9 राज्यसभा सांसद बचे हैं।विधानसभा की बात करें तो टीएमसी ने इस बार के चुनाव में 80 सीटें जीती थीं। इसमें से 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। ममता के पास सिर्फ 22 विधायक बचे हैं।बागी गुट के 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 2 जुलाई को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिलकर खुद को असली ढचउ के रूप में मान्यता देने की मांग की थी। उन्होंने चुनाव आयोग को पार्टी में हुए संगठनात्मक बदलावों और नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की जानकारी दी थी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 06 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 169वां नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर संपन्न

हैदराबाद, 5 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो):

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा, श्री राम नवमी स्वागत मंच के सहयोग से जुमेरात बाजार स्थित सरकारी हाई स्कूल में 169वें नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के सैकड़ों जरूरतमंद लोगों ने अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस विशाल शिविर में कुल 346 लोगों ने विभिन्न प्रकार की चिकित्सा सेवाओं का लाभ लिया। शिविर में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल के सौजन्य से कार्डियोलॉजी, हड्डी रोग विशेषज्ञ, ईसीजी , 2डी इको, बीएमडी, बी.पी. जांच और आरबीएस की सेवाएं प्रदान की गईं। चिकित्सा टीम में डॉ. दिव्या, डॉ. मबरूर सहित नर्सिंग स्टाफ संगीता, निकिता, मल्लेश्वरी, अनुषा, भानु, संजना और विपणन विभाग के जगदीश कुमार व उदय कुमार ने सक्रिय योगदान दिया।

इसके साथ ही, सामान्य स्वास्थ्य जांच के लिए डॉ. अखिल क्लिनिक (पुरनदास रणछोड़दास) के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल सुगंधी ने अपनी सेवाएं दीं। बजाज फिजियो केयर की डॉ. सुनीता द्वारा फिजियोथेरेपी और एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. निखिल राज द्वारा दांतों की नि:शुल्क जांच की गई। श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति ड्रा शिविर में एक सकलांग तथा एक डायलिसिस की सेवा भी प्रदान की गई।

शिविर में आंखों की जांच के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल (दोमलगुडा) के नेत्र विशेषज्ञ के. विजयलक्ष्मी, वी. राजू, शुभम रॉय, के. भास्कर, पी. साई और कैंप प्रभारी किरण ने अपनी सेवाएं देते हुए कुल 159 रोगियों के नेत्रों का परीक्षण किया। जांच के उपरांत 114 पात्र लोगों को नि:शुल्क चश्मे वितरित किए गए, जबकि 4 गंभीर मरीजों के लिए मोतियाबिंद के नि:शुल्क ऑपरेशन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

इस परोपकारी कार्य में स्थानीय नेत-ाओं और गणमान्य हस्तियों ने उपस्थित रहकर आयोजन की सराहना की। शिविर के मुख्य संयोजकों व अग्रवाल सेवा दल के सदस्यों में प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल और निखिल राणासरिया शामिल रहे।

शिविर को सफल बनाने में स्थानीय भागीदार श्री राम नवमी स्वागत मंच एवं गोशामहल डिवीजन के पूर्व पार्षद लाल सिंह, भाजपा अध्यक्ष (गोलकोंडा जिला) उमा महेन्द्र, मत्स्य पालन विभाग के चेयरमैन मित्तू साई, लोध समाज के पूर्व अध्यक्ष रामराज सिंह, भाजपा नेता कमल सिंह, भाजपा नेता नरहरि, गोलकुंडा जिला भाजपा अध्यक्ष एवं मीडिया सचिव नटराज नामधारी, तेलंगाना सामाजिक संयोजक विपिन रावत, अधिवक्ता अरविन्द सिंह, दिनेश सिंह हजारी, मुरली कृष्ण, प्रदीप सिंह, के. कैलाश सिंह, रोहित जौहरी, अक्षय साहू और एम. किशन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इसके अतिरिक्त कांग्रेस नेता श्याम सिंह, कांग्रेस नेता महावीर सिंह, बबलू सिंह, राम नारायण यादव, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष वेंकटेश गौड़ सहित समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव और पित्ती लैमिनेशंस के सदस्यों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में स्वयंसेवक के रूप में सतीश गर्ग, पवन भुवानिया, सुमन भुवानिया, सुनयना नरसरिया, पद्मजा, नंदिनी, बी. शांता देवी और शेख फ़रीद ने अपनी सेवाएं देकर शिविर को सुचारू रूप से संपन्न कराया।

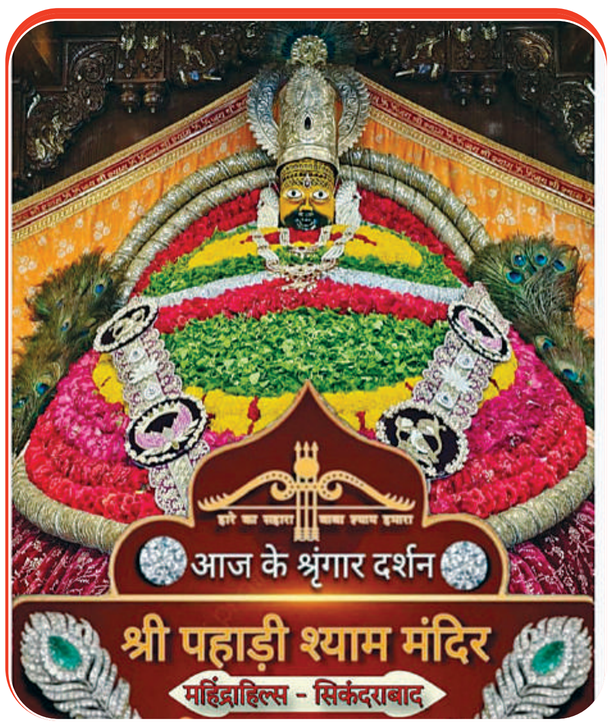

फिलखाना स्थित हरिबोल काम्प्लेक्स पर वाकुला होम डेकोरेटर के उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित रामदेव नागला, श्याम सुन्दर उपाध्याय, पुरषोत्तम तिवारी, गिरीराज कन्दोई,अनुज सिंह, किरण व्यास, कान्ता जायलवाल, वंदना कंदोई, रामनिवास, संजय, राधा, वल्लभ व्यास व अन्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज रेनबो विस्ता शाखा की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 5 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): अग्रवाल समाज रेनबो विस्ता शाखा की वार्षिक साधारण सभा का भव्य आयोजन रविवार, 5 जुलाई 2026 को लीलाक हॉल में किया गया। शाखा के मानद मंत्री पवन सिंगला द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम की शुरुआत में सभा में पधारे सभी सदस्यों और उनके परिवारों ने मिलकर अल्पाहार का आनंद लिया, जिसके बाद विधिवत रूप से सभा की कार्यवाही का संचालन किया गया।

दीप प्रज्वलन से शुरुआत और आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत

सभा का शुभारंभ करते हुए शाखा अध्यक्ष दीपक गोयल ने उपस्थित सभी सदस्यों का आत्मीय स्वागत किया। इसके पश्चात सदन में मौजूद वरिष्ठ सदस्य राजेश अग्रवाल एवं अरुण केडिया ने पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलित कर कुलपिता महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना की।

सभा की मुख्य कार्यवाही के दौरान मानद मंत्री पवन सिंगला ने पिछले वर्ष के दौरान आयोजित किए गए सभी कार्यक्रमों और रचनात्मक गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट सदन के सामने रखी। इसके साथ ही, कोषाध्यक्ष तुषार गुप्ता ने वर्ष 2025-26 के आय-व्यय का लेखा-जोखा (विवरण) प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित (पास) किया। तत्-पश्चात उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने आगामी सत्र में आयोजित होने वाले भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा से सभा को अवगत कराया।

केंद्रीय समिति ने थपथपाई पीठ, नारी शक्ति की रही गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर केंद्रीय समिति के सदस्य विनोद अग्रवाल ने वर्ष भर बेहतरीन और जनोपयोगी कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कार्यकारिणी की पीठ थपथपाई और बधाई दी। उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों का मनोबल बढ़ाते हुए उम्मीद जताई कि आगे भी सभी सदस्य इसी प्रकार मिलजुल कर समाज हित में और भी शानदार कार्यक्रमों का आयोजन करते रहेंगे।

समाज के गणमान्य जन और स्वयंसेवक रहे मौजूद

इस महत्वपूर्ण वार्षिक बैठक में शाखा परामर्शदाता विपिन सिंघानिया, कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र कुमार अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, राहुल सिंघल और डॉ. दुर्गेश सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में नारी शक्ति की ओर से किरण गोयल, मीरा अग्रवाल, सुधा केडिया, रितु गोयल, नीरजा तालुका और शिल्पी अग्रवाल आदि ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। सभा के सफल समापन पर सह मंत्री आकाशदीप तालुका ने उपस्थित सभी अतिथियों, सदस्यों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

भाजपा घांसी बाज़ार डिवीज़न का एसआईआर फ़ॉर्म सहायता अभियान सफल

रतन वाटिका कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों ने लिया लाभ

स्वयंसेवकों के सहयोग और विशेष अतिथि की उपस्थिति से बढ़ा उत्साह

हैदराबाद, 05 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा घांसी बाज़ार डिवीज़न के तत्वावधान में रतन वाटिका कॉम्प्लेक्स, मिट्टी का शेर में एसआईआर फ़ॉर्म सहायता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को एसआईआर फ़ॉर्म भरने एवं उससे संबंधित प्रक्रिया में आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान करना था। आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुँचकर सहायता का लाभ उठाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वयंसेवकों ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। स्वयंसेवकों में प्यारेसानी वेंकटेश, पवन मिश्रा, नरेश अवस्थी, आकाश अग्रवाल, मुकेश, बरखा वर्मा, अनिल बजाज, सरिता गर्ग सहित अन्य कार्यकर्ता पूरे समय कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहे। सभी ने नागरिकों को एसआईआर फ़ॉर्म भरने में सहायता प्रदान करते हुए आयोजन को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कार्यक्रम में आदिलाबाद एवं निज़ामाबाद ज़िला प्रभारी श्री श्रीनिवास जी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनकी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम में शामिल कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवकों का उत्साह और मनोबल बढ़ा। उन्होंने जनसेवा के ऐसे आयोजनों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सहायता शिविर आम नागरिकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं।

आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी नागरिकों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवकों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक सहयोग, समर्पण और सेवा भावना के कारण यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

तेलंगाना में अलग-अलग सड़क हादसों में 4 लोगों की मौत, 11 घायल

हैदराबाद, 05 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में दो अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए।

पहले हादसे में, नलगोंडा जिले में सुबह-सुबह एक प्राइवेट ट्रैवल बस की कार से टक्कर हो गई, जिसमें आठ साल के बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा चिट्याला मंडल के पेड्डाकापार्थी के पास हुआ, जब हैदराबाद जा रही कार को एक प्राइवेट ट्रैवल बस ने टक्कर मार दी। कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे इलाज के लिए नलगोंडा के सरकारी जनरल अस्पताल ले जाया गया। एक अन्य घटना में, रविवार सुबह जोगुलम्बा गडवाल जिले में मानवपाडु स्टेज के पास नेशनल हाईवे पर एक प्राइवेट ट्रैवल बस के पलट जाने से दस यात्री घायल हो गए। हिंदूपुर से हैदराबाद जा रही मॉर्निंग स्टार प्राइवेट ट्रैवल बस कथित तौर पर एक लॉरी के पिछले हिस्से से टकरा गई। चालक का गाड़ी पर से नियंत्रण हट गया, जिससे बस पलट गई। हादसे के समय बस में करीब 22 यात्री सवार थे। घायलों को इलाज के लिए कुरनूल के सरकारी जनरल अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने दोनों घटनाओं में अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं और हादसों के कारणों की जांच कर रही है।

सेवा, समर्पण और मानवता की सशक्त पहचान बना राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद : पाबूराम कुमावत

हैदराबाद, 05 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास रविवार को नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और सेवा भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया तथा सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं ने मानव सेवा को अपना सर्वोच्च दायित्व बताते हुए समाजहित में निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर समाजसेवी पाबूराम कुमावत ने अपने प्रेरणादायी विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद आज सेवा, समर्पण, सहयोग और मानवता का जीवंत उदाहरण बन चुका है। उन्होंने कहा कि बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंद लोगों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है। कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबूराम कुमावत, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, मनीष चिंडालिया, गोपाल गोयल, जगन गुप्ता, सुरेश सिंघल, उषा सिंघल, अनिता गुप्ता एवं सोहनलाल दायमा सहित अनेक सेवा-भावी कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने नियमित रूप से अन्नदान एवं जनसेवा के कार्यों को और अधिक व्यापक रूप से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया तथा कहा कि राधे-राधे ग्रुप भविष्य में भी इसी समर्पण और निष्ठा के साथ मानव सेवा के कार्य करता रहेगा।

हैदराबाद में बेहतर मानसून तैयारियों और वर्षा जल संचयन की जरूरत : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 05 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने यहां मानसून की बेहतर तैयारियों, पर्यावरण संरक्षण और वर्षा जल संचयन की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने रविवार को नामपल्ली विधानसभा क्षेत्र के कई पार्कों में ओपन जिम का उद्घाटन किया और सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र के तहत आने वाले इस विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों का दौरा करने के बाद कहा कि देश के विकास में योगदान देने के लिए नागरिकों को फिट और स्वस्थ बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फिट इंडिया, हेल्दी इंडिया विजन के तहत इन ओपन जिमों की शुरुआत की गयी है। शहर में मानसून की तैयारियों पर चिंता जताते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार वृहत हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) सीमा के भीतर पौधरोपण, नालों की गाद निकालने और पाइपलाइनों की सफाई जैसे मानसून-पूर्व के जरूरी काम कराने में पूरी तरह नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि अब तो हल्की बारिश में ही हैदराबाद की सड़कें पानी से भर जाती हैं, जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। केंद्रीय मंत्री ने पिछली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार और मौजूदा कांग्रेस सरकार दोनों पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि हैदराबाद को लंदन या सिंगापुर की तर्ज पर विश्व स्तरीय शहर बनाने के बड़े-बड़े वादों के बावजूद पिछले कई वर्षों में जमीनी स्तर पर कोई खास काम नहीं हुआ है। बदलते मौसम के बीच जल संरक्षण की अहमियत बताते हुए श्री रेड्डी ने कहा कि लगातार गिरते भूजल स्तर को सुधारने और पानी के स्रोतों को बचाये रखने के लिए बारिश की एक-एक बूंद को सहेजना बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि अपार्टमेंट कल्चर और अंधाधुंध निर्माण के कारण हैदराबाद कंक्रीट के जंगल में तब्दील होता जा रहा है। इसी वजह से शहर का तापमान बढ़ रहा है। उन्होंने हरियाली बढ़ाने और जल संरक्षण के जरिये पर्यावरण को बचाने के लिए तुरंत कदम उठाने की अपील की। जून महीने में सामान्य से बेहद कम बारिश होने की रिपोर्टों का हवाला देते हुए उन्होंने आम लोगों से पानी का सोच-समझकर इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोग अपने घरों और पार्कों में वॉटर हार्वेस्टिंग पिट बनवाएं, ताकि बारिश का पानी मूसी नदी में बहकर बर्बाद होने के बजाय सीधे जमीन के नीचे जाए और भूजल स्तर बढ़े।

एनएमडीसी हेरिटेज रन 2026 संपन्न

हैदराबाद, 4 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो):
एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन 2026 के 15वें संस्करण की तैयारियों के तहत रविवार सुबह तारामाती बारादरी में एनएमडीसी हेरिटेज रन 2026 का शानदार आयोजन किया गया। एनएमडीसी लिमिटेड द्वारा हैदराबाद रनर्स सोसाइटी के सहयोग से आयोजित इस दौड़ ने न केवल अनुभवी धावकों का हौसला बढ़ाया, बल्कि पहली बार भाग लेने वाले लोगों को भी अपनी फिटनेस यात्रा शुरू करने के लिए प्रेरित किया।

इस ऊर्जावान दौड़ को एनएमडीसी लिमिटेड के निदेशक (कार्मिक) श्री कृष्ण कुमार ठाकुर ने रेस डायरेक्टर श्री राजेश वेत्चा, कोषाध्यक्ष श्री आशीष भोजानिया और संयुक्त कोषाध्यक्ष श्री अनिल कुप्पा की गरिमामयी उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती को समर्पित एक ऊर्जा से भरपूर सुबह की शुरुआत हुई। इस आयोजन को लेकर हैदराबाद भर के धावकों और एनएमडीसी के कर्मचारियों में भारी उत्साह देखा गया। सभी ने एक साथ आकर फिटनेस, सामुदायिक भावना और एक सक्रिय जीवन शैली का जश्न मनाया।

धावकों की विभिन्न क्षमताओं और तैयारियों को ध्यान में रखते हुए इस हेरिटेज रन को चार श्रेणियों में आयोजित किया गया था- 24 किलोमीटर , 18 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर।

यह आयोजन एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन 2026 के लिए एक मुख्य प्रशिक्षण (की-ट्रेनिंग) रन के रूप में बेहद मददगार साबित हुआ, जिसने प्रतिभागियों को शहर के जीवंत रनिंग समुदाय के साथ जुड़कर अपनी शारीरिक सहनशक्ति बढ़ाने का बेहतरीन मंच प्रदान किया।

इस अवसर पर बोलते हुए एनएमडीसी लिमिटेड के निदेशक (कार्मिक) श्री कृष्ण कुमार ठाकुर ने अपने कर्मचारियों और हैदराबाद के नागरिकों के बीच फिटनेस और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए एनएमडीसी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने रेखांकित किया कि हेरिटेज रन खेल के माध्यम से सामुदायिक जुड़ाव को मजबूत करते हुए स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करने के एनएमडीसी के दृष्टिकोण को दर्शाता है।

बता दें कि मुख्य एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन 2026 का आयोजन आगामी 29 और 30 अगस्त 2026 को किया जाएगा। इस ऐतिहासिक मैराथन में भारत और विदेशों से हजारों धावक हैदराबाद के अनूठे उत्साह, दृढ़ संकल्प और सहनशक्ति का जश्न मनाने के लिए एक साथ जुटेंगे।

अग्रवाल समाज घांसीबाजार झूला शाखा का सिल्वर जुबली उत्सव 16 अगस्त को, तैयारियाँ शुरू

हैदराबाद, 5 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो):
अग्रवाल समाज तेलंगाना घांसीबाजार झूला शाखा की एक महत्वपूर्ण सभा आज शाखाध्यक्ष अनिल धरसूवाला की अध्यक्षता में श्री राणी सती दादी मंदिर में संपन्न हुई। यह बैठक शाखा की स्थापना के गौरवमयी 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले मसिल्वर जुबली (रजत जयंती) कार्यक्रमफ की रूपरेखा और तैयारियों को लेकर बुलाई गई थी। सभा का समापन शिव भगवान अग्रवाल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

क्लासिक गार्डन में सजेगी रजत जयंती की महफिल

सिल्वर जुबली कार्यक्रम के प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह भव्य आयोजन आगामी 16 अगस्त, रविवार को सायं 6:00 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक क्लासिक गार्डन (बालमराई, सिकंदराबाद) में किया जाएगा। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के स्थल प्रायोजक अमरलाल श्रीकिशन अग्रवाल होंगे।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में सायं 6:00 से रात्रि 8:00 बजे तक मम्यूजिकल तंबोलाफ का आयोजन किया जाएगा। इसमें केवल घासी बाजार झूला शाखा के सदस्य एवं प्रायोजकगण ही सह-परिवार भाग ले सकेंगे। शाखा के प्रत्येक परिवार को निर्धारित सहयोग राशि देने पर मात्र एक तंबोला टिकट दी जाएगी। इसके लिए सदस्यों का सदस्यता शुल्क 1 अगस्त से पूर्व जमा होना अनिवार्य है। टिकटें सीमित हैं, जो मपहले आओ-पहले पाओफ के आधार पर वितरित की जाएंगी। खेल के दौरान सभी के लिए टेबल पर ही अल्पहार की सेवा उपलब्ध रहेगी।

बंपर पुरस्कारों की बौछार और दानदाताओं का सहयोग

म्यूजिकल तंबोला के विजेताओं के लिए बेहद आकर्षक और कीमती बंपर पुरस्कारों की व्यवस्था की गई है। पुरस्कारों में मुख्य रूप से दो 55-इंच एलईडी स्मार्ट टीवी, एक 32-इंच एलईडी स्मार्ट टीवी, 220 लीटर डबल डोर पैनल, 1.5 टन एसी, 7 लीटर वाशिंग मशीन, 25 लीटर ओवन, एयर फ्रायर, 725 वाट ग्राइंडर मिक्सर, वाटर डिस्पेंसर (विथ फ्रिज) और गारमेंट स्टीमर आयरन मशीन आदि शामिल हैं। इन सभी शानदार उपहारों के प्रायोजक अजीत गुप्ता, दुर्गाप्रसाद नरेठा, आर. एन. गुप्ता, गोविंद अग्रवाल, सत्यम अग्रवाल, सुनील कुमार अग्रवाल एवं विपिन अग्रवाल हैं।

पूर्व व वर्तमान पदाधिकारियों का होगा भव्य सम्मान

शशिकांत अग्रवाल ने बताया कि तंबोला के बाद सायं 8:00 बजे से मुख्य सम्मान समारोह आयोजित होगा। इसके अंतर्गत आमंत्रित अतिथियों का सम्मान किया जाएगा। साथ ही घासी बाजार शाखा एवं केंद्रीय समिति की स्थापना से लेकर अब तक अपनी सेवाएं दे चुके सभी पूर्व व वर्तमान पदाधिकारियों को भी सम्मानित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने के लिए अग्रवाल समाज की वर्तमान में सक्रिय सभी शाखाओं के पदाधिकारियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश गोयल (प्रभुदयाल पंच परिवार वाले) होंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सुनील कुमार पाटोदिया एवं जगत नारायण अग्रवाल उपस्थित रहेंगे, जिनके प्रति संघ ने आभार प्रकट किया है।

रात्री 9:00 बजे से सभी आगंतुकों के मनोरंजन के लिए एक विशेष सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत होगी। इसके तहत सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा रंगीन रोशनियों और विशाल एलईडी स्क्रीन के साथ मम्यूजिकल नाइट एवं डीजे कार्यक्रमफ का आयोजन किया जाएगा।

इसमें देश-विदेश में अपनी गायकी का लोहा मनवा चुकीं मुंबई की सुप्रसिद्ध फिल्मी पाशर्व गायिका गुल सक्सेना, हैदराबाद के जाने-माने म्यूजिक डायरेक्टर महावीर उपाध्याय के साथ अपने सुरों का जादू बिखेरेंगी। कार्यक्रम के अंत में सभी के लिए सुरुचिपूर्ण रात्रि भोज की व्यवस्था रहेगी।

प्रधान संयोजक ने बताया कि यदि किसी भी अग्र बंधु को तंबोला टिकट या कार्यक्रम से जुड़ी कोई अन्य जानकारी चाहिए, तो वे शाखा के किसी भी पदाधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

इस महत्वपूर्ण बैठक के अवसर पर प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल, अध्यक्ष अनिल धरसूवाला, उपाध्यक्ष शिव भगवान अग्रवाल, मानद मंत्री मनोज मित्तल, सह मंत्री मनोज पचेरीवाला, कोषाध्यक्ष अशोक सौलाना वाला, निवर्तमान अध्यक्ष गोविंद पचेरिया, केंद्रीय समिति सदस्य राकेश पचेरीया, सज्जन अग्रवाल बॉयवाला, नारायण दास बलौदा वाले सहित महिला समिति की प्रधान संयोजिका शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल, मीनू गर्ग, राधा अग्रवाल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा 16 को

श्री जगन्नाथ मठ में अन्नप्रसाद एवं गौसेवा संपन्न

हैदराबाद, 5 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): सीताराम बाग स्थित ऐतिहासिक श्री जगन्नाथ स्वामी मठ में वृद्धाश्रम वासियों एवं बटुक ब्राह्मणों के लिए अन्न प्रसाद तथा विशेष गौसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मठ के महंत अच्युत रामानुजाचार्य द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रविवार, 5 जुलाई 2026 को मश्री गुजराती ब्राह्मण समाज हैदराबाद-सिकंदराबादफ के सहयोग से यह पुनीत कार्य संपन्न हुआ। इसके तहत मठ के वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों व बटुक ब्राह्मणों को आदरपूर्वक भोजन कराया गया तथा मठ की गौशाला में गायों के लिए गौ-ग्रास (चारा) का सहयोग दिया गया।

इस परोपकारी कार्यक्रम में मुख्य रूप से मलव फोर काऊ फाउंडेशनफ के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार एवं मश्री गुजराती सेवा मंडल सिकंदराबादफ के मानद मंत्री जनकभाई ब्रह्मभट्ट ने उपस्थित होकर अपनी सेवाएं दीं। अवसर पर श्री गुजराती ब्राह्मण समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद के अध्यक्ष तरुण मेहता, मंत्री अजय ओझा, मिश्री ओझा, कृतार्थ ब्रह्मभट्ट, डॉ. आलोक शुक्ला और विनोदकुमार पांडेय आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

महंत अच्युत रामानुजाचार्य ने इस पुनीत कार्य के लिए श्री गुजराती ब्राह्मण समाज के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया तथा मठ प्रबंधन की ओर से पधारे हुए सभी अतिथियों व भक्तों का गर्मजोशी से अभिनंदन किया।

महंत अच्युत रामानुजाचार्य ने उपस्थित भक्तों को आगामी धार्मिक आयोजनों की जानकारी देते हुए बताया कि श्री जगन्नाथ मठ (माधवदास झीरा) के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री श्री श्री त्रिदण्डी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी के पावन आशीर्वाद एवं प्रेरणा से भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा आगामी 16 जुलाई 2026, गुरुवार को निकाली जाएगी।उन्होंने बताया कि गुरुवार, 16 जुलाई को प्रातः शुभ मुहूर्त में भगवान को विशेष भोग लगाया जाएगा और विधि-विधान से महापूजा की जाएगी। इसके पश्चात प्रभु को दिव्य रथ में विराजमान किया जाएगा। तत्पश्चात, सायं गोधूलि वेला में भगवान जगन्नाथ की भव्य नगर भ्रमण रथयात्रा का शुभारंभ होगा। महंत जी ने सभी भक्तों से इस दिव्य महोत्सव में शामिल होकर पुण्य लाभ कमाने की अपील की है।

ओवैसी ने सीएम से गुड्डीमलकापुर मार्केट को दूसरी जगह ले जाने की योजना छोड़ने की अपील की

हैदराबाद, 05 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से गुडीमलकापुर सब्जी और फूल मंडी को रंगारेड्डी जिले के अजीजनगर में स्थानांतरित करने की प्रस्तावित योजना को तत्काल रोकने की अपील की।

श्री ओवैसी ने सोशल मीडिया पर गुडीमलकापुर मार्केट के दक्षिण और पश्चिम हैदराबाद के लोगों की जरूरतों को पूरा करने की बात करते हुए कहा कि इसे अजीजनगर स्थानांतरित करने से लगभग 10,000 परिवारों की रोजी-रोटी प्रभावित होगी। उन्होंने मार्केट कमेटी के अध्यक्ष पर बिना किसी ठोस वजह के मार्केट को दूसरी जगह ले जाने की कोशिश का आरोप लगाते हुए कहा कि यह प्रस्ताव मार्केट अधिनियम, 1966 के नियमों के खिलाफ है।हैदराबाद के सांसद ने याद दिलाया कि इससे पहले 1991 में इस मार्केट को कारवान की सब्जी मंडी से गुडीमलकापुर स्थानांतरित किया गया था। श्री ओवैसी ने पिछले दो सालों में दक्षिण और पश्चिम हैदराबाद से कई सरकारी कार्यालयों के पहले ही स्थानांतरित करने की बात कही। उन्होंने तर्क देते हुए कहा कि मार्केट को दूसरी जगह ले जाना इस इलाके के साथ अन्याय होगा और वहां के निवासियों के बीच गलत संदेश जाएगा।

मनुष्य जन्म अत्यंत दुर्लभ, इसे व्यर्थ न गंवाएं: गौरव मुनि म.सा.

हैदराबाद, 5 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): श्री जैन श्रावक संघ, कोरा सिख विलेज, सिकंदराबाद में चातुर्मासार्थ विराजित कर्णाटक गजकेसरी तपस्वीराज परम पूज्य गुरुदेव श्री गणेशलालजी म.सा. के पौत्र शिष्य एवं दक्षिण उपकारी घोर तपस्वी पूज्य गुरुदेव श्री मिश्रीलालजी म.सा. के सुशिष्य, श्रमण संघीय आचार्य प्रवर डॉ. पूज्य श्री शिवमुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती, श्रमण संघीय मौनसाधक पूज्य श्री सौरव मुनिजी म.सा., उपप्रवर्तक पूज्य श्री गौरवमुनिजी म.सा., पूज्य श्री शालीभद्रमुनिजी म.सा., पूज्य श्री सार्थकमुनिजी म.सा. एवं पूज्य श्री माहिरमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 5 के सानिध्य में आनंद कोरा भवन में भव्य धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुआ। सुबह 9 से 10 बजे तक नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप किया गया, जिसके तत्पश्चात 10 से 11 बजे तक आयोजित मंगल प्रवचन सभा में भारी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने उपस्थिति दर्ज कराई।

सामायिक से होती है पापों से मुक्ति

श्री जैन श्रावक संघ कोरा के मंत्री अनिल तातेड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि धर्मसभा को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक पूज्य गुरुदेव श्री गौरव मुनि जी महाराज साहब ने कहा कि मनुष्य जन्म बहुत ही पुण्यवाणी और दुर्लभता से मिलता है। इसे हमें ऐसे ही व्यर्थ में नहीं गंवाना चाहिए, बल्कि समय रहते धर्म और पुण्य के कार्यों में बिताना चाहिए।

इसके बाद पूज्य श्री शालीभद्र जी म.सा. ने समय और सामायिक का महत्व समझाते हुए कहा कि जब हम 48 मिनट की सामायिक करते हैं, तब पूरी दुनिया की मोह-माया को भूलकर समस्त पापों से मुक्त हो जाते हैं। यही वह समय है जब हम वास्तविक पुण्य कमा सकते हैं।

गुरुदेव ने धर्मसभा में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे दिनभर में कम से कम एक घंटा निकालकर एक सामायिक अवश्य करें।

टेलीफोन डायरेक्टरी के फॉर्म का विमोचन और विहार सेवकों का सम्मान

इस पावन अवसर पर श्री जैन श्रावक संघ कोरा द्वारा तैयार की जा रही मटेलीफोन डायरेक्टरीफ के फॉर्म का विमोचन संघ के पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

इसके साथ ही, साधु-संतों के विहार में निरंतर सेवाएं देने वाले कार्यकर्ताओं (विहार सेवकों) को शर्ट भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस विमोचन कार्यक्रम में संघपति जैन रत्न संपत राज कोठारी, मंगल चंद कटारिया, गौतम रूनवाल, गौतम चन्द श्रीश्रीमाल, गौतम मुथा, महावीर कटारिया, गौतम सुखानी, सज्जन समदरिया, पारस सुखानी, संजय कटारिया, सूर्य प्रकाश नाभारिया, निहालचंद मोदी, अनिल तातेड़, महावीर बोहरा, नरेंद्र मांडोत, भारत मेहता, नीरज जैन, दीपक संचेती सहित संघ के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

मंच का कुशल संचालन करते हुए महामंत्री गौतमचंद मूथा ने गुरुदेव गौरव मुनि म.सा. द्वारा किए गए चार उपवास के उपलक्ष्य में श्री संघ की ओर से उनकी सुख-साता पूछते हुए मंगल कामनाएं कीं। उन्होंने सूचित किया कि गुरुदेव का अगला विहार कल वेस्ट मैरेडपल्ली की ओर होगा।

महामंत्री गौतम मुथा ने यह भी घोषणा की कि आयंबिल आराधिका आगम सी जी म.सा. आदि ठाण 2 का आनंद भवन कोरा में मचातुर्मास मंगल प्रवेशफ आगामी 17 जुलाई को होने जा रहा है, जिसमें उन्होंने सभी से अधिक से अधिक संख्या में पधारने की विनती की।

इसी क्रम में श्री जैन श्रावक संघ सिकंदराबाद के महामंत्री विजय डूंगरवाल ने भी समाजजनों से निवेदन किया कि गुरुदेव का चातुर्मास मंगल प्रवेश 16 जुलाई को सिकंदराबाद स्थानक में होने जा रहा है, अतः इस पावन प्रसंग पर सभी श्रद्धालु बढ़-चढ़कर हिस्सा लें।

संघपति ने जताया आभार, सुखानी परिवार रहा प्रसादी का लाभार्थी

कार्यक्रम के अंत में संघपति जैन रत्न संपत राज कोठारी ने देश-विदेश और स्थानीय क्षेत्रों से पधारे सभी अतिथियों का भावभीना अभिनंदन किया। उन्होंने कोरा संघ में गुरुदेव के मंगल पदार्पण और उनके ज्ञानवर्धक प्रवचनों के लाभ के लिए गुरुदेव के प्रति गहरी कृतज्ञता व आभार व्यक्त किया।

प्रवचन के समापन के पश्चात सभी उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए मगौतम प्रसादीफ (भक्ति भोज) का विशेष आयोजन किया गया, जिसके परम लाभार्थी होने का सौभाग्य श्रीमती चंद्रा बाई भीकम चंद जी, गौतम चंद जी, पारस मल जी, किशोर चंद जी, विमल चंद जी सुखानी परिवार को प्राप्त हुआ।

छगन लाल अग्रवाल का जन्मदिन बना मानव सेवा का प्रेरणादायी उत्सव

हैदराबाद, 05 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने समाजसेवी छगन लाल अग्रवाल का जन्मदिन सेवा, समर्पण और मानवता के भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम आयोजित कर जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। जन्मदिन को केवल एक व्यक्तिगत उत्सव न मानकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का माध्यम बनाया गया, जिसने उपस्थित सभी लोगों को मानव सेवा का प्रेरणादायी संदेश दिया। इस अवसर पर छगन लाल अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जीवन का सबसे बड़ा सुख दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने में है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भाव, समर्पण और निरंतरता के साथ मानव सेवा का कार्य कर रहा है, वह वास्तव में समाज के लिए अनुकरणीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा ही सच्ची पूजा है और यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार समाज के लिए कुछ समय और सहयोग दे, तो कोई भी व्यक्ति भूखा या असहाय नहीं रहेगा।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सेवा, करुणा, प्रेम और भाईचारे की भावना को मजबूत करना भी है। ऐसे सेवा कार्य लोगों के मन में मानवता के प्रति विश्वास जगाते हैं और नई पीढ़ी को भी समाजहित में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धरशुवाले अग्रवाल, छगन लाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, महेश अग्रवाल, मीना अग्रवाल, रेनू शर्मा सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.